THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 67 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.7 2080 शुक्रवार, 26 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

संसद का इनॉग्रेशन राष्ट्रपति करें

> समारोह का 20 विपक्षी पार्टियों ने बहिष्कार किया, 17 दल शामिल होंगे

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। संसद के नए भवन के इनॉग्रेशन पर विवाद थम नहीं रहा है। कुल 40 पार्टियों में से कांग्रेस समेत 20 विपक्षी पार्टियों ने इसके बहिष्कार का ऐलान किया है। उधर, भाजपा समेत 17 पार्टियों ने सरकार के न्योते को स्वीकार कर लिया है।

इस बीच सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति से नई संसद का उद्घाटन कराने का निर्देश देने वाली याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि लोकसभा सचिवालय ने राष्ट्रपति को उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं करके संविधान का उल्लंघन किया है। विपक्ष का कहना है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दरकिनार कर प्रधानमंत्री से इसका इनॉग्रेशन कराने का निर्णय न केवल गंभीर अपमान है, बल्कि यह लोकतंत्र पर भी सीधा हमला है।

भाजपा समेत 17 पार्टियां शामिल होंगी: भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट), शिरोमणी अकाली दल, एनपीपी, एनडीपीपी, एसकेएम, जेजेपी, आरएलजेपी, आरपी (अठावले), अपना दल (एस), तमिल

मनीला कांग्रेस, एआईएन्नाडीएमके, बीजेडी, तेलुगूदेशम पार्टी, वायएसआर कांग्रेस, आईएमके एमके और आजसू एमएनएफ।

20 पार्टियां विरोध कर रहीं

कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, आम आदमी पार्टी, शिवसेना (उद्धव गुट), समाजवादी पार्टी, राजद, सीपीआई, जेएमएम, केरल कांग्रेस (मणि), वीसीके, रालोद, राकांपा, जदयू, सीपीआई (एम), आईयूएमएल, नेशनल कॉन्फ्रेंस, आरएसपी, एआईएमआईएम और एमडीएमके।

नई संसद विवाद में किसने क्या, कहा

कांग्रेस नेता जयराम नरेश ने कहा, 'कल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रांची में देश के सबसे बड़े न्यायिक परिसर का इनॉग्रेशन किया। यह एक व्यक्ति के अहंकार और आत्म-प्रचार की इच्छा है, जिसने पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति को 28 मई को नए संसद भवन का इनॉग्रेशन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार से वंचित कर दिया है। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि जहां तक नया संसद भवन बनाने की बात है तो यह नई बात नहीं है। यह 32 साल पहले कांग्रेस की ही सोच थी। अब कोई इसका बहिष्कार करता है या उद्घाटन समारोह में नहीं जाता है तो इस पर उन्हें कोई टिप्पणी नहीं करनी है। नए भवन का निर्माण जरूरी था और यह अच्छा है कि अब यह बन गया है।

75 साल बाद राजदंड का संसद में प्रवेश होगा

मोदी 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास पवित्र सेंगोल (राजदंड) स्थापित करेंगे। अंग्रेजों की तरफ से 14 अगस्त 1947 की रात इसे पं. नेहरू को सत्ता हस्तांतरण के रूप में सौंपा गया था। 1960 से पहले यह आनंद भवन और फिर 1978 से इलाहाबाद म्यूजियम में रखा था। अब 75 साल बाद राजदंड का संसद में प्रवेश होगा।

प्रवीण सूद सीबीआई डायरेक्टर बने

2 साल का कार्यकाल होगा, दो महीने पहले डीके शिवकुमार ने सूद को नालायक कहा था

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व डीजीपी प्रवीण सूद ने गुरुवार को सीबीआई के डायरेक्टर का पदभार संभाल लिया है। 14 मई को उन्हें डायरेक्टर नियुक्त किया गया था। 1986 बैच के आईपीएस अधिकारी सूद दो साल तक इस पद पर रहेंगे। वे मई 2024 में रिटायर होंगे, लेकिन इस नियुक्ति के साथ ही उनका कार्यकाल मई 2025 तक बढ़ गया है। सीबीआई के मौजूदा डायरेक्टर सुबोध कुमार जायसवाल का कार्यकाल आज समाप्त हो चुका है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले 14 मार्च को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने उन्हें नालायक कहा था। शिवकुमार ने कहा था कि हमारे डीजीपी इस पद के लायक नहीं हैं। वह तीन साल से डीजीपी हैं, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता की तरह काम करते हैं। उनके खिलाफ एफआईआर होनी

चाहिए। शिवकुमार ने आरोप लगाया था कि सूद ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर 25 केस दर्ज किए, लेकिन भाजपा नेताओं पर एक भी केस दर्ज नहीं किया। हमने चुनाव आयोग से भी शिकायत की। उन्होंने प्रवीण सूद की गिरफ्तारी की मांग की थी। शिवकुमार ने कहा था कि चुनाव के बाद कांग्रेस की सरकार बनी तो सूद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी और सीजेआई ने लगाई मुहर

13 मई की शाम पीएम मोदी, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवीई चंद्रचूड़ और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी के बीच एक मीटिंग हुई थी। मीटिंग में सीबीआई डायरेक्टर के पद के लिए तीन आईपीएस अधिकारियों का चयन किया गया था। पीएम मोदी और डीवीई चंद्रचूड़ ने प्रवीण सूद के नाम पर मुहर लगाई। सूद के नाम पर अधीर रंजन चौधरी को ऐतराज था।

प्रवीण सूद हिमाचल के हैं, 22 साल की उम्र में आईपीएस बने

प्रवीण सूद हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के रहने वाले हैं। उनके पिता ओम प्रकाश सूद दिल्ली सरकार में क्लर्क थे, जबकि मां कमलेश सूद दिल्ली के सरकारी स्कूल की टीचर थीं। सूद की स्कूलिंग दिल्ली के सरकारी स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने आईआईटी दिल्ली से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। >14

मणिपुर में तीसरे दिन आगजनी

इम्फाल, 25 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा दिए जाने के खिलाफ 3 मई से शुरू हुई हिंसा 20 दिन बाद फिर भड़क गई है। बिष्णपुर जिले के त्रोंग्लाओबी गांव में कर्फ्यू में ढील देते ही हिंसा हुई। दरअसल, संदिग्ध कुकी लोगों ने मंगलवार को तीन मैतेई घरों को आग के हवाले कर दिया। इस घटना का बदला लेते हुए दूसरे समुदाय ने भी चार घर जला दिए। फिर हथियारों से लैस लोगों ने विष्णुपुर के मोइरांग के कुछ गांवों में हमला किया।

हंगामे का शोर सुनकर मोइरांग के राहत शिविर के कुछ लोग बाहर आए। इस बीच, तोइजाम चंद्रमणि नाम के युवक को पीठ में गोली लगी जो सीने से होकर निकल गई। जानकारी मिलते ही असम रायफल्स के जवान मौके पर पहुंचे। उन्होंने मैतेई युवकों को भगाते हुए हिंसा बढ़ने से रोक दी। जवानों ने कई कुकी बंकर तोड़ दिए। घटना के बाद जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया है। जख्मी चंद्रमणि ने बाद में दम तोड़ दिया। कुकी समुदाय के लोगों का कहना है कि कुकी नेशनल ऑर्गेनाइजेशन और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट के साथ केंद्र और राज्य सरकार की राजनीतिक वार्ता के माध्यम से ही समाधान निकलना चाहिए। 3

सरकारी प्रतिनिधि हमारे पास केवल शांति बहाली की बात करने क्यों आ रहे हैं। पहले हमारी समस्याओं का समाधान होना चाहिए। वहीं, मैतेई समुदाय ने कहा कि कुकी म्यांमार से आए घुसपैठिए हैं, इन्हें बाहर किया जाए, जबकि मैतेई यहां के भूमिपुत्र हैं। >14

यूपीएससी में 44वीं रैंक को लेकर रार?

बिहार और हरियाणा के तुषार में छिड़ा विवाद दोनों का सेम रोल नंबर

रेवाड़ी, 25 मई (एजेंसियां)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) रिजल्ट में 44वीं रैंक पाने वाले तुषार कुमार नाम के दो अभ्यर्थियों के बीच विवाद हो गया। एक हरियाणा के रेवाड़ी जिले के रहने वाले तुषार है तो दूसरे बिहार के भागलपुर निवासी तुषार कुमार है। दोनों के एडमिट कार्ड में रोल नंबर भी सेम है। दोनों 44वीं रैंक पर खुद का दावा कर रहे है। भागलपुर के तुषार कुमार ने दूसरे तुषार कुमार के एडमिट कार्ड को फर्जी करार दिया है।

इसके साथ ही बिहार के कैमूर (भभुआ) के एसपी को इसकी शिकायत भी दर्ज कराई गई है। वहीं दूसरी तरफ रेवाड़ी निवासी तुषार कुमार इस पूरे मामले को क्लियर करने के लिए गुरुवार को दिल्ली स्थित यूपीएससी के मुख्यालय में पहुंचे है। 2 दिन पहले जब रिजल्ट आया तो रेवाड़ी शहर की सत्ती कॉलोनी में रहने वाले तुषार कुमार पुत्र स्वर्गीय बृजमोहन के घर बधाई देने वालों का तांता लग गया। हर तरफ तुषार की काबिलियत की

तारीफ होने लगी। क्योंकि तुषार ने 12वीं तक की पढ़ाई सरकारी स्कूल में की।

इसके बाद के एल पी कॉलेज से बीकॉम की और फिर यूपीएससी की तैयारी शुरू की। इस दौरान उनकी मां और पिता का निधन हो गया। बेहद गरीब परिवार से तालुक रखने वाले तुषार कुमार ने दावा किया कि वह ही वो तुषार है, जिसने यूपीएससी में 44वां रैंक तीसरे प्रयास में पाया है। बिहार के भागलपुर निवासी तुषार कुमार ने रेवाड़ी के तुषार के दावे को गलत और भ्रमित करने वाला बताया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के तुषार का एडमिट कार्ड ही फर्जी है, उसे एडिट कर बनाया गया है। उसमें यूपीएससी का वाटर मार्क भी नहीं है। >14

सत्येंद्र जैन तिहाड़ जेल के वॉशरूम में गिरे, चोटें आईं

दीनदयाल से एलएनजेपी अस्पताल शिफ्ट किया, ऑक्सीजन सपोर्ट पर

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी नेता सत्येंद्र जैन गुरुवार सुबह तिहाड़ जेल के वॉशरूम में फिसलकर गिर पड़े थे। उन्हें सुबह दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोपहर करीब 12 बजे उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें लोक नारायण जय प्रकाश अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। उन्हें फिलहाल ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। तिहाड़ के अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 6 बजे सत्येंद्र जैन तिहाड़ की जेल नंबर 7 के मेडिकल इंस्पेक्शन रूम के बाथरूम में फिसलकर गिर पड़े। यहां उन्हें कमजोरी की शिकायत के बाद ऑब्जर्वेशन में रखा गया था। शुरुआती जांच में उनके अंग ठीक से काम कर रहे थे, लेकिन जैन ने पीठ, बाएं पैर और कंधे में दर्द की

शिकायत की, जिसके बाद उन्हें अस्पताल लाया गया।

एक हफ्ते में यह तीसरी बार है, जब जैन को अस्पताल लाया गया है। इससे पहले 22 मई को उन्हें दिल्ली के ही सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था। तब उन्हें रीढ़ में परेशानी आई थी। 20 मई को भी वो इसी परेशानी के चलते दीन दयाल अस्पताल लाए गए थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया कि जो इंसान जनता को अच्छा इलाज और अच्छी सेहत देने के लिए दिन-रात काम कर रहा था, आज उस भले इंसान को एक तानाशाह मारने पर तुला है। उस तानाशाह की एक ही सोच है, सबको खत्म कर देने की, वो सिर्फ 'मैं' में ही जीता है। वो सिर्फ खुद को ही देखना चाहता है।

भगवान सब देख रहे हैं, वो सबके साथ न्याय करेंगे।

वकील ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था- ये आदमी कंकाल हो गया

सुप्रीम कोर्ट में वकील ने दी थी सेहत की जानकारी सत्येंद्र जैन के वकील अभिषेक एम सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की गिरती सेहत का हवाला दिया था। सिंघवी ने कहा था कि वो आदमी कंकाल हो गया है, जेल में 35 किलो वजन घट गया है। सेहत लगातार बिगड़ रही है और उनका केस वेटिंग लिस्ट में 416 नंबर पर है।

पवार से मिले केजरीवाल

केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष को जोड़ने का मांगा समर्थन

मुंबई , 25 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल देशव्यापी दौरे पर हैं। इसी कड़ी में केजरीवाल ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले बाद केंद्र सरकार एक अध्यादेश लाया, जिसने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को एकदम पलट कर रख दिया है। अदालत ने जहां सभी अधिकार मुख्यमंत्री को दिए थे, वहीं ट्रांसफर और पोस्टिंग के मामले में केंद्र सरकार ने अध्यादेश के जरिये सभी अधिकार वापस उपराज्यपाल को दे दिए हैं।

अब इसी अध्यादेश के खिलाफ केजरीवाल मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष को जोड़ने और अपने लिए समर्थन मांगने की कवायद में जुटे हुए हैं। केजरीवाल चाहते हैं कि जब यह अध्यादेश बिल के रूप में केंद्र सरकार राज्यसभा में लाए तब पूरा विपक्ष एकजुट होकर इसका विरोध करे। ताकि यह कानून न बन सके। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि हमने पंजाब, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में देखा कि राज्यपाल कैसे सरकार को तंग कर रहे हैं। दिल्ली में इन्होंने जो किया वह जनतंत्र के खिलाफ है। देश की जनता को इस अहंकारी सरकार को हटाना चाहिए। मैं दीदी का धन्यवाद करूंगा कि इन्होंने कहा कि वे राज्यसभा में हमारा समर्थन करेंगी। राज्यसभा में अगर यह बिल गिर जाता है तो यह 2024 से पहले का सेमीफाइनल होगा।

अमूल को लेकर स्टालिन ने शाह को लिखा पत्र

तमिलनाडु में एंट्री का विरोध किया, आविन से दूध न लेने का निर्देश देने की अपील

चेन्नई, 25 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह को दूध ब्रांड अमूल की राज्य में एंट्री को लेकर पत्र लिखा है। उन्होंने शाह से अमूल को प्रदेश की को-ऑपरेटिव आविन से तुरंत दूध लेना बंद करने के निर्देश देने की अपील की है। इससे पहले कर्नाटक में अमूल और राज्य के नंदिनी ब्रांड को लेकर टकराव के हालात बने थे।

स्टालिन ने पत्र में लिखा कि अब तक अमूल राज्य में अपने केंद्रों से दूध बेचता था, लेकिन अब आविन से दूध खरीदने लगा है। हमें जानकारी मिली है कि हाल ही में अमूल ने अपने मल्टी स्टेट को ऑपरेटिव लाइसेंस का इस्तेमाल करके राज्य के कृष्णागिरी जिले में चिलिंग सेंटर और प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया है। इससे राज्य में डेयरी बिजनेस में काम कर रहे को-ऑपरेटिव के बीच अस्वस्थ कॉम्पिटिशन शुरू हो सकता है। रीजनल को-ऑपरेटिव राज्यों में डेयरी के डेवलपमेंट का आधार रही हैं। वे उत्पादकों को शामिल करने, उनका पोषण करने और कस्टमर को मनमाने मूल्य की वृद्धि से बचाने के लिए काम कर रही हैं।

स्टालिन ने लिखा कि भारत में को-ऑपरेटिव को एक-दूसरे के मिल्क शेड इलाके का उल्लंघन किए बिना काम करने देने की आदर्श व्यवस्था रही है।

अमूल का इस तरह का क्रॉस प्रोक्योरमेंट ऑपरेशन व्हाइट फ्लड की भावना के खिलाफ है। यह कदम देश में मौजूदा दूध की कमी के हालात को देखते हुए कस्टमर की समस्या बढ़ा देगा। अमूल का यह काम आविन के मिल्क शेड इलाके का उल्लंघन करता है। स्टालिन ने शाह को बताया कि आविन हमारा टॉप को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन है। इसके दायरे में ग्रामीण इलाकों में 9,673 दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियां काम कर रही हैं। ये लगभग 4.5 लाख सदस्यों से 35 एलएलपीडी दूध खरीदते हैं।

तमिलनाडु में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने और बनाए रखने के लिए आविन दुग्ध उत्पादकों के पशुओं के लिए पशु चारा, मिनिरल मिक्सचर, पशु के सेहत की देखभाल और प्रजनन की सेवाएं जैसे विभिन्न इनपुट भी देता है। इसके अलावा यह हमारे देश में सबसे कम कीमतों पर कस्टमर को क्वालिटी वाला दूध और दुग्ध के प्रोडक्ट की आपूर्ति सुनिश्चित करता है। आविन ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों की आजीविका में सुधार करने और कस्टमर की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में अहम रोल निभाता है।

दिल्ली में सीनियर कांग्रेस नेताओं से मिले सिद्धारमैया-डीके

कैबिनेट विस्तार पर चर्चा की

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कर्नाटक के इंचार्ज रणदीप सुरजेवाला और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ मीटिंग की। पार्टी के वॉर रूम 15, गुरुद्वार रकाबगंज रोड में हुई मीटिंग में स्टेट कैबिनेट के विस्तार पर चर्चा हुई। इससे पहले सिद्धारमैया और डीके ने वेणुगोपाल के साथ उनके निवास पर चर्चा की थी। दोनों नेता आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत अन्य नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार बुधवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। वहीं, सिद्धारमैया रात को दिल्ली पहुंचे। डीके ने दिल्ली पहुंचकर पार्टी के भीतर फूट की अफवाहों को नकार दिया। उन्होंने कहा कि स्टेट पार्टी प्रेसिडेंट के तौर पर मैं बता सकता हूं कि ऐसा कुछ नहीं है। कोई भी अंदरूनी मुद्दा नहीं है। डीके ने कहा कि ये एक रूटीन दौरा है। हमें जल्द से जल्द कैबिनेट विस्तार करना है। उस पर काम चल रहा है। हम राज्य से जुड़े मुद्दों पर पार्टी के सीनियर नेताओं से चर्चा करेंगे। 20 मई को सिद्धारमैया और डीके के साथ 8 मंत्रियों ने शपथ ली थी। हालांकि अभी तक मंत्रियों को पोर्टफोलियो नहीं दिए गए हैं। कर्नाटक सरकार में अधिकतम 34 मंत्री ही हो सकते हैं। ऐसे में जल्द ही कैबिनेट विस्तार होने की संभावना है।

सिद्दारमैया को जान का खतरा

बैंगलुरू, 25 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक कांग्रेस का कहना है कि मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को जान का खतरा है। पार्टी ने भाजपा के पूर्व मंत्री सी.एन. अश्वथ नारायण के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एम. लक्ष्मण ने गुरुवार को मैसूर में कहा कि सीएम सिद्दारमैया को अब भी बीजेपी से जान का खतरा है।

उन्होंने कहा, हम पूर्व मंत्री अश्वथ नारायण के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मैसूरु 10पीछे की मंशा का पता लगाया जाना चाहिए। उधर अश्वथ नारायण ने गुरुवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि पार्टी राज्य में नफरत की राजनीति कर रही है। अश्वथ नारायण ने दावा किया कि कांग्रेस के सत्ता में आते ही पुलिस पर दबाव बनाकर उनके खिलाफ एफआईआर करा दी गई। उन्होंने दावा किया, मैंने मैसूर के तत्कालीन शासक टीपू सुल्तान के प्रति सिद्धारमैया के प्रेम पर बयान दिया था। मेरी उनसे कोई जातीय दुश्मनी नहीं है।

सीजेआई के हिंदी में भाषण देने पर राष्ट्रपति मुर्मू ने की तारीफ

न्याय के लिए विभिन्न भाषाएं जरूरी

रांची , 25 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ के हिंदी बोलने की तारीफ की। दरअसल, झारखंड उच्च न्यायालय के नए भवन के उद्घाटन के दौरान सीजेआई ने हिंदी में भाषण दिया था, जिस पर राष्ट्रपति ने खुशी जाहिर की। साथ ही उन्होंने न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में भाषा के महत्व के बारे में बात की।

बता दें, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को रांची में झारखंड उच्च न्यायालय के नए भवन के उद्घाटन के अवसर पर बोल रही थीं। उन्होंने इस दौरान मुख्य न्यायाधीश को धन्यवाद दिया और न्याय के दरबार में विभिन्न भाषाओं को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई भाषाओं में काम करने की शुरुआत की है। यह जरूरी भी है। झारखंड के लोग अंग्रेजी के अलावा दूसरी भाषाओं में सहज हैं। राष्ट्रपति ने झारखंड उच्च न्यायालय की जिस बिल्डिंग का उद्घाटन किया, वह पूरे देश में अब तक का सबसे बड़ा न्यायिक परिसर है। 165 एकड़ क्षेत्र में फैले इस परिसर के 72 एकड़ क्षेत्र में उच्च न्यायालय बिल्डिंग सहित वकीलों के लिए आधारभूत संरचना तैयार की गई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उद्घाटन समारोह में कहा कि कई बार कोर्ट के फैसलों के बाद भी लोगों को न्याय नहीं नहीं मिलता। लोग एक-एक केस के लिए वर्षों तक लड़ाई लड़ते हैं। समय, रुपये और रातों की नींद बर्बाद होती है। कुछ मामले उच्च न्यायालय में फाइनल होते हैं। कुछ मामलों में सुप्रीम कोर्ट में आखिरी फैसला होता है। जिनके पक्ष में फैसला आता है, वे खुश होते हैं, लेकिन पांच-दस साल बाद पता चलता है कि उन्हें न्याय मिला ही नहीं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित होना चाहिए कि लोगों को सच में न्याय मिले। यह कैसे होगा, इसका रास्ता तो नहीं पता मुझे। पर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस, कानून मंत्री, जज, वकील सब मिलकर इसका रास्ता निकालें।

राष्ट्रपति ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि मैं गांव में एक ऐसी समिति से जुड़ी थी जो यह देखती थी कि कोर्ट के फैसले के बाद परिवार किस हाल में है। उस वक्त पता चला कि जमीनी हकीकत कुछ और ही है।

पीएम ने देहरादून-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री बोले-अब देश वंदे भारत की स्पीड से आगे बढ़ रहा

देहरादून, 25 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड की पहली और देश की 18वीं वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड का विकास भारत के विकास में भी मदद करेगा। देश अब रुकने वाला नहीं है, वह वंदे भारत की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और बढ़ता जाएगा। देहरादून से दिल्ली तक जाने वाली यह ट्रेन इस साल लॉन्च हुई 5वीं वंदे भारत ट्रेन है। इसके साथ ही उत्तराखंड रेलवे का 100% विद्युतीकरण भी पूरा हो चुका है।

वंदे भारत के उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि- पिछली सरकारें केवल अपने साम्राज्य की परवाह करती थीं। आम आदमी उनकी प्राथमिकता में नहीं था। पहले की सरकार ने केवल वादे किए, लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं किया। हमने सभी वादों को पूरा किया। रेलवे की भी उपेक्षा की। प्रधानमंत्री बोले- पहले की सरकारों ने देश की इन जरूरतों को समझा ही नहीं। वे परिवारवाद के अंदर सिमटे हुए थे। भारत में हाई स्पीड ट्रेनों को लेकर बड़े दावे हुए, कई साल बीत गए। हाईस्पीड तो छोड़िए रेल नेटवर्क से मानव रहित फाटक तक नहीं हटा पाए। लेकिन हमारी सरकार ने 2014 के बाद रेलवे को बदलने के लिए चौतरफा काम किया।

अशोक-अकबर द ग्रेट, मोदी इनॉग्रेट

जयराम रमेश बोले- एक व्यक्ति के अहंकार के चलते...

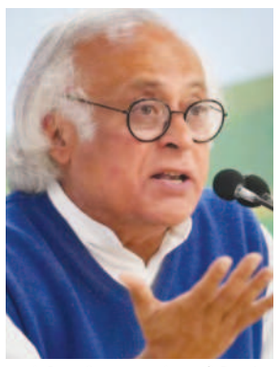

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। जयराम रमेश ने कहा, यह एक व्यक्ति का अहंकार और आत्म-प्रचार की इच्छा है जिसने पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति को संवैधानिक विशेषाधिकार से वंचित कर दिया है। उन्होंने पीएम तंज कसते हुए उन्हें मोदी द इनॉग्रेट (उद्घाटन) कहा है। गुरुवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर लिखा, कल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रांची में झारखंड उच्च न्यायालय परिसर में देश के सबसे बड़े न्यायिक परिसर का उद्घाटन किया। यह एक व्यक्ति का अहंकार और आत्म-प्रचार की इच्छा है जिसने पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति को 28 मई को नई दिल्ली में नए संसद भवन का उद्घाटन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार से वंचित कर दिया है। जयराम रमेश ने देश में महान की उपाधि पाए दो शासकों से तुलना करते हुए आगे लिखा, अशोक द ग्रेट, अकबर द ग्रेट और मोदी द इनॉग्रेट।

19 पार्टियों ने किया है बहिष्कार

नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से न कराए जाने के विरोध में कांग्रेस, एनसीपी, टीएमसी और आम आदमी पार्टी समेत देश के 19 राजनीतिक दलों ने उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने का फैसला किया है। इन दलों ने एक संयुक्त बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि लोकतंत्र की आत्मा को संसद से निष्कासित कर दिया गया है। ऐसे में हमें इस इमारत में कोई मूल्य नहीं नजर आता। हम निरंकुश प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे।

राष्ट्रपति पद का अपमान-विपक्ष

विपक्ष ने कहा, हम इस महत्वपूर्ण अवसर पर अपने मतभेदों को दूर करने को तैयार थे। लेकिन जिस तरह से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पूरी तरह से दरकिनार करते हुए जिस तरह से नई संसद बिल्डिंग का उद्घाटन प्रधानमंत्री से कराने का निर्णय लिया गया, वह शीर्ष पद का न केवल अपमान है, बल्कि लोकतंत्र पर सीधा हमला है। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति न केवल भारत में राज्य का प्रमुख होता है, बल्कि संसद का एक अभिन्न अंग भी होता है। वह संसद को बुलाते हैं, सत्रावसान करते हैं और संबोधित करते हैं। संक्षेप में, राष्ट्रपति के बिना संसद कार्य नहीं कर सकती है।

लोकतंत्र का डंका दुनिया में पीटने से पहले देश में हालात ठीक करें पीएम

नए संसद भवन के उद्घाटन पर बोले संजय राउत

'निमंत्रण पत्र पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का नाम नहीं, यह तो कोई ठीक काम नहीं'

'पूरी दुनिया में लोकतंत्र का डंका पीटने से पहले अपने देश में लोकतंत्र कहां जा रहा है, यह ध्यान रखना चाहिए। निमंत्रण पत्रिका में राष्ट्रपति का नाम तक नहीं है। उप राष्ट्रपति का नाम तक नहीं है। आप तो जब द्रौपदी मुर्मू का नाम राष्ट्रपति पद के लिए सामने ला रहे थे तब इस बात का डंका पीट रहे थे कि आप आदिवासियों के हितैषी हैं। आज आपने राष्ट्रपति को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। हमारा नए संसद भवन के खिलाफ नहीं हैं, हमारा सिर्फ इतना कहना है कि यह काम राष्ट्रपति के हाथों से किया जाए।'

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। नए संसद भवन के उद्घाटन के मुद्दे पर ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की बीजेपी सरकार पर आज गुरुवार जोरदार हमला किया है। वे लगातार तीन दिनों से नए संसद भवन का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों किए जाने पर एतराज उठा रहे हैं। आज भी उन्होंने ऐसा ही किया। उनका कहना है कि संसदीय प्रणाली में राष्ट्रपति का स्थान बेहद अहम है। राष्ट्रपति के अभिभाषण से संसद का सत्र शुरू होता है। उद्घाटन का कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजाए राष्ट्रपति के हाथों से किया जाना चाहिए। संजय राउत ने मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा,' आप तीन देशों का दौरा करके आए हैं। आप विश्वगुरु हैं तो लोकतंत्र के भी गुरु हैं। सबसे पहले राष्ट्रपति भवन जाएं और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करें। दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाने से पहले अपने देश में लोकतंत्र का खयाल रखिए।'

फडणवीस ने किया था कटाक्ष, राउत ने दिया जवाब

बता दें कि बीजेपी समेत 17 दल नए संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं, इनमें से 4 विपक्षी राजनीतिक दल भी हैं। 20 राजनीतिक दलों ने इसके बहिष्कार का ऐलान किया है। रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया जाना है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और बीआरएस का स्टैंड अब तक क्लियर नहीं है। उद्धव ठाकरे गुट के विरोध को लेकर बीजेपी नेता और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कटाक्ष करते हुए कल कहा कि, 'जिन्हें मोदी विरोध का बुखार चढ़ा हुआ है, वही लोग नए संसद भवन के उद्घाटन का विरोध कर रहे हैं।' आगे फडणवीस ने कहा कि 'विरोध की जो वजह बताई जा रही है, वो हास्यास्पद है। जो उद्घाटन में नहीं जा रहे हैं, उन्हें बुलाया किसने है? उद्धव ठाकरे को जो जगह दी गई है, वहां तो वे जाते नहीं। विधान परिषद में जाकर कभी दो घंटे बैठे नहीं। उन्हें पार्लियामेंट में कौन बुला रहा है? चाहे कितने ही नागनाथ-सांपनाथ साथ (केजरीवाल-उद्धव की मुलाकात) आएं, मोदी को पराजित नहीं कर पाएंगे।'

'राष्ट्रपति को नहीं बुलाया, तो वे हमें क्या बुलाते; कोई उन्हें समझा दे'

इसके जवाब में संजय राउत ने कहा कि, 'हमें ना बुलाने की बात छोड़िए, आपने तो राष्ट्रपति तक को नहीं बुलाया। हमारी क्या बिसात। और रही बात नागनाथ-सांपनाथ की तो इनकी तो हमारे यहां पूजा होती है। फडणवीस को जाकर कोई यह समझाए।'

बेंगलुरु में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या से हड़कंप, बाइक सवार पांचों आरोपी फरार

बेंगलुरु, 25 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में सत्ताधारी कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की हत्या से इलाके में हड़कंप मच गया है। कांग्रेस कार्यकर्ता का शव राजधानी बेंगलुरु के चौवदेश्वरी नगर में पड़ा मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शव पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने बताया कि शव की पहचान कर ली गई है। मृतक की पहचान 42 वर्षीय रवि उर्फ मथिरावी के तौर पर हुई है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि रवि के सिर पर पत्थर से वार किया गया है। रवि का सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस का दावा है कि हत्या की वारदात को पांच लोगों ने अंजाम दिया है। पांच आरोपी बाइक पर आए और रवि के सिर पर पत्थर से वार कर उसकी जान ले ली।

भारत में सामने आए कोरोना 535 नए मामले सक्रिय मामले घटकर हुए 6,168

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भारत में बीते 24 घंटे में कोरोना के 535 नए मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, सक्रिय मामले 6,591 से घटकर 6,168 हो गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को ये आंकड़े अपडेट किए गए हैं। 5 लोगों की मृत्यु के बाद कुल मृतकों की संख्या बढ़कर 5,31,854 हो गई है, जिसमें केरल से 3 लोगों की मृत्यु भी शामिल है। ये आंकड़े सुबह 8 बजे अपडेट किए गए हैं।

कोविड मामलों की संख्या 4.49 करोड़ (4,49,88,426) दर्ज की गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, सक्रिय मामलों में अब कुल संक्रमणों का 0.01 प्रतिशत शामिल है, जबकि राष्ट्रीय कोविड-19 रिकवरी दर 98.80 प्रतिशत दर्ज की गई है। कोरोना संक्रमण से ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,50,404 हो गई है और मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत दर्ज की गई है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक कोविड टीके की 220.66 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं।

मेंगलुरु एयरपोर्ट पर टला बड़ा विमान हादसा

उड़ान भरते ही पक्षी से टकराया विमान, सभी यात्री सुरक्षित

मेंगलुरु, 25 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के मेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उस समय बड़ा हादसा टल गया जब गुरुवार को दुबई जा रहा इंडिगो का एक विमान उड़ान भरते समय पक्षी से टकरा गया। हवाई अड्डे के सूत्रों के मुताबिक, घटना सुबह 8.30 बजे हुई और यात्रियों में अफरातफरी मच गई। जब उड़ान टैक्सीवे को पार कर चुकी थी और उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार थी, तब उसका एक पंख पक्षी से टकरा गया। सूत्रों ने कहा कि पायलट ने घटना के बारे में तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचित किया और उड़ान रद्द कर दी। अधिकारियों ने यात्रियों के दुबई जाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की। सूत्रों के मुताबिक, तकनीशियनों द्वारा उड़ान का निरीक्षण किया जा रहा है।

मुंबई, पुणे और भिवंडी की कई इमारतों में लगी आग

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अलग-अलग शहरों से पिछले कुछ घंटों में भीषण आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। आग लगने की ये घटनाएं सूबे के मुंबई, भिवंडी और पुणे शहरों में हुई हैं। मुंबई की घटना में आग के लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है, लेकिन भिवंडी और पुणे की इमारतों में क्यों आग लगी, यह अभी तक पता नहीं है।

जम्मू में तेज हवाओं और बारिश का दौर जारी

किश्तवाड़ में पेड़ गिरने से चार की मौत

जम्मू, 25 मई (एजेंसियां)। जम्मू और इसके आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार की शुरुआत घने बादल, बारिश और तेज हवाओं के साथ हुई। बारिश की बूंदों और हवाओं के साथ लोग सुबह अपने गंतव्यों के लिए रवाना हुए। इससे तापमान में गिरावट आई है। इससे एसी और कूलर को एक बार आराम मिल गया है। मौसम विभाग श्रीनगर के अनुसार 30 मई तक मौसम बिगड़ा रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 25 और 26 मई को कुछ जगहों पर ओलावृष्टि और तेज हवाओं की संभावना के साथ रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश होगी। करीब 30 मई तक मौसम बिगड़ा रहेगा। इस दौरान रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार है। मौसम विभाग ने किसानों को 25 और 26 मई के दौरान सभी कृषि कार्यों को स्थगित करने की सलाह दी है। उधर, किश्तवाड़ में बिगड़े मौसम के चलते देर रात एक पेड़ गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, जनजातीय समुदाय से जुड़ा एक परिवार के पांच सदस्य जिले के ठकरियां ब्लॉक के भलहाना जंगल में रात्रि विश्राम के लिए रुके थे। परिवार को किश्तवाड़ दच्छन के लिए जाना था। लेकिन रात्रि विश्राम के दौरान बिगड़े मौसम के चलते पेड़ उखड़ उन पर जा गिरा। इससे चार लोगों की मौत हो गई। जबकि एक की जान बच गई है। हादसे का पता चलते ही सुबह पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। वहीं, पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

सिरदर्द से परेशान महिलाः जांच में पता चली बीमारी; आठ घंटे में निकाला सिर से 163 ग्राम गेंद जैसा ट्यूमर

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के नेहरू विहार में रहने वालीं 37 वर्षीय अफसाना के सिर से गेंद की आकार का ट्यूमर निकाला गया है। मरीज अब ठीक है और तेजी से रिकवरी कर रही है। दरअसल महिला को जब कई बार सिर में हल्का सिरदर्द हुआ तो उसे नई दिल्ली स्थित एक निजी अस्पताल में लाया गया। यहां दिमाग की एमआरआई करवाने पर मस्तिष्क में एक चमड़े की क्रिकेट गेंद के आकार का ट्यूमर का पता चला। इसे हटाने में करीब आठ घंटे लगे। महिला का उपचार करने वाले डॉ। रविंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि यह एक साइलेंट ब्रेन ट्यूमर था।

कांग्रेस से अलग राह पर चले कपिल सिब्बल

नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर बीजेपी से पूछ लिया ये सवाल

नई दिल्लीनए संसद भवन को लेकर पिछले कुछ दिनों से जारी विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। 28 मई को इसका उद्घाटन भी तय माना जा रहा है लेकिन यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। एक पीआईएल दायर करके याचिकाकर्ता ने पीएम मोदी के हाथों संसद भवन के उद्घाटन का विरोध किया है। सपा की मदद से राज्यसभा पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने इस मसले पर एक ट्वीट कर इसके उद्घाटन को लेकर सवाल उठाए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने अपने ट्वीट में लिखा है कि संसद हमारे गणतंत्र का प्रतीक है। राष्ट्रपति गणतंत्र का प्रमुख होता है। इस औपचारिक आयोजन में राष्ट्रपति की अनुपस्थिति हमारे गणतंत्र के लोकाचार का अवमूल्यन करने के बराबर है। उन्होंने केंद्र से सवालिया लहजे में पूछा है कि क्या सरकार को इस बात की परवाह है! कपिल सिब्बल अपने ट्वीट के जरिए अहम सवाल उठाए हैं। उनके इस सवाल से साफ है कि इतना बड़ा अवसर जो सीधे देश के गणतंत्रीय और लोकतंत्रीय ढांचे से जुड़ा है, उसमें भी राष्ट्रपति की उपेक्षा को कितना जायज माना जा सकता है।

एक साथ 1272 सांसदों के बैठने की क्षमता

नए संसद भवन का 28 मई को उद्घाटन होगा। उद्घाटन समारोह को ध्यान में रखते हुए नई संसद की नई इमारत की साज-सज्जा का काम अंतिम चरण में है। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2020 में नए संसद भवन की आधारशिला रखी थी। उसी समय से संसद भवन का निर्माण विवादों के घेरे में है। फिलहाल, आपको यह बात दें कि नए संसद भवन की आंतरिक साजसज्जा पर खासा ध्यान दिया गया है। यह 64,500 वर्गमीटर के विशाल क्षेत्र में फैला है। इको फ्रेंडली ग्रीन कंस्ट्रक्शन से बिजली खपत को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकेगा। नए संसद भवन के लोकसभा कक्ष में 888 सांसदों, राज्यसभा कक्ष में 384 सांसदों के बैठने की सुविधा होगी। संयुक्त संसद अधिवेशन में 1272 सांसदों की सिटिंग क्षमता होगी। हाईक्वॉलिटी ऑडियो-विडियो सिस्टम तैयार किया गया है। इसके अलावा, नए भवन में संविधान हॉल, लाइब्रेरी, कमेटी कक्ष है।

धर्म नगरी चित्रकूट में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ होटल में गंदा काम करते दो युवतियां पकड़ाईं

सतना, 25 मई (एजेंसियां)। सतना जिले की धार्मिक नगरी चित्रकूट के एक होटल में सेक्स रैकेट पकड़ा गया है। होटल में देह व्यापार चल रहा था। पुलिस ने यहां से दो युवतियों को हिरासत में लिया है। जानकारी के मुताबिक चित्रकूट के होटल राम दरबार में छापामारी कर चित्रकूट थाना पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस होटल में देह व्यापार चलते हुए पाया गया है। पुलिस ने दो युवतियों को हिरासत में लिया है, जबकि युवक फरार होने में कामयाब हो गए। पकड़ी गई दोनों युवतियां मध्यप्रदेश के बाहर अन्य प्रांत की रहने वाली बताई जा रही हैं। पुलिस को इस होटल में पिछले काफी समय से देह व्यापार और अन्य अनैतिक कारोबार चलाए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। बुधवार को पुलिस ने प्लानिंग कर होटल में रेड डाली।

इसके लिए पुलिसकर्मी को ग्राहक बना कर डीलिंग कराई गई। सब कुछ तय हो जाने के बाद ग्राहक बने पुलिसकर्मी को होटल में भेज कर पुलिस टीम ने दबिश दी। जहां दो युवतियां और दो युवक पहले से मौजूद थे, उन्हें आपत्तिजनक हालत में पाया गया। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल की दो युवतियां होटल राम दरबार में ही रहती थीं।

सिद्धारमैया की तुलना टीपू सुल्तान से कर फंसे बीजेपी विधायक अश्वथ नारायण, एफआईआर दर्ज

बेंगलूरू, 25 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में बीजेपी विधायक सीएन अश्वथ नारायण के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वजह है फरवरी में सिद्धारमैया को लेकर दिया गया उनका बयान। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बयान दिया था। इसमें उन्होंने सिद्धारमैया को टीपू सुल्तान की तरह खत्म करने की बात कही थी। उन्होंने सिद्धारमैया की तुलना टीपू सुल्तान से की थी और दावा किया था कि टीपू सुल्तान अंग्रेजों से लड़ते हुए नहीं मरे थे, बल्कि दो वोक्कालिगा सरदारों, उरी गौड़ा और नन्जे गौड़ा ने उन्हें मारा था। उन्होंने ये भी कहा थी कि अगर कर्नाटक में सिद्धारमैया की सरकार बनी तो कांग्रेस का भी वही हश्र होगा जो उरी गौड़ा और नन्जे गौड़ा ने टीपू सुल्तान का किय था। इसी के साथ उन्होंने लोगों से बीजेपी को वोट देने की अपील की थी। इस दौरान उन्होंने जनता से सवाल किया था कि उन्हें टीपू चाहिए या सावरकर?

कांग्रेस ने लगाया था लोगों को भड़काने का आरोप

उस समय कांग्रेस ने बीजेपी विधायक लोगों को भड़काने का आरोप लगया था और इस मामले में शिकायत भी की थी लेकिन तब कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इसके बाद बुधवार को कांग्रेस का एक प्रतिनिधमंडल देवराजा पुलिस स्टेशन गया और एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने आईपीसी की धारा 506 और 153 के तहत अश्वथ नारायण के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इससे पहले कांग्रेस नेताओं ने एफआईआर दर्ज ना करने पर पुलिस स्टेशन के सामने धरने पर बैठने की धमकी दी थी।

अश्वथ नारायण ने दी थी सफाई

फरवरी में अश्वथ नारायण के बयान से मचे बवाल के बाद उन्होंने कहा था कि उनके बयान को गलत समझा गया है। वो केवल इतना ही कहना चा रहे थे कि इस चुनाव में कांग्रेस नहीं जीतनी चाहिए।

पंजाब के सीएम भगवंत मान को जेड प्लस सुरक्षा, तैनात होंगे सीआरपीएफ के 55 जवान

चंडीगढ़, 25 मई (एजेंसियां)। देश और विदेश से संभावित खतरों के मद्देनजर केंद्र ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को 'जेड प्लस' श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। 49 वर्षीय मान की सुरक्षा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वीआईपी सुरक्षा दस्ते द्वारा की जाएगी। मान को यह सुरक्षा उनकी सुरक्षा का विश्लेषण लेने के बाद की गई है। सूत्रों ने बताया कि मान को पूरे भारत में शीर्ष श्रेणी का 'जेड प्लस' कवर मुहैया कराया जाएगा और गृह मंत्रालय ने हाल ही में इसके लिए मंजूरी दे दी है। सीआरपीएफ जल्द ही यह काम संभालेगी और इसके लिए 55 सशस्त्र जवानों की एक टीम लगाई गई है। पंजाब पुलिस सुरक्षा के अलावा नवीनतम सुरक्षा कवर मुख्यमंत्री के घर और परिवार के करीबी सदस्यों को भी सुरक्षित रखेगा। सीमावर्ती राज्य में खालिस्तानी गतिविधियों के मद्देनजर मुख्यमंत्री की खतरे की धारणा विश्लेषण रिपोर्ट तैयार करने के दौरान केंद्रीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मान के लिए इस तरह के सुरक्षा कवर की सिफारिश की गई थी।

अलजेब्रा से लेकर यूनिवर्स तक

वेदों से आए साइंस के सिद्धांत, यूरोप वैज्ञानिकों ने की नकल- इसरो चीफ का दावा

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। साइंस के सिद्धांतों की उत्पत्ति वेदों से हुई है। ये कहना है भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चीफ एस सोमनाथ का। उनकी मानें तो अलजेब्रा से लेकर एविएशन तक, सबकुछ पहले वेदों में ही पाया गया था। बाद में अरब देशों के जरिए ये सारा ज्ञान यूरोप तक पहुंचा जिसे बाद में वहां के वैज्ञानिकों की खोजों के रूप में पेश किया गया। एस सोमनाथ के मुताबिक अलजेब्रा, स्क्वार रूट्स समय का परा कॉन्सेप्टस आर्किटेक्चर, यूनिवर्स का स्ट्रक्चर जैसी कई चीजें सबसे पहले वेदों में पाई गई थीं। सोमनाथ ने ये बात उज्जैन में महर्षि पाणिनि संस्कृत और वैदिक यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उनके मुताबिक एक समस्या ये भी थी कि भारतीय वैज्ञानिक संस्कृत भाषा का इस्तेमाल करते थे। इसकी कोई लिखित लिपि नहीं थी। इसे सुना गया और याद कर लिया गया, बाद में लोगों ने संस्कृत के लिए देवनागरी लिपि का इस्तेमाल करना शुरू किया। उन्होंने संस्कृत के महत्व पर बात करते हुए बताया कि इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को संस्कृत बहुत पसंद है। यह कंप्यूटर की भाषा को सूट करती है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सीखने वाले इसे सीखते हैं। गणना के लिए संस्कृत का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है, इस पर भी रिसर्च किया जा रहा है। अंतरिक्ष विभाग के सचिव और अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष सोमनाथ ने संस्कृत के कुच अन्य लाभ भी बताए। उनके मुताबिक ये लाभ विज्ञान से भी परे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय साहित्य जो संस्कृत में लिखा गया, वो मूल और दार्शनिक रूप से काफी ज्यादा समृद्ध है। संस्कृत में वैज्ञानिकों ने कितना योगदान दिया इसकी अंदाजा भारतीय संस्कृति की हजारों सालों की यात्रा से लगाया जा सकता है, संस्कृत में वैज्ञानिकों के योगदान की छाप हजारों वर्षों की भारतीय संस्कृति की यात्रा में देखी जा सकती है।

नवी मुंबई में 524 इमारतों को खतरनाक घोषित किया गया, खाली करने के निर्देश

ठाणे, 25 मई (एजेंसियां)। (महाराष्ट्र)नवी मुंबई नगर निगम ने शहरी क्षेत्र के विस्तृत सर्वेक्षण के बाद अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली 524 इमारतों को खतरनाक घोषित किया है। नगर निकाय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नवी मुंबई नगर निगम के आयुक्त राजेश नार्वेकर की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन भवनों में से 61 सी-1 श्रेणी (सबसे खतरनाक, रहने के लिए अनुपयुक्त तथा तत्काल गिराए जाने की आवश्यकता) में आते हैं। वहीं 114 सी-2ए श्रेणी (खाली करने तथा संरचनात्मक मरम्मत की आवश्यकता), 300 सी-2बी (बिना खाली कराए मरम्मत की जरूरत) और 49 सी-3 श्रेणी (मामूली मरम्मत की जरूरत) में आते हैं।

नए संसद के उद्घाटन पर 'दिग्गी' ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

बताया आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान

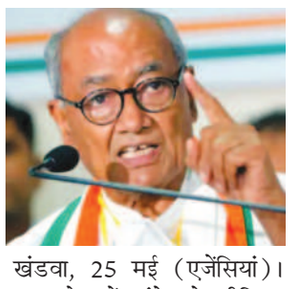

खंडवा, 25 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के सीनियर नेता दिग्विजय सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न तो नए संसद भवन के शिलान्यास में और न ही उद्घाटन में महामहिम राष्ट्रपति को बुलाया जा रहा है। हमारी आदिवासी महिला राष्ट्रपति का जो अपमान हुआ है, उसके कारण विपक्ष इस आयोजन में सम्मिलित नहीं हो रहा है। दिग्विजय सिंह ने मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के डीके वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा, नरोत्तम मिश्रा के बयानों को वे गम्भीरता से नहीं लेते। यहां तक कि वे उनके बयान भी सुनना पसंद नहीं करते। उनकी बात में न तो गंभीरता है और न ही राजनीति। वे केवल झूठे प्रकरण बनवाने में ही माहिर हैं। दिग्विजय सिंह का निमाड़ में तीन दिवसीय दौरा आज से शुरू हुआ है। खंडवा जिले के पंधाना पहुंचने पर उन्होंने यहां मंडल और सेक्टर के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से चर्चा की। यहां उन्होंने गृहमंत्री डॉ। नरोत्तम मिश्रा पर जुबानी हमला बोला। कहा, नरोत्तम मिश्रा के जो बयान होते हैं, उन्हें मैं गंभीरता से नहीं लेता। उनकी बात मैं गम्भीरता से सुनता भी नहीं हूं। वो सिर्फ झूठे प्रकरण बनवाते हैं। धौंस डपट करते हैं। गौरतलब है कि गृहमंत्री ने कहा था कि डीके शिवकुमार मप्र में आ रहे हैं। लेकिन, उनकी जरूरत ही नहीं है। क्योंकि यहां पहले से ही डी यानी दिग्विजय सिंह और के यानी कमलनाथ हैं। इन्हें चाहिए कि घर में बैठे अरुण यादव, सुरेश पचौरी जैसे नेताओं को बाहर निकालें और उन पर विश्वास करें। दिग्विजय सिंह यहां नए संसद भवन के मुद्दे पर भी बोले। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के आर्टिकल-79 में ये उल्लेखित है कि पार्लियामेंट महामहिम के डायरेक्शन पर चलता है। उनकी दस्तखत के बगैर न कोई संसद की बैठक हो सकती है और न ही संसद का कोई कार्यक्रम चल सकता है। ऐसे पद का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपमान किया है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा न तो नए संसद भवन के शिलान्यास में और न ही उद्घाटन में महामहिम राष्ट्रपति को बुलाया जा रहा है। हमारी आदिवासी महिला राष्ट्रपति का जो अपमान हुआ है, उसके कारण विपक्ष इस आयोजन में सम्मिलित नहीं हो रहा है। राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि नए संसद भवन का उद्घाटन महामहिम राष्ट्रपति के हाथों करवाना चाहिए।

सुविचार: याद रखिये कि माँ-बाप के आचरण से बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं

लोगों की बेहतर सुविधा के लिए वार्ड प्रणाली लागू करेगी जीएचएमसी

महापौर ने वार्ड अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि जीएचएमसी ने लोगों को बेहतर प्रशासन प्रदान करने के लिए पूरे शहर में वार्ड सिस्टम लागू किया है। गुरुवार को महापौर जीएचएमसी आयुक्त डीएस लोकेश कुमार और वाटर बोर्ड एमडी दानकिशोर के साथ जीएचएमसी मुख्यालय में वार्ड अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर ने कहा कि राज्य के नगरपालिका प्रशासन मंत्री के विजन के अनुरूप 50 हजार की आबादी पर एक वार्ड स्थापित किया जा रहा है।

इसके तहत जनता से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई कर शिकायतकर्ता को सूचना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वार्ड व्यवस्था कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी वार्ड स्तर पर पेयजल, सीवरेज, साफ-सफाई, नगर नियोजन आदि समस्याओं को देखेंगे और सिटीजन चार्ट के आधार पर समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं को ध्यान से सुनना चाहिए, आवेदन एकत्र करना चाहिए और ऐसी समस्याओं को हल करने के लिए युद्ध स्तर जैसा कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सकारात्मक सोच, धैर्य, पारदर्शिता और जनता के प्रति

जवाबदेही के साथ सरकार के लक्ष्यों को पूरा करें। पार्षदों और जनप्रतिनिधियों के लिए वार्ड स्तर के अधिकारी उपलब्ध रहें। इस अवसर पर महापौर ने वार्ड प्रशासन से संबंधित नियम पुस्तिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर जीएचएमसी आयुक्त डीएस. लोकेश कुमार ने कहा कि वार्ड व्यवस्था स्थापित करने से शहर के कोने-कोने से आने वाली जनसमस्याओं का समाधान बड़ी आसानी से और शीघ्रता से संभव हो सकेगा। जैव विविधता, स्वास्थ्य, स्वच्छता, टाउन प्लानिंग, वार्ड इंजीनियर, एंटोमोलॉजी, वाटर वर्क्स, बिजली, समुदाय जैसे जीएचएमसी विभाग वार्ड कार्यालयों में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि लोग अपनी समस्याओं को को लेकर प्रधान कार्यालय और अंचल कार्यालयों में न जाकर वार्ड कार्यालय आएं और फिर वार्ड में लोगों के आने से पहले अधिकारी पूरी तरह से जांच कर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा शिकायतें स्वच्छता, टाउन प्लानिंग और इंजीनियरिंग विभागों को लेकर आ रही हैं। वार्ड स्तरीय अमला सबसे पहले सुबह वार्ड का भ्रमण करे और लोगों की समस्याओं का समाधान करने का कार्य करे। सभी को दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक वार्ड कार्यालय में उपस्थित होकर प्रात:काल प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का डाटा दर्ज करना होगा। उन्होंने कहा कि मामले को संबंधित अधिकारी के पास भेजा जाना चाहिए और समस्या का समाधान होने के बाद मामले को शिकायतकर्ता तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वार्ड स्तर पर सिटीजन चार्ट के अनुसार समस्याओं का समाधान किया जाए। वार्ड व्यवस्था नागरिक सेवाओं के केंद्र के रूप में काम करे। उन्होंने कहा कि नगर नियोजन, कीट विज्ञान, स्वच्छता, वार्ड प्रणाली पर जल कार्य जैसे विभिन्न विभागों पर व्यापक प्रशिक्षण शहर भर में संबंधित क्षेत्रों में एचओडी के साथ आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शनिवार को उपायुक्तों और वार्ड स्तर के अधिकारियों की बैठक होगी। जोनल एवं उपायुक्त समय-समय पर वार्ड कार्यालय में आवश्यक अधोसंरचना एवं प्रशासन की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि एक माह के भीतर वार्ड व्यवस्था की कार्यप्रणाली की जांच की जाएगी। वार्ड स्तर के अधिकारी दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक उपलब्ध रहते है। वाटर बोर्ड के एमडी दानाकिशोर ने कहा कि बढ़ती आबादी के अनुरूप जनता की समस्याओं के समाधान के लिए वार्ड व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सोशल मीडिया, वाट्सएप, हेल्प लाइन एवं ऑफलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का फील्ड स्तर पर समय-समय पर निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वाटर वर्क्स सौ साल तक शहर को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराएगा और शत प्रतिशत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाएगा। उन्होंने कहा कि वार्ड अधिकारी लोगों के साथ तालमेल बनाकर काम करें। उन्होंने कहा कि 30 लोग हेल्प लाइन के माध्यम से जल कार्यों में 48 प्रकार की शिकायतों की निगरानी कर रहे हैं।

इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त प्रियंका अला, ईएनसी जियाउद्दीन, ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, सीसीपी देवेंद्र रेड्डी, अतिरिक्त आयुक्त वी. कृष्णा, जयराज कैनेडी सरोजा, जोनल आयुक्त ममता, रवि किरण, पंकजा, शंकरैया, श्रीनिवास रेड्डी, अशोक सम्राट, एएसकेआई प्रोफेसर स्नेहलता, परियोजना बैठक में अधिकारी सौजन्या, उपायुक्त, वार्ड प्रशासन के अधिकारी, वाटर वर्क्स, बिजली विभाग के अधिकारी व अन्य ने भाग लिया।

पार्किंग में सो रही बच्ची पर चढ़ी कार, मौत

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के हयात नगर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक कार ने एक अपार्टमेंट बिल्डिंग की पार्किंग में सो रहे तीन साल के बच्चे को कुचल दिया। लड़की के कार से कुचले जाने का भयानक दृश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। हयातनगर की टीचर्स कॉलोनी स्थित एक अपार्टमेंट बिल्डिंग में बुधवार को दर्दनाक हादसा हुआ। कार चला रहे हरि रामकृष्णा जमीन पर बच्ची को नहीं देख पाए और अपना वाहन पार्क करते समय बच्ची के ऊपर वाहन चढ़ा दिया। वह एक इंटीरियर डिजाइनर हैं और उनकी पत्नी मद्यनिषेध और उत्पाद शुल्क विभाग में सब-इंस्पेक्टर के रूप में काम करती हैं। मृतका की पहचान लक्ष्मी के रूप में हुई है। उसका परिवार हाल ही में कर्नाटक से आया था।

पुलिस के अनुसार, बच्ची की मां अपार्टमेंट बिल्डिंग के पास एक निर्माण स्थल पर काम कर रही थी, दोपहर में उसे तेज गर्मी से बचाने के लिए पार्किंग क्षेत्र में ले आई। उसने बच्ची को जमीन पर सुला दिया। हालांकि, रामकृष्ण अपना वाहन पार्क करते समय बच्ची के होना का ध्यान नहीं दिया। कार का अगला पहिया बच्ची के सिर को कुचल दिया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, राजू और कविता अपने सात साल के बेटे और तीन साल की बेटी के साथ आजीविका के लिए कर्नाटक के कलबुर्गी जिले से हैदराबाद आए थे। दंपती निर्माण मजदूर के तौर पर काम करता है। हयातनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नवविवाहिता को जबरन उठा ले गए घरवाले

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हुजूराबाद इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक नवविवाहित दुल्हन को उसके रिश्तेदारों ने एक फिल्म के दृश्यों से मिलते-जुलते सुनियोजित ऑपरेशन में जबरन अगवा कर लिया। चौंकाने वाली घटना बीती देर रात हुजूराबाद के अंबेडकर चौक पर हुई। सूत्रों के मुताबिक, दूल्हा-दुल्हन ने अपने-अपने परिवारों के विरोध का सामना करने के बावजूद, प्यार में डूबे शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया था। इस जोड़े ने शनिवार को कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर में शादी कर ली। पता चला है कि दुल्हन के परिवार से जुड़े 15 लोगों ने अचानक हुजूराबाद के अंबेडकर चौक पर जोड़े की कार को रोक लिया। दूल्हे ने अपनी दुल्हन को बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन कहासुनी के दौरान बुरी तरह से हमला कर दिया गया। दुल्हन को उसके घरवाले जबरन अपने साथ लेकर चले गए। पूरी घटना मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। पता चला है कि दूल्हा-दुल्हन दोनों हनुमाकोंडा के मडिकोंडा गांव के रहने वाले हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं.26 से 27-डीआरएम डब्ल्यू-एचवायबी दि.23-05-2023 PUB/0550

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद व्दारा ई-प्रोक्युरमेंट के माध्यम से निम्न कार्यों हेतु दि. 16.06.2023 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. 26-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, **कार्य विवरण:** 1) एचवायबी डिवीजन : एससी-डीएचएनइ सेक्शन पर आरयुबी व्यवस्था व्दारा मैन्ड एलसी नं.137 का उन्मूलन या एलिमिनेशन कार्य(आरएच गिर्डर सहित ओपन कट पध्दति) 2) एचवायबी डिवीजन: एससी -डीएचएनइ सेक्शन पर आरयुबी व्यवस्था व्दारा मैन्ड एलसी नं.147 का एलिमिनेशन कार्य(एयर पुशिंग पध्दति) **अनुमानित लागत**(रु.) 101523085/-, **पूधरा**(रु.) 657600/-

निविदा सं. 27-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरण: हैदराबाद डिवीजन: गति शक्ति: अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत केआरएनटी, एसबीबीजे तथा जीडब्ल्यूडी पर प्लाटफार्म का विस्तार करना। अनुमानित लागत(रु.) 67305484/-, पूधरा(रु.) 486500/-

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट : www.ireps.gov.in देखें।

मंडल रेल प्रबंधक, कार्य, हैदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.11-2023 दि.23-05-2023 PUB/0551

कृते वरिष्ठ मंडल अभियंता/को-आर्डिनेशन/गुंटकल के लिए तथा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि : 19-06-2023 के 15.00 बजे

क्रम सं. 1 निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-1388, **कार्य विवरण** : जीटीएल डिवीजन: एर्रागुंटला पर रन्निंग रूम तथा संयुक्त क्रू बुकिंग लाबी का वृध्दि या अगमेंटेशन करना। **विज्ञापित मूल्य**(रु.) 12436457.56 पैसे, **पूधरा(रु.)** 212200.00 पैसे

क्रम सं. 2 निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-1389, **कार्य विवरण** : जीटीएल डिवीजन: कडप्पा- यात्रियों के लिए पानी की व्यवस्था करने के लिए, कृष्णापुरम नदी से कडप्पा स्टेशन तक मौजूदा वाटर पाइप लाईन का विस्थापन करना । **विज्ञापित मूल्य**(रु.) 14779114.00 पैसे, **पूधरा(रु.)** 223900.00 पैसे

क्रम सं. 3 निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-1390, **कार्य विवरण:** जीटीएल डिवीजन: वेंडोडु- पुराने जर्जर स्टेशन बिल्डिंग का विस्थापन करना। विज्ञापित मूल्य(रु.) 13093673.91पैसे, **पूधरा(रु.)** 215500.00 पैसे

क्रम सं. 4 निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1391, **कार्य विवरण:** (एसडब्ल्यू-।) सीआरएस/टीपीटीवाय: मेकानिकल वर्कशाप्स के रखरखाव एवं उत्पादन या मैन्युफैक्चरिंग की वृध्दि तथा संचरना का अद्यतन/ सुधार कार्य सहित तत्संबंधित से जुडे फियाट बोगी शाट ब्लास्टिंग प्लांट या संयंत्र(साइज-1 नं.। X15.00एमएक्स X16.00एम) के लिए आच्छादित आवास या कवर्ड एकामडेशन का प्रावधान तथा (एसडब्ल्यू।) मेमु कोचेस के पीओएच के लिए 25केवीए ओएचइ के प्रावधान सहित पीओएच के बाद टेस्टिंग फैसलिटीज पर मेमु के प्लेसमेंट हेतु पाथवे का प्रावधान। **विज्ञापित मूल्य(रु.)** 9669368.79 पैसे, **पूधरा(रु.)** 193400.00 पैसे

क्रम सं. 5 निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-पश्चिम-1392, कार्य **विवरण: (एसडब्ल्यू।)** तिरुपति-आरपीएफ सब-आर्डिनेट आफिसर्स के लिए 20 बेड बैरक का निर्माण करना, जिसमें फर्नीचर, शौचालय आदि शामिल है। (एसडब्ल्यू।) धर्मावरम- मौजूदा आरपीएफ बैरक्स का नवीकरण करना तथा महिला आरपीएफ नौकरवर्ग के लिए आवास व्यवस्था प्रावधान के प्रति इस्तेमाल किये जानेवाली सामग्री में फर्नीचर, शौचालय आदि शामिल। **विज्ञापित मूल्य(रु.)**15481709.54 पैसे, **पूधरा(रु.)** 227400.00 पैसे

क्रम सं. 6 निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-1393, **कार्य विवरण:** सीआरएस/टीपीटीवाय-स्कूल, बिल्डिंग के शौचालयों की खास मरम्मत/ नवीकरण करना, स्कूल बिल्डिंग के सीसी एप्रान के चहुंओर तथा कंपाउंड के रियर साइड पर खास मरम्मत/नवीकरण करना, स्कूल बिल्डिंग के रूफ ट्रीटमेंट की खास मरम्मत/नवीकरण करना। **विज्ञापित मूल्य(रु.)** 7834000.64पैसे, पूधरा(रु.) 156700.00 पैसे

क्रम सं. 7 निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-1394, **कार्य विवरण:** (एसडब्ल्यू।) रेणीगुंटा-गुडूर: वायएलके-केएचटी स्टेशनों के बीच रेलवे 56/21-23किमी पर लेवल क्रासिंग नं.25 का उन्मूलन करना तथा वायएलके-केएचटी के बीच रेलवे 55/57 किमी पर एलसी गेट नं. 24 व्दारा ट्राफिक का डायवर्शन करना (एसडब्ल्यू।।) आरयु-जीवाय सेक्शन- एसएफ-केओयु स्टेशनों के बीच रेलवे 167/3-5 किमी पर एलसी नं.81 का उन्मूलन करना तथा एसएफ यार्ड में रेलवे 166/7-9 किमी पर एलसी गेट नं.80 व्दारा ट्राफिक डायवर्शन करना। **विज्ञापित मूल्य(रु.)** 31082169.80पैसे, **पूधरा(रु.)**305400.00 पैसे

क्रम सं. 8 निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-को-आर्ड-1395, **कार्य विवरण:** गुंटकल डिवीजन- गुंटकल: विस्तार किये गये प्लाटफार्म तथा आयसोलेटेड लोकेशन्स के प्लाटफार्म नं.1 पर 48 मीटर्स लंबाई के लिए सीओपी का प्रावधान। **विज्ञापित मूल्य(रु.)** 18586106.00पैसे, **पूधरा(रु.)** 292900.00 पैसे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरणार्थ http://ireps.gov.in पर लागिन करें । इस मामले में किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा।

मंडल रेल प्रबंधक/वर्क्स/ गुंटकल

मेडारम जतारा : चिलकलगुट्टा की पवित्रता की रक्षा के लिए प्रयास जारी

मुलुगु, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एसएस तडवई मंडल में एतुरनगरम वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के अंतर्गत मेडारम गांव में सम्मक्का-सरक्का आदिवासी मंदिर के पास एक पवित्र पहाड़ी, चिलकलगुट्टा की पवित्रता की रक्षा के प्रयास चल रहे हैं।

अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं कि केवल कोया आदिवासी पुजारियों की पहाड़ी तक पहुंच हो और इस पहल के तहत, आदिम जाति कल्याण विभाग ने एक बाड़ का निर्माण फिर से शुरू कर दिया है। हाल ही में, विभाग ने पहाड़ी के चारों ओर 425 मीटर में जीआई बाड़ लगाने के लिए 60 लाख रुपये आवंटित किए। 18 मई को, अधिकारियों की उपस्थिति में, पुजारियों ने निर्माण शुरू करने के लिए एक समारोह किया। यह ध्यान देने योग्य है कि पहाड़ी के चारों ओर पहले एक बाड़ लगाई गई थी, जो लगभग 600 मीटर तक फैली हुई थी। अधिकारियों का लक्ष्य द्विवार्षिक प्रमुख जतारा के लिए अगले साल फरवरी से पहले नई बाड़ लगाने का काम पूरा करना है। मेदाराम पुजारी संघ के अध्यक्ष सिद्दाबोइना जग्गा राव ने सरकार के प्रयासों पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि जतारा के दौरान, कुछ आगंतुक इस पर चढ़ने का प्रयास करके और खुले में शौच, कूड़ा डालना, खाना पकाने जैसी गतिविधियों में शामिल होकर चिलकलगुट्टा की पवित्रता का अनादर कर रहे थे।

पहाड़ी के पवित्र महत्व पर जोर देते हुए, राव ने सरकार को चढ़ाई पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता पर बल दिया, केवल नामित पुजारियों को इस पूजनीय स्थान पर जाने की अनुमति दी, जो कि मेदाराम आदिवासी मंदिर की पीठासीन देवता, देवी सम्मक्का का निवास स्थान है। यहां यह भी जोड़ा जा सकता है कि बीआरएस सरकार भारी धनराशि आवंटित करके मंदिर और उसके आसपास की पवित्रता की रक्षा के अलावा मेदराम आने वाले भक्तों के लाभ के लिए सुविधाओं में सुधार करने के लिए विशेष ध्यान दे रही है।

आरजीआई एयरपोर्ट पर सोना जब्त

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कस्टम की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने गुरुवार को आरजीआई एयरपोर्ट पर एक यात्री द्वारा देश में सोने की तस्करी के प्रयास को नाकाम कर दिया और 685 ग्राम सोना जब्त किया। मस्कट से आए यात्री के पास सोने का लेप पाया गया जिसे उसने मलाशय में छुपा कर रखा था। यात्री मध्य प्रदेश का रहने वाला है।

सोने की कीमत करीब 42.78 लाख रुपए बताई जा रही है। आगे की जांच चल रही है।

सर्पदंश से कांस्टेबल पवन कुमार की मौत

पूर्व सीएम चंद्रबाबू ने शोक जताया

विजयवाड़ा, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रकाशम जिले के पुलिस कांस्टेबल पवन कुमार को हाल ही में तुल्लुर मंडल के पास सांप ने काट लिया था और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। एपी के पूर्व सीएम व टीडीपी नेता चंद्रबाबू ने इस पर खेद जताया है। राजधानी अमरावती के आर-5 जोन में ड्यूटी के दौरान सिपाही पवन कुमार की ड्यूटी के दौरान सांप के काटने से मौत दुखद बताई जा रही है। चंद्रबाबू ने कहा कि सरकार की अक्षमता और लापरवाही के कारण पवन कुमार की जान चली गई। सरकार सुरक्षा व्यवस्था संभालने आए पुलिसकर्मियों को उचित आवास भी उपलब्ध नहीं करा सकी। उन्होंने अपने अत्याचारों के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने के लिए सरकार की आलोचना की, लेकिन उनके कल्याण के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने सरकार से कॉन्स्टेबल पवन कुमार के परिवार को मुआवजा देने और उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की। गौरतलब है कि आर-5 जोन में सुरक्षा ड्यूटी के लिए प्रकाशम जिले से आए कांस्टेबल पवन कुमार ने रात में तुल्लुरु मंडल अनंतवरम मंदिर में अन्य कांस्टेबलों के साथ विश्राम किया। सोते समय सांप ने कांट लिया। अन्य कांस्टेबल उसे गुंटूर सरकारी अस्पताल ले गए। वहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कांस्टेबल पवन कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई।

आदिलाबाद जिले के विकास पर सरकार का विशेष ध्यान : जोगू रमन्ना

मनचेरियल, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक जोगू रमन्ना ने कहा कि राज्य सरकार ने आदिलाबाद जिले पर विशेष ध्यान दिया है और आदिलाबाद से जुड़े पिछड़े जिले के टैग को मिटाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने बीआरएस कार्यकर्ताओं के साथ गुरुवार को यहां विभिन्न विकास कार्यों के लिए सरकार द्वारा 320 करोड़ रुपये की मंजूरी के अवसर पर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और नगरपालिका प्रशासन मंत्री केटी रामाराव के

फ्लेक्स पोस्टरों का दुग्धाभिषेकम किया। रमन्ना ने चंद्रशेखर राव और स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव को राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स)-आदिलाबाद में 40 सहायक प्रोफेसरों के आवंटन के लिए धन्यवाद दिया, जिससे मेडिकल कॉलेज जनता को बेहतर गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हो सके। उन्होंने कहा कि वे सरकार से अनुरोध करेंगे कि संस्थान में खाली पड़े विभिन्न पदों को शीघ्र भरा जाए।

आदिलाबाद जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष आदी भोज रेड्डी, नगरपालिका अध्यक्ष जोगू प्रेमेंद्र, उपाध्यक्ष जहीर रंजनी, बीआरएस नगर अध्यक्ष अजय, मंडल परिषद के अध्यक्ष एम गोवर्धन, गंधरथ रमेश, मेट्टू प्रह्लाद और स्थानीय पार्षद उपस्थित थे।

निविदा सूचना सं. जी/ई.29/टीआर./टेंडर नोटिस /04/2023-24 दि. 23.05.2023

कृते वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल तथा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-08-2023-24, **कार्य विवरण:** गुंटकल डिवीजन- चार(04) वर्षो की अवधि के लिए, जीटीएल-बीएवाय, जीटीएल-केडीटी, जीटीएल-केएनएलपी तथा जीवाय-डीएमएम सेक्शनों के बीच एससीएडीए सिस्टम का वार्षिक रखरखाव ठेका । **अनुमानित मूल्य**(रु.) 12,10,170/-, **पूधरा**(रु.) 24,200/-

निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-09-2023-24, **कार्य विवरण:** गुंटकल डिवीजन-(।) इंजीनियरिंग ट्रैक कार्यों से जुडा ओएचइ परिवर्तन कार्य (।।) गुंटकल -कल्लुरु(डबलिंग) सेक्शन- सभी स्टेशनों पर अवशिष्ट कार्यों का निष्पादन -ओएचइ कार्य। **अनुमानित मूल्य**(रु.) 1,85,64,771/-, **पूधरा**(रु.) 2,42,800/-

बंद करने की तिथि व समय : 15.06.2023 के सु. 11.00 बजे

टिप्पणी :

1. निविदादातागण, निविदा दस्तावेज को, निःशुल्क रुप में www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण के लिए कृपया http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

AO778

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

तेज रफ्तार कार के ट्रक से टकराने से तीन की मौत, पांच घायल

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में चेन्नई-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार को एक कार दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। यह घटना नेल्लोर जिले के मनुबोलू मंडल में बडदेवोलु बाईपास के पास चेन्नई-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार की तड़के हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पीड़ित डेमगुंटा, कोडावलुरु मगदल और नेल्लोर जिलों के निवासी हैं और चिकित्सा कारणों से एक कार में चेन्नईकी यात्रा कर रहे थे। मनुबोलुय मंडल के बड़देवू चौराहे के पास सड़क के किनारे खड़े तेज गति से कार ने अपना नियंत्रण खो दिया और ट्रक को टक्कर मार दी। रामाराव, मर्सी और सनत तेजा की मौके पर ही मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है।

आंप्र सरकार द्वारा चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के तबादले के आदेश जारी

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य के चिकित्सा और स्वास्थ्य विभागों के तबादलों के लिए बुधवार को आदेश जारी कर दिए. स्थानांतरण उन कर्मचारियों के लिए लागू होते हैं जो एक ही स्थान पर दो साल से काम कर रहे हैं और उन कर्मचारियों के लिए जो एक ही स्थान पर पांच साल की सेवा के बाद स्थान बदलना चाहते हैं। चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के विशेष मुख्य सचिव कृष्णा बाबू ने बताया कि तबादले 30 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। इसके अनुसार लोक स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा निदेशक द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों का कहना है कि वैद्य विधान परिषद द्वारा संचालित अस्पतालों में कार्यरत कर्मचारियों के तबादलों के संबंध में अलग से दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे. सहायक नर्स और मिडवाइफ (एएनएम) और बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य सहायक (एमपीएचए) के रूप में कार्यरत महिला कर्मचारियों के लिए हाल ही में आपसी तबादले के आदेश जारी किए गए हैं। तबादलों पर प्रतिबंध 24 जून से प्रभावी हो जाएगा।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, एक घायल

जगतियाल, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मल्लापुर मंडल के मोगिलिपेट के पास बुधवार देर रात हुए सड़क हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गयी, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घटना उस समय हुई जब एक दोपहिया वाहन ने झारखंड के अब्दुल जब्बार, निर्मल के सुरेश और अब्दुल गफर को सड़क पर चलते हुए टक्कर मार दी। जब्बार और सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गफर को चोटें आईं। गफर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। आंध्र प्रदेश के एक मकान निर्माण मिस्त्री के अधीन काम करने वाले मजदूरों को हाल ही में काम के सिलसिले में मल्लापुर में स्थानांतरित किया गया था।

भूतपूर्व सैनिकों को सशक्त बनाने के लिए ब्रिज-आईटी कार्यक्रम

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम जिसे ब्रिज आईटी प्रोग्राम कहा जाता है। इसका आयोजन तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) और आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन (एडब्ल्यूपीओ) के तत्वावधान में टीसीएस कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के साथ मिलकर आज एमसीईएमई ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में किया गया। इस अवसर पर टीसीएस सीएसआर के डिजिटल उद्यमिता कार्यक्रम के प्रमुख बिस्वजीत दत्ता ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य डिजिटल आईटी कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्रों के पूर्व सैनिकों को सशक्त बनाना है, जहां वे उन्हें निम्नलिखित कौशलों पर प्रशिक्षित करेंगे ताकि वे निम्नलिखित कौशलों पर प्रशिक्षित हो सकें, ताकि वे निम्नलिखित कौशलों की तर्ज पर उद्यमी बन सकें। सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी)। उद्यमिता विकास कार्यक्रम, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, व्यवहार परिवर्तन और संचार कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। कार्यक्रम की अवधि चार माह होगी। उन्होंने आगे बताया कि कैसे इस कार्यक्रम में शामिल किए गए दिग्गजों को टीसीएस द्वारा केंद्रों के साथ आने वाली सुविधाओं के लिए समर्थन दिया जाएगा। इससे पहले, कर्नल बीजी बुधोरी (सेवानिवृत्त) ने टीसीएस पेशेवरों का स्वागत किया और परियोजना के उद्देश्य के बारे में बताया और बताया कि यह एक अच्छे भविष्य के निर्माण में कैसे मदद करता है।

रायचूर के टीसीएस डिजिटल उद्यमी गंगप्पा द्वारा कार्यक्रम की सफलता की कहानी पर प्रकाश डाला गया, जिसमें उन्होंने अपने स्वयं के अनुभव को एक प्रेरक कहानी के रूप में बताया, जिसने दर्शकों को आकर्षित किया, यहां तक कि एक आम व्यक्ति भी इस कार्यक्रम से बेहतर तरीके से विकसित हो सकता है और लाभान्वित हो सकता है।

मंत्री ने धान खरीदी प्रक्रिया में मिलरों का सहयोग मांगा

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने धान खरीद प्रक्रिया में राइस मिलर्स का समर्थन मांगा और आग्रह किया कि वे अधिकारियों और किसानों के साथ विशाल अभ्यास में सहयोग करें। मंत्री ने गुरुवार को यहां सचिवालय में राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और यासंगी सीजन की धान खरीद और कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की स्थिति की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने मिल मालिकों से धान खरीद की चल रही कवायद में राज्य सरकार के साथ सहयोग करने का आग्रह किया और कहा कि चावल मिलों के परिसर में धान से लदी लॉरियों को उतारने में देरी न करें। मिलर्स को सरकार को कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की डिलीवरी समय पर पूरा करने और मिलों और गोदामों को जितना हो सके खाली रखने के लिए भी कहा गया।

भारतीय रिज़र्व बैंक

संपदा विभाग, हैदराबाद

भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद में बैंक की भू-संपत्तियों के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (DSITC) के लिए ठेकेदारों के पैनल का गठन

भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद, बैंक की भू-संपत्तियों के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) के डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (DSITC) के लिए ठेकेदारों के पैनल के गठन के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। सूची को अंतिम रूप देने की तारीख से यह पैनल तीन साल की अवधि के लिए लागू रहेगा। इच्छुक ठेकेदार/आपूर्तिकर्ता उपरोक्त कार्य के लिए दो श्रेणियों के तहत पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं, यानी ₹25 लाख तक और ₹25 से 50 लाख तक।

आवेदन पत्र संबंधी दस्तावेज हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in पर "निविदा" के अंतर्गत 26 मई 2023 से 16 जून 2023 तक डाउनलोड किए जा सकते हैं। पात्र ठेकेदारों द्वारा सभी सहायक दस्तावेजों के साथ विधिवत भरे हुए फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि **16 जून 2023 को 14:00 बजे** तक है।

हैदराबाद
26 मई 2023

हस्ता./-
क्षेत्रीय निदेशक

बच्चों के विवाद में दो पक्षों में संघर्ष, छह लोग घायल

बागपत, 25 मई (एजेंसियां)। जनपद मे बच्चों के विवाद में बड़े आमने-सामने आ गए। कहासुनी से शुरू हुआ मामला मारपीट तक पहुंच गया। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस संघर्ष में करीब छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी बड़ौत में भर्ती कराया गया है। सीएचसी में उनका उपचार जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।मामला बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के इदरीशपुर गांव का है। यहां रात के समय गांव के ही दो पक्षों में बच्चों के विवाद को लेकर पहले कहासुनी सुनी हुई। देखते ही देखते दोनों पक्षों में संघर्ष शुरू हो गया। दोनों तरफ से धारदार हथियार व लाठी डंडे चले। इस संघर्ष में महिला समेत छह लोग घायल हो गए।

नई संसद के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार पर सीएम योगी ने प्रतिक्रिया में दिखाया विपक्ष को आईना

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)। देश के नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह पर सियासी घमासान कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार 24 मई को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत 19 विपक्षी दलों ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने का एलान किया है। जिस पर अब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिक्रिया सामने आई है। सीएम योगी ने कहा कि विपक्षी दल इस मामले पर राजनीति कर रहे हैं। नए संसद भवन पर उनका गैर जिम्मेदाराना रवैया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, स्वतंत्र भारत के इतिहास में 28 मई की तिथी एक गौरवशाली दिन के रूप में दर्ज़ होने जा रही है। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के लोकतंत्र की प्रतीक भारत वासियों को नई संसद भेंट करेंगे। इस ऐतिहासिक अवसर को गरिमामय और गौरवशाली बनाने की बजाए, कांग्रेस समेत विपक्षी दलों द्वारा जिस तरह की बयानबाजी हो रही है वह अत्यंत दुखद, गैर जिम्मेदाराना और लोकतंत्र को कमज़ोर करने वाली है।

'संसद का बहिष्कार गैर जिम्मेदाराना रवैया'

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, विपक्षी दलों के द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने का फैसला लोकतंत्र को कमजोर करने वाला है। नई संसद पर विपक्ष की बयानबाजी गैर जिम्मेदाराना है। ये एक ऐतिहासिक अवसर है। नई संसद एक प्रतीक बनने जो रही है जो दुनिया के लिए आदर्श बन सकती है। सभी को इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनना चाहिए। विपक्ष इस कार्यक्रम का विरोध कर लोकतंत्र का अपमान कर रहा है। सीएम योगी ने कहा कि विपक्षी दलों को इस कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान पुराने दिनों की याद दिलाते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि देश में पहली बार पीएम इस तरह का उद्घाटन कर रहे हों। इससे पहले भी पार्लियामेंट एनेक्सी का उद्घाटन सोनिया गांधी ने किया था। इसी तरह संसद की लाइब्रेरी का शिलान्यास भी राजीव गांधी के हाथों किया गया था। सीएम योगी ने कहा कि इसके अलावा भी कई ऐसे प्रकरण हुए हैं, इसके बावजूद विपक्ष संसद के गरिमामयी कार्यक्रम और गौरवमयी पल को धूमिल करने की कोशिश कर रही है। जनता इसे कतई स्वीकार नहीं करेगी।

एचएसआरपी के खिलाफ अभियान में लखनऊ फिसड्डी, छोटे जिलों में हो रही कार्रवाई

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री सख्ती से एचएसआरपी न लगे होने पर वाहनों पर कार्रवाई की हिदायत अधिकारियों को दे रहे हैं, लेकिन परिवहन विभाग के अधिकारियों पर मंत्री की फटकार का कोई असर पड़ ही नहीं रहा है। अधिकारी अपनी मनमानी से ही एचएसआरपी का अभियान चला रहे हैं। अधिकारियों की मनमर्जी का नतीजा यह है कि लखनऊ में इस माह सिर्फ 70 चालान ही काटे गए हैं। एचएसआरपी के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाने में अक्सर लापरवाही बरत रहे हैं। अब ऐसे अफसरों को कार्रवाई झेलनी पड़ सकती है।

बैंक और फाइनेंस कंपनी के वसूली एजेंट लोन नहीं चुकाने पर गाड़ी जब्त नहीं कर सकते: हाई कोर्ट

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा है कि अगर कोई व्यक्ति गाड़ी खरीदने के लिए फाइनेंस कंपनी से लोन लेता है और लोन की किस्त समय पर चुकाने में असमर्थ होता है तो फाइनेंस कंपनी का वसूली एजेंटों के जरिए गाड़ी को जब्त करना गैरकानूनी है। हाई कोर्ट ने कहा है कि बहुत सारे मामलों में देखा गया है कि अगर कोई व्यक्ति फाइनेंस कंपनी से लोन पर गाड़ी लेता है और वह उसकी किस्त समय पर नहीं चुका पाता है तो फाइनेंस कंपनी के दबंग जबरन उस व्यक्ति से उसकी गाड़ी को जब्त कर लेते हैं जो कि गलत है और इसीलिए कोर्ट ने अब फाइनेंस कंपनी और बैंकों पर जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगर किसी बैंक या फाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंट लोन की ईएमआई नहीं चुकाने की स्थिति में जबरन किसी व्यक्ति से गाड़ी जब्त करते हैं तो उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए और कार्रवाई होनी चाहिए। जस्टिस राजीव रंजन प्रसाद की सिंगल बेंच ने इसी मामले से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया कि बैंक और फाइनेंस कंपनियों के द्वारा लोन नहीं चुका पाने की स्थिति में उनके रिकवरी एजेंट अब जबरन गाड़ी को जब्त नहीं कर पाएंगे और ऐसे रिकवरी एजेंटों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद जिला में पुलिस अधीक्षक यह सुनिश्चित करेंगे ऐसे दबंग वसूली एजेंटों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। पटना हाई कोर्ट का यह पहला पूर्ण फैसला 19 मई को आया है। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा है कि वसूली एजेंटों के द्वारा जबरन गाड़ी जब्त करना संविधान की जीवन और आजीविका के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।

नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने पर भड़के उपेंद्र कुशवाहा, बोले-ये मानसिक दिवालियापन

शेखपुरा, 25 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोक जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने नए संसद भवन सेंट्रल बिस्टा के उद्घाटन समारोह के कुछ राजनीतिक दलों के बहिष्कार के फैसले पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि इस तरह का फैसला मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। उपेंद्र कुशवाहा ने गुरुवार को शेखपुरा में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दैनिक जागरण के प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा जिन पार्टियों और नेताओं ने बहिष्कार का फैसला लिया है, उनमें राजनीतिक परिपक्वता का अभाव है। ये लोग लोकतांत्रिक मर्यादा से ऊपर अपने विरोध की राजनीति और अपने स्वार्थ को प्राथमिकता दे रहे हैं। संसद भवन का प्रधानमंत्री से उद्घाटन करवाने पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा यह सरकार का अधिकार है कि किससे उद्घाटन कराया जाए। इसमें महामहिम राष्ट्रपति जी के अपमान की कोई बात ही नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्यों में भी कई ऐसे अवसर देखे गए हैं, जब राज्यपाल के बजाय मुख्यमंत्री उद्घाटन करते हैं। संसद भवन के उद्घाटन के बहिष्कार को पूर्व केंद्रीय मंत्री ने राजनीतिक नौटंकी बताया है। बता दें कि 8 मई को दोपहर 12 बजे पीएम मोदी नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। नई संसद के उद्घाटन को लेकर विपक्ष ने पीएम मोदी पर जुबानी हमला बोला है। विपक्षी नेताओं का तर्क है कि नए संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री को नहीं करना चाहिए बल्कि राष्ट्रपति से करवाना चाहिए। इस विरोध में कांग्रेस, टीएमसी, एनसीपी, आप, जेडीयू, आरजेडी, सीपीआई समेत कई विपक्षी पार्टियां शामिल हैं। इसको लेकर विपक्षी नेताओं ने संसद के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने की बात कही है।

नई संसद के उद्घाटन पर मायावती ने लिया चौंकाने वाला फैसला

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर बड़ा दावा

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)। नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों द्वारा होना है. पीएम मोदी के द्वारा होने वाले उद्घाटन को लेकर ज्यादातर विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं. विपक्षी नेताओं का कहना है कि उद्घाटन नए संसद भवन का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों होना चाहिए. हालांकि इसी बीच बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) सुप्रीमो मायावती ने एक चौंकाने वाले फैसला लिया है. बीएसपी ने 28 मई को संसद के नये भवन के उद्घाटन का समर्थन किया है. बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर लिखा- केन्द्र में पहले चाहे कांग्रेस पार्टी की सरकार रही हो या अब वर्तमान में बीजेपी की, बीएसपी ने देश व जनहित निहित मुद्दों पर हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनका समर्थन किया है तथा 28 मई को संसद के नये भवन के उद्घाटन को भी पार्टी इसी संदर्भ में देखते हुए इसका स्वागत करती है. इसके साथ ही मायावती ने ट्वीट कर लिखा- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा नए संसद का उद्घाटन नहीं कराए जाने को लेकर बहिष्कार अनुचित. सरकार ने इसको बनाया है इसलिए उसके उद्घाटन का उसे हक है. इसको आदिवासी महिला सम्मान से जोड़ना भी अनुचित. यह उन्हें निर्विरोध न चुनकर उनके विरुद्ध उम्मीदवार खड़ा करते वक्त सोचना चाहिए था. वहीं पूर्व सीएम मायावती ने ट्वीट कर लिखा- देश को समर्पित होने वाले कार्यक्रम अर्थात नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का निमंत्रण मुझे प्राप्त हुआ है, जिसके लिए आभार और मेरी शुभकामनायें. किन्तु पार्टी की लगातार जारी समीक्षा बैठकों सम्बंधी अपनी पूर्व निर्धारित व्यस्तता के कारण मैं उस समारोह में शामिल नहीं हो पाऊंगी. हालांकि इससे पहले संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह को लेकर कहा था कि जहां सत्ता का अभिमान हो, विपक्ष का मान नहीं हो, ऐसी संसद के उद्घाटन में क्या जाना. जहां सत्ता का अभिमान हो परंतु विपक्ष का मान नहीं, वो सच्ची संसद हो ही नहीं सकती, उसके उद्घाटन में क्या जाना.

प्रेम प्रसंग में मारी गई व्यापारी को गोली आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)। नरही बाजार में मोबाइल व्यापारी को गोली मारने के मामले में पुलिस ने नया खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार गोलीकांड करने वाला व्यक्ति नरही का ही रहने वाला है जिसने प्रेम प्रसंग के मामले में यह वारदात अंजाम दी। फरार आरोपी को पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई गईं हैं। घटना को अंजाम देने वाले शख्स की पहचान सीसीटीवी कैमरे से हो गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही वह पुलिस की गिरफ्त में होगा।

भेजता था अश्लील मैसेज, महिला ने ऐसे उतारा आशिकी का भूत

फिरोजाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। जिले में एक महिला को अश्लील मैसेज भेजना और उससे अश्लील बात करने पर एक युवक की जमकर धुनाई हुई। बीच सड़क पर लोगों ने उसे गिराकर लात, घूंसों और बेल्टों से पीटकर लहूलुहान कर दिया। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। युवक की इस पिटाई का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला के पति का आरोप है कि वह उसकी पत्नी को फोन पर अश्लील मैसेज भेजता था और उससे अश्लील बातें भी करता था।

बीजेपी पर फायर हो गए ललन सिंह

सुशील मोदी और सम्राट चौधरी के सवालों का दिया जवाब

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। देश में नए संसद भवन का 28 मई को उद्घाटन होना है। पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों से उद्घाटन किया जाना है जिसका कई दल विरोध कर रहे हैं। संसद भवन के होने वाले उद्घाटन को लेकर बिहार में जेडीयू और आरजेडी ने विरोध जताया है। गुरुवार (25 मार्च) को दिल्ली से पटना पहुंचे ललन सिंह से इस पर एयरपोर्ट पर सवाल किया गया तो वे बीजेपी पर जमकर बरसे।

ललन सिंह बोले- इतिहास बदलने का हो रहा प्रयास

दिल्ली से पटना पहुंचे जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि हम लोग इस नए संसद भवन के उद्घाटन में शामिल नहीं होंगे। नए संसद भवन के उद्घाटन का हम लोगों द्वारा बहिष्कार किया गया है। संसद भवन के उद्घाटन समारोह में हम लोग नहीं जाएंगे इसलिए क्योंकि इतिहास को बदलने का प्रयास हो रहा है। अब यह इतिहास बदलने के प्रयास में हम लोग भागीदार नहीं होंगे।

'सम्राट जो बोलेंगे वह कानून नहीं'

आगे ललन सिंह ने कहा कि अगर बुलाना ही था तो उद्घाटन के लिए राष्ट्रपति को बुलाना चाहिए था। प्रधानमंत्री कौन होते हैं? इसलिए हम लोग उसका बहिष्कार कर रहे हैं। इस दौरान एक सवाल पर कि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा है कि विधानसभा में भी सिलावट नीतीश कुमार के लगे हैं। उद्घाटन नीतीश कुमार ने किया है। इस पर जवाब देते हुए ललन सिंह ने कहा कि सम्राट चौधरी जो बोलेंगे वह कानून नहीं न है।

'नए संसद भवन में होगा दूसरा काम'

एक और सवाल पर कि सुशील कुमार मोदी ने कहा है कि अगर इतनी ही दिक्कत है तो नए संसद भवन में विपक्ष पैर ना रखे इस पर जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि सुशील मोदी ही पूरा लोकतंत्र का आधारशिला रखेंगे क्या? सुशील कुमार मोदी लोकतंत्र की आधारशिला नहीं रखेंगे। सरकार अगर बदलेगी तो नए संसद भवन में कोई दूसरा काम होगा।

योगी सरकार के मंत्री भी लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

कट सकता है वरुण गांधी का टिकट, भाजपा ने दिए संकेत

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने आगामी लोकसभा चुनाव में योगी सरकार के कुछ मंत्रियों को भी चुनाव लड़ाने के संकेत दिए हैं। वहीं कुछ मौजूदा सांसदों के टिकट काटे जाने पर भी मंथन चल रहा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है। सूत्रों के अनुसार योगी सरकार के कुछ मंत्रियों को भी लोकसभा चुनाव लड़ाया जा सकता है। इनमें पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद को शाहजहांपुर या धौरहरा, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान को फतेहपुर, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से लड़ाए जाने की चर्चा है। वहीं भाजपा कुछ मौजूदा सांसदों के टिकट काटकर नए चेहरों को मौका देगी। इनमें 75 वर्ष की आयु पूरी होने के कारण कानपुर के सांसद सत्यदेव पचौरी, देवरिया के सांसद रमापति राम त्रिपाठी, बरेली के सांसद संतोष गंगवार, मथुरा की सांसद हेमा मालिनी, प्रयागराज की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के टिकट कटने की चर्चा है। वहीं पार्टी में सक्रिय नहीं रहने के कारण पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी का टिकट कटने की चर्चा भी तेज है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि लोकसभा चुनाव में मंत्रियों को भी चुनाव लड़ाया जा सकता है, लेकिन इसका निर्णय पार्टी का संसदीय बोर्ड करेगा। उन्होंने कहा कि कुछ सांसदों के टिकट काटे जाएंगे तो कुछ नए चेहरों को मौका भी मिलेगा। उधर, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ। दिनेश शर्मा, देवरिया के विधायक शलभमणि त्रिपाठी, मथुरा से विधायक व पूर्व मंत्री श्रीकांत शर्मा, सरोजनी नगर से विधायक राजेश्वर सिंह, मांठ से विधायक राजेश चौधरी को भी लोकसभा चुनाव लड़ाया जा सकता है।

मशहूर शायर मुनव्वर राणा की तबीयत बिगड़ी

हार्ट में दिक्कत के बाद आईसीयू में एडमिट, हालत नाजुक

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)। मशहूर शायर मुनव्वर राणा को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। मुनव्वर राणा की तबीयत बिगड़ गई है। इसके बाद उन्हें फौरन इलाज के लिए लखनऊ के अपोलो अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक, उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, अब डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर रख दिया है।

पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी मुनव्वर राना की तबीयत

बता दें कि मुनव्वर राणा की बेटी ने देर रात वीडियो जारी करते हुए उनकी खराब सेहत की जानकारी दी। सुमैया राणा ने वीडियो जारी करते हुए कहा कि उनके पिता मुनव्वर राणा की सेहत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी, जिसके कारण आज उन्हें लखनऊ के अपोलो अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मुनव्वर राणा की बेटी और सपा नेता सुमैया राणा ने आगे कहा कि, पापा की तबीयत पिछले दो-तीन दिनों से खराब है। डायलिसिस के दौरान उनके पेट में दर्द था, जिसके चलते डॉक्टर ने उन्हें एडमिट कर लिया। सीटी स्कैन में आया है कि,उनके गाल ब्लैडर में कुछ दिक्कत है। इसके बाद उनकी सर्जरी की गई। फिर डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर रख दिया।

अगले 72 घंटे क्रिटिकल

राणा की बेटी ने आगे बताया कि फिलहाल पिता डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर इन्फेक्शन कम करने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। डाक्टर ने अगले 72 घंटे काफी क्रिटिकल बताए हैं। फिलहाल डॉक्टर नजर बनाए हुए हैं। उम्मीद है कि पापा जल्द से जल्द ठीक हो जाएंगे।

बुढ़ापे में इश्क: 70 साल के बुजुर्ग का महिला पर आया दिल

थाने पहुंचकर पत्नी बोली- शादी बचा लो साहब

गोरखपुर, 25 मई (एजेंसियां)। उसकी उम्र 70 साल है। 42 साल पहले मुझसे शादी हुई थी। तब से सब ठीक-ठाक चल रहा था। अब उसका दिल 40 साल की दूसरी महिला पर आ गया है। उसके ऊपर मोहब्बत का भूत इस कदर हावी है कि आए दिन मुझसे मारपीट करने लगा है। लगता है कि मेरी हत्या न कर दे। रात उसने कमरे में बंद कर मुझे बुरी तरह पीटा। इतने से मन नहीं भरा तो मोमबत्ती से कई जगह दाग दिया। ये आरोप एक बुजुर्ग महिला ने पुलिस को दिए तहरीर में लगाए हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी पति फरार है। जानकारी के मुताबिक, हरनही इलाके के भैंसा गांव की रहने वाली निर्मला देवी ने चौकी में दिए तहरीर में अपने पति रामदरश यादव (70) पर दूसरी महिला के चक्कर में आए दिन मारपीट करने का आरोप लगाया है। कहा कि रामदरश के साथ वैवाहिक बंधन में बंधे उसे चार दशक से अधिक हो चुका है। जवानी के दिनों में उनका मन नहीं भटका, लेकिन बुढ़ापे में वह किसी और से मोहब्बत करने लगा है। उसके टोकने पर वह आए दिन कमरे में बंद कर पीटता है। मंगलवार की रात वह नशे में घर आया और कमरे में बंद कर उसे बुरी तरह पीटा। इतने से मन नहीं भरा तो मोमबत्ती से कई जगह दाग दिया। पीड़िता ने मंगलवार की रात को ही डायल 112 पर घटना की सूचना दी थी,

'बांदा जेल में छापेमारी के बहाने डीएम और एसपी मुकदमे से जुड़े कागजात ले गए ' मुख्तार अंसारी का आरोप

बाराबंकी, 25 मई (एजेंसियां)। बाराबंकी की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में पेशी के दौरान गैंगस्टर मुख्तार अंसारी ने डीएम और एसपी पर गंभीर आरोप लगाए। उसने जज कमल कांत श्रीवास्तव को बताया कि बांदा जेल में छापेमारी के बहाने डीएम और एसपी मुकदमे से संबंधित सारे कागजात और फाइलें भी लेकर चले गए। बता दें कि बांदा जेल में बंद गैंगस्टर मुख्तार अंसारी की पेशी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुई। फर्जी एंबुलेंस मामले में पेशी पर हाजिर मुख्तार अंसारी ने बताया कि मुकदमे में बचाव करने से भी रोका जा रहा है। मुख्तार अंसारी ने वकील से शिकायत के संबंध में प्रार्थना पत्र तैयार कर अगली सुनवाई पर कोर्ट को देने

का आग्रह किया। आपको बता दें कि फर्जी एंबुलेंस और गैंगस्टर मामले की सुनवाई बाराबंकी की एमपी-एमएलए कोर्ट के जज कमल कांत श्रीवास्तव कर रहे हैं। कोर्ट ने गैंगस्टर मामले की सुनवाई की अगली तारीख अब 29 मई को दी है। जबकि 26 मई को फर्जी एंबुलेंस केस में आरोपों पर बहस होगी। माफिया के वकील रणधीर सिंह सुमन ने बताया कि सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पेशी की अगली तारीख 29 मई निर्धारित की है। आरोप है कि पंजाब की रोपड़ जेल में बंद रहने के दौरान बाहुबली मुख्तार अंसारी बाराबंकी में फर्जी कागजातों से रजिस्टर्ड कराई गई एंबुलेंस का इस्तेमाल कर रहा था। 31 मार्च 2021 को तत्कालीन एआरटीओ पंकज सिंह ने मऊ के श्याम संजीवनी अस्पताल की संचालिका डॉ। अलका राय के खिलाफ बाराबंकी नगर कोतवाली में जालसाजी का मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में मुख्तार अंसारी को आरोपी बनाने के बाद 25 मार्च 2022 को शहर कोतवाली में पुलिस ने मुख्तार और 12 साथियों पर गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया था। दोनों मामले अब एमपी-एमएलए की अदालत में चल रहे हैं।

अमरोहा में रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा- पहले और अब की बीजेपी में बड़ा अंतर

अमरोहा, 25 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद जयंत चौधरी जिले के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। इस दौरान नौगांवा सादात विधानसभा के चक छावी गांव में जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'आज की भाजपा और पहले की भाजपा में अंतर है। आज भाजपा सरकार में किसान परेशान है। उसको उसकी फसलों का वाजिब दाम नहीं मिल रहा। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा।'रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि किसान आंदोलन ने लोगों को बताया, जहां समाज की शक्तियां होंगी, वहां सरकार भी झुकेगी। इसलिए हम अपने लोगों के बीच जा रहे हैं और उनका मनोबल बढ़ाने का काम कर रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में पूरी तैयारी के साथ टक्कर होगी।

मॉल में सेक्स रैकेट की मंडी: स्पा सेंटर की आड़ में धंधा, छापा पड़ते ही मच गई भगदड़, 61 युवती और 37 युवक पकड़े

गाजियाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। गाजियाबाद के साहिबाबाद में दिल्ली-यूपी कौशांबी बॉर्डर स्थित पैसेफिक मॉल के अंदर स्पा सेंटर की आड़ में हो रहे देह व्यापार पर शाम पुलिस ने छापा मार कर 100 युवक-युवतियों को पकड़ा है। जिनमें 61 युवतियां और 39 युवक शामिल हैं। इनमें दिल्ली के तीन अधिवक्ता भी हैं। कार्रवाई में पुलिस टीम को स्पा सेंटर से आपत्तिजनक चीजें भी बरामद हुईं। मॉल में पुलिस को देखकर

स्पा सेंटरों के मालिक भाग गए। छापे के बाद थाने के बाहर युवक-युवतियों के परिजनों की भीड़ देर रात तक लगी रही। डीसीपी ट्रांस हिंडन जोन विवेक चंद्र ने बताया कि पैसेफिक मॉल के अंदर अलग-अलग हिस्से में स्पा सेंटर चल रहे थे। इनमें एस-2 थैरेपी सेंटर, रॉयल थैरेपी सेंटर, स्वादिका थैरेपी सेंटर, द हैवन थैरेपी सेंटर, राज थैरेपी सेंटर, अरुमा थैरेपी, अरमान थैरेपी व रुद्रा थैरेपी सेंटर थे। सूचना मिली थी कि इन सेंटर में मसाज और ब्यूटी मसाज के बहाने युवतियों से अनैतिक कार्य कराया जाता है। सूचना को पुख्ता करके देर शाम पुलिस लाइन और ट्रांस हिंडन जोन की एसओजी टीम बनाकर पैसेफिक मॉल में छापे की कार्रवाई की। टीम वहां पहुंची तो युवतियां घबराकर भागने लगीं जबकि युवक टेबल व काउंटर में छुपने का प्रयास करने लगे। टीम ने आठ स्पा सेंटर से 61 युवतियां और 39 युवकों को पकड़ लिया। सभी को पुलिस की वैन और अन्य वाहनों में बैठा कर लिंकरोड थाने लाया गया। वहां पुलिस अधिकारियों ने युवक व युवतियों से पूछताछ शुरू की। उधर, पुलिस की कार्रवाई के दौरान स्पा सेंटर के मालिक वहां से भाग निकले। पुलिस का कहना है कि महाराजपुर चौकी के पास स्पा सेंटर की आड़ में पिछले दो हफ्तों से देह व्यापार चल रहा था। मॉल के अंदर इन बातों को पूरी तरह से गोपनीय रखा जाता था। हालांकि पुलिस इनके मालिकों की तलाश कर रही है, जिससे अन्य जानकारी भी जुटाई जा सके। पुलिस की पूछताछ में युवतियों ने बताया कि सिर्फ मैनेजर और स्पा सेंटर के लोगों को छोड़कर बाकी सभी युवतियों को ग्राहक के हिसाब से पैसे मिलते थे। जैसे ही कोई ग्राहक वहां अलग-अलग थैरेपी कराने आता था तो युवतियां मसाज के बहाने ही उसे अनैतिक कार्य करने का लालच देती थीं। इसके बाद युवक के साथ दूसरे कमरे में जाकर गलत काम होता था।

माउंटबेटन के मन में उठा था सवाल, नेहरू ने राजाजी से लिया जवाब, तब तमिलनाडु से आया था 'सेंगोल'

आजादी के वक्त तमिलनाडु के तिरुवावडुदुरई आदिनम मठ ने सेंगोल तैयार करवाया था। इसी के जरिये सत्ता हस्तांतरित हुई थी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां) पीएम नरेंद्र मोदी 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। गृहमंत्री अमित शाह ने 24 मई को एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पीएम, नए संसद भवन में 'सेंगोल' की स्थापना भी करेंगे। आजादी के वक्त इसी सेंगोल के जरिये अंग्रेजों ने भारत को सत्ता हस्तांतरित की थी। अभी म्यूजियम में रखा गया है।

कहां से आया सेंगोल का आइडिया?

जब भारत की आजादी की तारीख तय हुई तो आखिरी वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को चिंता सताने लगी कि आखिर सत्ता हस्तांतरित कैसे होगी? क्या प्रक्रिया होगी और इसका सिंबल क्या होगा? कई दिनों तक सोच-विचार के बाद उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के सामने यह सवाल रखा और सुझाव दिया कि क्या हाथ मिलाते हुए सत्ता हस्तांतरित की जा सकती है। पंडित नेहरू ने वक्त मांगा और सीधे सी. राजगोपालाचारी के पास पहुंचे। यही सवाल उनके सामने रखा।

चोल राजवंश से जुड़ा है इतिहास

सी. राजगोपालचारी कई दिनों तक अध्ययन करते रहे और आखिरकार उन्हें भारत के इतिहास में इस सवाल का जवाब मिला। भारत के सबसे पुराने और लंबे समय तक चले राजवंशों में से एक चोल राजवंश में सत्ता का हस्तांतरण 'सेंगोल' (राजदंड) के जरिए किया जाता था। 9वीं सदी से 13वीं सदी के बीच इस हिंदू साम्राज्य में जब एक राजा दूसरे राजा को गद्दी सौंपता था तो प्रतीकात्मक तौर पर सेंगोल भी सौंपता था। चोल राजवंश में सत्ता हस्तांतरण के दौरान साम्राज्य के मुख्य पुजारी भगवान शिव की पूजा आराधना के बाद राजा को सेंगोल सौंपा करते थे। सी. राजगोपालचारी ने सोचा कि इससे बढ़िया प्रतीक क्या हो सकता है। राजाजी ने पंडित नेहरू को सुझाव दिया कि अंग्रेजों की दासता से मुक्ति के प्रतीक के तौर पर ऐसा ही समारोह आयोजित किया जाए और सेंगोल के जरिये सत्ता ट्रांसफर हो। पंडित नेहरू ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

तिरुवावडुदुरई आदिनम मठ को सौंपा था जिम्मा

जब पंडित नेहरू ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया तो राजा जी ने तमिलनाडु के तिरुवावडुदुरई आदिनम मठ से संपर्क किया। इस मठ की स्थापना करीब 500 साल पहले, ठीक वहीं हुई थी जहां कभी चोल राजवंश की सत्ता थी। उस समय मठ के प्रमुख गुरु अस्वस्थ चल रहे थे लेकिन उन्होंने राजाजी का अनुरोध स्वीकार कर लिया।

किसने तैयार किया था 'सेंगोल'?

मठ के प्रमुख स्वामी ने सेंगोल बनाने की जिम्मेदारी मद्रास के बहुचर्चित ज्वैलर 'वुम्मिडी बंगारू' को सौंपी। ने पीएमओ को लिखी अपनी चिट्ठी में तमिल मैगजीन 'तुगलक' के एक आर्टिकल का हवाला दिया था, जिसमें 1947 में पंडित नेहरू को सेंगोल सौंपने की बात कही गई थी। तमिल मैगजीन 'तुगलक' में यह आर्टिकल मई 2021 के अंक में प्रकाशित हुआ था। जब चर्चित भरतनाट्यम डांसर पद्मा सुब्रमण्यम ने लेख पढ़ा तो उन्हें लगा कि ऐसी अमूल्य विरासत के बारे में सबको पता होना चाहिए और आखिरकार सेंगोल बनकर तैयार हुआ। इसके सबसे ऊपरी हिस्से पर नंदी विराजमान थे, जो शक्ति, एकता और अखंडता के प्रतीक थे।

स्पेशल फ्लाइट से लाया गया था दिल्ली

चूंकि मठ के प्रमुख गुरु बीमार चल रहे थे, इसलिए उन्होंने अपने अधीनस्थन (डिप्टी) को समारोह आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी। उनके साथ कुछ और लोग विशेष फ्लाइट से सेंगोल लेकर दिल्ली पहुंचे। 14 अगस्त 1947 की रात गुरु ने यह सेंगोल लॉर्ड माउंटबेटन को सौंपा। माउंटबेटेन ने सेंगोल देखने के बाद इसे दोबारा गुरु को सौंप दिया। इसके बाद सेंगोल गंगाजल से शुद्ध किया गया और पंडित जवाहरलाल नेहरू के पास ले जाया गया। बाद में इसी सेंगोल के जरिये सत्ता ट्रांसफर हुई थी।

किसकी चिट्ठी से पीएम को मिली 'सेंगोल' की जानकारी

देशभर में ढूंढा गया तब इलाहाबाद में मिला

पीएम मोदी नए संसद भवन में स्पीकर के आसन के पास 'सेंगोल' को स्थापित करेंगे। यह वही 'सेंगोल' है जिसे साल 1947 में आजादी के वक्त आखिरी वायसराय माउंटबेटन ने सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर पंडित नेहरू को सौंपा था। यह 'सेंगोल' अभी इलाहाबाद के संग्रहालय में रखा है। प्रधानमंत्री कार्यालय को इस सेंगोल के बारे में करीब 2 साल पहले पता लगा था। चर्चित डांसर पद्मा सुब्रमण्यम ने प्रधानमंत्री कार्यालय को एक चिट्ठी लिखी। इस चिट्ठी में उन्होंने सेंगोल का जिक्र किया था। पद्मा सुब्रमण्यम

मंत्रालय की टीम ढूंढने में लगी थी

पीएमओ को मिली चिट्ठी के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स के एक्सपर्ट्स की मदद से सेंगोल की खोज शुरू की। एक्सपर्ट्स ने नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया (राष्ट्रीय अभिलेखागार) से लेकर उस वक्त के तमाम अखबारों और दस्तावेजों में इसकी खोजबीन की। देश के तमाम संग्रहालयों में पता लगवाया गया। आखिरकार सेंगोल इलाहाबाद के म्यूजियम में मिला।

पीएमओ को चिट्ठी लिखने का फैसला लिया। इस चिट्ठी में मांग की थी कि पीएम, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यह जानकारी देशवासियों के साथ साझा करें।

15000 रुपये में बना था सेंगोल

इस जांच के दौरान पता चला कि 1947 में आखिरी वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने पंडित नेहरू को जो सेंगोल सौंपा था उसे मद्रास के बहुचर्चित वुम्मिडी बंगारू चेट्टी एंड सन्स ज्वैलर्स एंड डायमंड मर्चेंट्स ने तैयार किया था। उस वक्त इसे बनाने में 15000 रुपये की लागत आई थी।

ज्वेलर तक पहुंची मंत्रालय की टीम

संस्कृति मंत्रालय की टीम ने वुम्मिडी बंगारू चेट्टी फैमिली से भी पड़ताल की और उन्होंने कंफर्म किया की सेंगोल तैयार किया था। रिपोर्ट के मुताबिक सेंगोल बनाने वाले परिवार के सबसे बुजुर्ग शख्स की उम्र 95 साल हो चली है। उन्हें कुछ खास याद नहीं है, लेकिन उनके घर में अभी भी सेंगोल की एक तस्वीर रखी हुई है।

'सेंगोल' शब्द तमिल शब्द 'सेम्मई' से आया है, जिसका मतलब होता 'नीति-परायणता'। संगोल एक तरीके का राजदंड है। 9वीं सदी के चोल राजवंश में सेंगोल के जरिये ही सत्ता हस्तांतरण होती थी।

हे भगवान! कुछ तो करो

किसान ने बताया कि मार्केट में दो टन प्याज देकर भी व्यापारी को 986 रुपये देने पड़े

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्रः बेमौसम बरसात ने किसानों के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर दी है। खासकर प्याज उपजाने वाले किसान बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। उनका कहना है कि वे पूरी तरह से कंगाल हो चुके हैं। मार्केट में प्याज लेने वाले व्यापारी किसानों से मुफ्त में भी प्याज नहीं ले रहे हैं। प्याज के साथ किसानों को पैसे भी देने पड़ रहे हैं। एक किसान ने बताया कि मार्केट में दो टन प्याज देकर भी व्यापारी को 986 रुपये देने पड़े। प्याज देकर कंगाल हुए किसान को अपने घर जाने के लिये लोगों से पैसे उधार लेने पड़े। बीड में बेमौसम बारीश की वजह से किसान पूरी तरह कंगाल हो चुके हैं। उनकी फसलें खराब हो चुकी हैं। जो बची हुई फसलें हैं, बेचने के लिये बाजार जाने पर उनकी भी कीमत नही मिल रही है।

एक किसान की जानें दुखभरी दास्तान

बीड जिले के नागपुर गांव के रहने वाले किसान भाऊसाहेब शिंगर ने बारिश से बचाकर रखा कुछ प्याज लेकर जब सोलापुर की मंडी गए तो वहां उन्हें दो टन यानी 2 हजार किलो प्याज की कीमत 50 हजार देने की बात कही गई। भाऊसाहेब शिंगर ने अपने प्याज को सोलापुर की मंडी में 1 रुपया और 50 पैसे कीमत देकर बेचा जिसके कारण पूरे दो टन प्याज की कीमत उसे सिर्फ 2071 रुपये मिली।मगर उसकी किस्मत और ज्यादा खराब थी क्योंकि उसे प्याज की मिली कीमत 2071 में से सभी टैक्स और आढ़त का खर्च काटकर उसे 2071 की बजाए अपनी जेब से ही और 986 रुपये देने पड़े। एक तो उसने मंडी में अपना दो टन प्याज दिया ऊपर से अपनी जेब से उसे 986 रुपये देने पड़े। आढ़त के खर्च ने उसके जेब में आने वाले 2071 भी छीन लिये जिसके चलते उस किसान को बारिश के साथ ही मंडी के आढ़त ने और अपनी फसल प्याज ने खून के आंसू रुलाया है।

मुंबई के चेंबूर की इमारत में लगी आग

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। मुंबई के चेंबूर इलाके में स्थित स्वास्तिक चैंबर नाम की कमर्शियल बिल्डिंग की 7वीं मंजिल पर रात करीबन 3 बजे आग लग गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड और पुलिस के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और आग बुझाने मे जुट गए, और आग पर जल्द ही काबू भी पा लिया गया। इस घटना में किसी के भी घायल या हताहत होने की खबर नहीं है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि एसी में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगी और बिल्डिंग में फैल गई।

भिवंडी में कबाड़ के गोदाम में लगी आग

आज सुबह मुंबई से सटे ठाणे के भिवंडी शहर में कबाड़ के एक गोदाम में अचानक आग लग गयी। सूचना मिलने पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और 3 घंटे तक आग बुझाने में जुटी रही। इस दौरान गोदाम में रखा हुआ कबाड़ पूरी तरह जलकर खाक हो गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगते ही गोदाम में मौजूद लोग बाहर आ गए थे और उन्होंने ही फायर ब्रिगेड को सूचित किया था। आग लगने की वजह साफ नहीं हो पाई है।

पुणे में लकड़ी के गोदाम में लगी आग

सूबे के पुणे शहर के भवानी पेठ में स्थित एक लकड़ी के गोदाम में सुबह करीब 4 बजे भीषण आग लग गई। लकड़ी के गोदाम में लगी यह आग काफी तेजी से फैली और आसपास मौजूद 4 रिहाइशी इमारतों और कई दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और अभी भी आग बुझाने की कोशिशें जारी है। दमकल की टीम ने मौके से करीब 10 गैस सिलेंडर बाहर निकाले नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी। 18 दमकल की गाड़ियां और लगभग 80 से 100 जवान आग बुझाने मे लगे हैं। आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

आरएसएस-बजरंग दल के खिलाफ पर्चे बांटने पर भड़के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा

बोले- किसी को नहीं बख्शेंगे

इंदौर, 25 मई (एजेंसियां)। इंदौर में आरएसएस और बजरंग दल के खिलाफ पर्च बांटने के मामले में गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि शांति भंग करने वालों और भ्रम के माध्यम से भय फैलाने वालों को किसी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। गृहमंत्री डॉ। नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि इस मामले में धारा 153 के तहत कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। साथ ही कहा है कि सीसीटीवी फुटेज देखकर इस मामले में आरोपियों की जल्द से जल्द पहचान की जाए। बता दें कि इंदौर के मुस्लिम बहुल इलाके में कुछ पर्चे बांटे गए थे जिनमें लिखा गया कि आरएसएस और बजरंग दल द्वारा मुस्लिम लड़कियों को फंसाकर धर्मांतरण की कोशिश की जा रही है। इसके बाद कुछ हिंदू संगठनों ने इन पर्चों की बाबत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गृहमंत्री ने कहा कि कि इस मामले में कल ही उपद्रव फैलाने के लिए धारा 153 के तहत कार्रवाई की गई है। इसी के साथ पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि उस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएं। उस आधार पर पर्चे बांटने वालों की पहचान कर उनपर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शांति भंग करने वालों और भ्रम के माध्यम से भय फैलाने वालों को किसी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। इन पर्चों में संघ और बजरंग दल को बदनाम करने के लिए काफिर जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। कहा गया है कि संघ और बजरंग दल हर साल दस लाख मुस्लिम महिलाओं के साथ गलत करता है। अमरवाती में 800 लड़कियों के साथ यह हुआ है। इसलिए भगवा लव ट्रैप में नहीं फंसना। थोड़े दिन की झूठी खुशी, तोहफे और पैसे के लालच में अपनी दुनिया खराब मत करना। वहीं बागेश्वर महाराज को सुरक्षा देने के मुद्दे पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि 'नागपुर और बिहार में जिस प्रकार बागेश्वर महाराज का विरोध हुआ उसको देखते हुए उन्हें सुरक्षा दी गई है। वो एक बड़े संत हैं और उन्हें सुरक्षा देना हमारा दायित्व है इसीलिए उन्हें वाई कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है।' वहीं दिग्विजय सिंह द्वारा बजरंग दल को गुंडा कहने पर तंज कसते हुए गृहमंत्री ने कहा कि उन्हें पीएफआई गुंडा नजर नहीं आता और उन्हें जाकिर नाइक शांतिदूत लगता है लेकिन उन्हें बजरंग दल गुंडा नजर आता है। जो भी राष्ट्रवादी दल हैं वह उन्हें गुंडे ही नजर आते हैं।

संघ की नाराजगी के बाद थमा सीएम शिवराज के मंत्रियों के बीच का घमासान, एकजुटता का किया दावा

सागर, 25 मई (एजेंसियां)। बुंदेलखंड क्षेत्र के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत गोपाल भार्गव और भूपेंद्र सिंह के बीच जारी घमासान आखिरकार खत्म हो गया है। मंत्रियों के बीच खत्म हुए घमासान के पीछे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा की समझाइश और संघ के नेताओं की नाराजगी बताई जा रही है। पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो जारी कर कहा कि हम बंद मुट्ठी की तरह एक हैं। तीन दिन पहले शिवराज सरकार के मंत्री गोपाल भार्गव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और परिवहन मंत्री भूपेंद्र सिंह के बीच मनमुटाव की चर्चाएं जमकर सियासी गलियारों में गूंज रही थी। नौबत यहां तक आ गई थी कि मंत्री गोपाल भार्गव और गोविंद सिंह राजपूत ने कुछ विधायकों के साथ मिलकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मंत्री भूपेंद्र सिंह की शिकायत तक कर दी थी। इतना ही नहीं नाराज मंत्रियों ने यह तक धमकी दे दी थी कि सब कुछ ठीक नहीं रहा तो वे सामूहिक रूप से इस्तीफा दे देंगे। चुनाव से पूर्व बीजेपी सरकार के मंत्रियों का यह मनमुटाव खासा चर्चाओं में रहा। विपक्ष ने भी जमकर इस विवाद पर निशाना साधा था। मंगलवार को कैबिनेट बैठक के बाद प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव, राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विधायक शैलेंद्र जैन, विधायक प्रदीप लारिया और सागर जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की।

अकाली दल के फैसले से पंजाब में गरमाई सियासत

बीजेपी से गठबंधन की 'ना' पर उठने लगे सवाल

चंडीगढ, 25 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी से दूसरी बार गठबंधन करने की बात से साफ इनकार कर चुके शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के एक फैसले से पंजाब की सियासत गरमा गई है। नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के सस्पेंस पर जब अकाली दल नेता डॉ। दलजीत सिंह चीमा से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'नए संसद भवन का उद्घाटन गर्व का क्षण है और इस अवसर का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।'

आप और कांग्रेस पर कसा तंज

चीमा ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों पर इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने पर तंज कसते हुए कहा, 'आम आदमी पार्टी इसको राष्ट्रपति के सम्मान में पेश कर रही है। जबकि सीएम भगवंत मान के मन में राष्ट्रपति के लिए कितना सम्मान है, इसका अंदाजा तो इस बात से लगाया जा सकता है कि राष्ट्रपति ने जब पंजाब का दौरा किया तो वो उनका स्वागत करने के लिए भी नहीं गए। सीएम मान राष्ट्रपति द्वारा नामित पंजाब के राज्यपाल का भी कितना सम्मान करते हैं? यह भी सबको पता है। कांग्रेस का संविधान के प्रति कितना सम्मान है। पार्टी ने कठोर इमरजेंसी लागू कर नागरिक अधिकारों को कुचला था।'

अकाली दल पर उठने लगे सवाल

इस फैसले के बाद अब पंजाब के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं होने लगी हैं कि एक तरफ अकाली दल बीजेपी से गठबंधन के लिए इनकार कर चुका है। अकाली दल की तरफ से कहा गया था कि उनका बसपा के साथ एक अच्छा गठबंधन चल रहा है। और उसे ही आगे लेकर चलने वाला है। वहीं बीजेपी की तरफ से भी कहा गया है कि वो भी अब अकाली दल से गठबंधन नहीं करने वाला है। दोनों दलों के गठबंधन से ना के बावजूद अकाली दल का संसद भवन के उद्घाटन समारोह शामिल होना अब सवाल खड़े करने वाला है। जबकि कांग्रेस और आप उद्घाटन समारोह शामिल होने से इनकार कर चुकी है।

सीएम पहले ही कर चुके हैं इनकार

आपको बता दें कि सीएम भगवंत मान ट्वीट कर पहले ही नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने से

इनकार कर चुके हैं। उन्होंने ट्वीट कर लिखा था कि अगर नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए था। जब भी संसद का सत्र बुलाया जाता है, माननीय राष्ट्रपति प्रत्येक सांसद को सत्र में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र भेजते हैं। लेकिन नई संसद का उद्घाटन कराना त दूर की बात है उन्हें आमंत्रित तक नहीं किया गया। यदि माननीय राष्ट्रपति उद्घाटन करते तो जरूर जाते लेकिन अब नहीं जाएंगे।

10 महीने में 4 की मौत

आखिर क्यों कूनो नेशनल पार्क में जान गंवा रहे चीते?

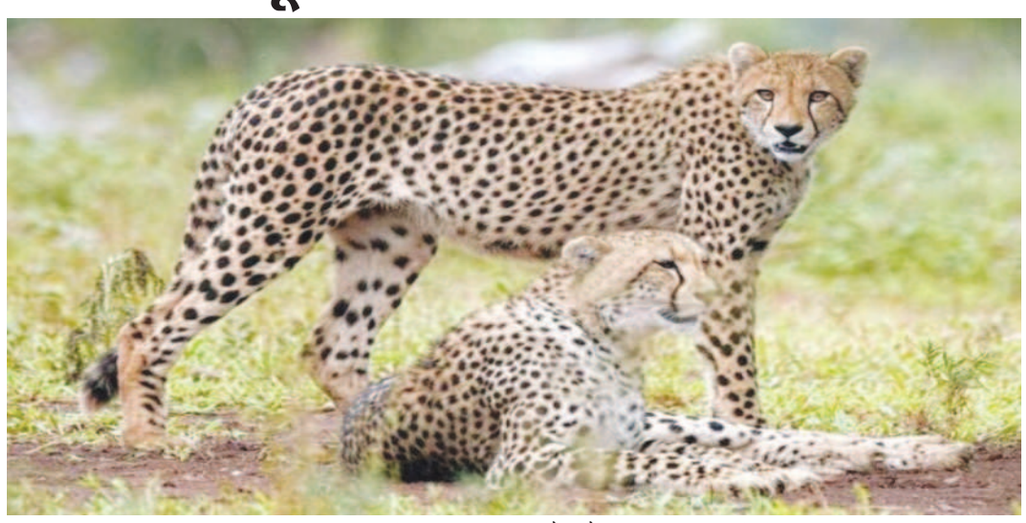

भोपाल, 25 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में अब तक तीन चीतों की मौत हो चुकी है। वहीं, एक शावक की भी मौत हुई है। मगर इन मौतों का कारण बीमारी बताया गया है। आखिर इसकी वजह क्या है? सवाल उठ रहा है कि क्या दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया में भी इसी तरह की मौत होती है? हालांकि, चीतों को बेहतर जीवन देने के लिए अन्य जगह भी तलाश ली गई है। मगर फिर भी सवाल तो उठेंगे ही, क्योंकि भारत में चीते पहले ही विलुप्त हो चुके हैं और अब जो लाए गए हैं, उनकी भी मौत हो रही है। चीता प्रोजेक्ट भारत सरकार का बेहद महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। 70 सालों के बाद 10 महीने पहले चीतों ने भारत की जमीन पर पैर रखा है। लिहाजा नए वातावरण में ढलने के लिए कई तरह की परेशानी भी आएगी। मगर इसका मतलब ये नहीं है की ये प्रोजेक्ट खराब है, क्योंकि मध्यप्रदेश में 5 महीने के भीतर ही 10 बाघों की मौत भी हो चुकी है। कहा जा रहा है कि ये प्राकृतिक रूप से हुई मौतें है, जो हर साल होती ही हैं। हालांकि, सवाल सिर्फ चीतों की मौत पर ही उठ रहे हैं।

कमजोर था चौथा शावक

कूनो में चीते के शावक की मौत पर पीसीसीएफ जसवीर सिंह चौहान का कहना है कि चार शावकों को जन्म देने वाली नामीबिया से आई मादा चीता की निगरानी की जा रही है। 24 मार्च से ही इसकी बहुत बारीकी से निगरानी हो रही है। डेढ़ महीने के बाद इन शावकों को बाहर निकालना शुरू किया गया। उस वक्त से ही ये देखा जा रहा था कि एक बच्चा उनमें थोड़ा सा कमजोर है। वह बाकी के तीन शावकों के साथ मुकाबला नहीं कर पा रहा था। उन्होंने आगे बताया कि जब सुबह के वक्त मॉनिटरिंग टीम निगरानी के लिए पहुंची, तो उसने एक जगह पर तीन बच्चों और मादा चीता को देखा। थोड़ी देर में मादा चीता और तीनों शावक उठकर चले गए। लेकिन फिर वहां पर टीम को एक चौथा शावक भी दिखा। वह सिर उठाने की कोशिश भी कर रहा था। ये देखकर हमारी मॉनिटरिंग टीम ने तुरंत विटनरी टीम को बुलाया। टीम ने उसे अस्पताल लेकर जाने की कोशिश भी की, मगर उसने 5 से 10 मिनट के भीतर दम तोड़ दिया। चीतों के शावकों के कमजोर होने की वजहें भी बताई गई हैं। दरअसल, चीतों के शावकों को शुरुआत से ही कमजोरी रहती है। जो शावक ज्यादा एक्टिव रहते हैं, वो सारा दूध पी जाते हैं। माना जा रहा है कि चौथा शावक कमजोर होने की वजह से ही मारा गया। वहीं, इससे पहले जिस मादा चीता की मौत हुई थी। वो इसलिए हुई, क्योंकि उसे यहां लाने से पहले से ही वह किडनी की समस्या से जूझ रही थी। दूसरे चीता की मौत कार्डियो प्लेमेनरी फेलीयर की वजह से हुई है। इसमें हृदय और फेफड़ों में समस्या हो जाती है। इसके चलते ही उसने जान गंवाई। वहीं, अगर तीसरे मादा चीता की मौत की बात की जाए, तो उसकी वजह आपकी रंजिश रही है। वह अन्य चीतों के हिंसक रवैये का शिकार होकर मारी गई।

तो क्या भारत की संसद का उद्घाटन पाक का पीएम करेगा, आचार्य प्रमोद ने विपक्ष पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। संसद भवन की नई इमारत को लेकर जमकर सियासत हो रही है और विपक्ष के अधिकांश दलों ने रविवार को होने वाले इसके उद्घाटन समारोह के बहिष्कार का एलान किया है। विपक्षी दलों की मांग है कि इमारत का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों कराया जाए, जबकि बीजेपी इसे लेकर अपने तर्क दे रही है। इस बीच कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद का उद्घाटन करना कहीं से गलत नहीं है और विपक्षी दलों को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विपक्ष के विरोध पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर देश की संसद का उद्घाटन भारत का प्रधानमंत्री नहीं

करेगा तो क्या पाकिस्तान का पीएम करेगा। उन्होंने कहा, 'भारत की संसद देश की धरोहर है, बीजेपी की नहीं। देश की संसद का उद्घाटन देश का प्रधानमंत्री नहीं करेगा तो कौन करेगा? हिंदुस्तान की संसद का उद्घाटन हिंदुस्तान का प्रधानमंत्री नहीं करेगा तो क्या पाकिस्तान का प्रधानमंत्री करेगा? संसद, राष्ट्रपति भवन ये इस तरह की इमारतें हैं जो किसी पार्टी की नहीं होतीं, पूरे देश की होती हैं। हमें मोदी का विरोध करने का हक है, लेकिन देश का विरोध करना उचित नहीं है।' आचार्य प्रमोद ने आगे कहा, 'हम प्रधानमंत्री की नीतियों का विरोध करें। हमें करना चाहिए, हम करेंगे, हम सड़क पर करेंगे, हर जगह करेंगे। जनमानस की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। मैं विपक्ष से अपील करना चाहता हूं कि वह अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। भारत की संसद को बीजेपी का समझना गलत है, इसीलिए मेरा निवेदन है कि तमाम विपक्ष ओवैसी के रास्ते पर न चले।' इससे पहले समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने भी पीएम मोदी द्वारा संसद के उद्घाटन का विरोध करने के विपक्ष के फैसले को गलत करार दिया था, हालांकि बाद में उन्होंने यूटर्न ले लिया।

दिल्ली पुलिस की हिरासत में रहेगा दीपक बॉक्सर

अहमदाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। अहमदाबाद की साबरमती जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई के खास दीपर बॉक्सर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल दीपक बॉक्सर को अपनी पांच दिन की हिरासत में ले लिया। स्पेशल सेल ने उसको हत्या के एक मामले में हिरासत में लिया है। दीपक की गिरफ्तारी इसलिए भी अहम है, क्योंकि दीपक जितेंद्र गोगी की हत्या के बाद उसका गैंग संभाल रहा था। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 2020 में अमन विहार थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में गैंगस्टर दीपक बॉक्सर की दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को पांच दिन की पुलिस हिरासत बुधवार को मंजूर कर ली। आरोपी को दिल्ली पुलिस की भारी सुरक्षा में कोर्ट में पेश किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 26 मई- 2023

दुनिया में 1.3 अरब लोग अब भी गरीबी में जीने को विवश

गरीबी केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक बहुआयामी समस्या है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में बताया गया है कि किसी एक विशेष कारण के चलते नहीं, बल्कि अलग-अलग कारणों से लोगों को गरीबी में जीवन बिताने पर मजबूर होना पड़ता है। भोजन, घर, जमीन, स्वास्थ्य जैसे गरीबी के कई पहलू हैं। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि हमें एक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए गरीबी और भेदभाव को मिटाने की दिशा में अपने प्रयास और तेज करने तथा यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी लोग अपने मानवाधिकारों का पूर्ण उपयोग कर सकें।

हाल ही में विश्व असमानता लैब द्वारा जारी विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत दुनिया के सबसे असमान आय वाले देशों में है। इसमें बताया गया है कि दुनिया की सबसे गरीब आधी आबादी के पास कुल संपत्ति का सिर्फ दो प्रतिशत हिस्सा है, जबकि दुनिया की सबसे अमीर दस प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का छिहत्तर प्रतिशत हिस्सा है। मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका दुनिया के सबसे असमान क्षेत्र हैं, जबकि यूरोप में असमानता का स्तर सबसे कम है।

जानें क्यों सिनेमाघरों में नहीं रिलीज हो रही शाहिद कपूर की 'ब्लडी डैडी' ?

काम से होने वाली कुल आय में महिलाओं की हिस्सेदारी 1990 में लगभग 30 प्रतिशत थी जो अब 35 प्रतिशत से भी कम है। देशों में सबसे अधिक आय वाले दस प्रतिशत और सबसे कम आय वाले पचास प्रतिशत व्यक्तियों की औसत आय के बीच का अंतर लगभग दोगुना हो गया है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि पिछले चालीस वर्षों में देश तो काफी अमीर हो गए हैं, लेकिन उनकी सरकारें काफी गरीब हो गई हैं। कोविड महामारी के बाद आए आर्थिक संकट के चलते भी गरीबी तथा असमानता बढ़ी है।

वर्ष 2022-23 के लिए गरीबी उन्मूलन की अंतरराष्ट्रीय दिवस की विषय-वस्तु सभी के लिए गरिमा या सम्मान रखी गई थी। वास्तव में प्रत्येक मनुष्य की गरिमा या सम्मान उसका अपना मौलिक अधिकार होता है और उसकी रक्षा जरूरी है। पर गरीबी में जी रहे लोग स्वयं को उपेक्षित और तिरस्कृत महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें नकारा और उनका अनादर किया जा रहा है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए गरीबी को समाप्त करना और हर जगह शांति और समृद्धि स्थापित करना प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए।

मगर वर्तमान स्थितियों में 1.3 अरब लोग अब भी गरीबी में जी रहे हैं, जिनमें से लगभग आधे बच्चे और युवा हैं। हाल में लोगों के बीच आय और अवसरों की असमानता का स्तर तेजी से बढ़ा है। हर साल अमीर-गरीब के बीच की खाई और अधिक चौड़ी होती जा रही है। एक ओर गरीब और अधिक गरीब होता जा रहा है, वहीं अरबपति वर्ग की संपत्ति में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है।

दरअसल, गरीबी और असमानता गलत फैसलों और निष्क्रियता का परिणाम है। हमारे समाज में अमीर लोग गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों को और अधिक कमजोर और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। सामाजिक बहिष्कार, संरचनात्मक भेदभाव और अशक्तता जैसे कारक गरीबी में फंसे लोगों का जीवन और कठिन बना देते हैं। इसके अलावा सूखा, बाढ़ आदि जलवायु परिवर्तन आपदाओं की मार भी गरीब वर्ग पर ही सबसे अधिक पड़ती है।

आज दुनिया में जब आर्थिक विकास, तकनीकी साधनों और वित्तीय संसाधनों की बढ़ोतरी का दावा किया जा रहा है, तब दुनिया के करोड़ों लोगों का गरीबी में रहना बिल्कुल अपेक्षित नहीं है। किसी भी देश में गरीबों की लाचार स्थिति उस देश के आर्थिक विकास के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती है। गरीबी का अर्थ है सम्मान से जीने की बुनियादी क्षमता का अभाव, इसलिए गरीबी को केवल आर्थिक मुद्दा नहीं समझना चाहिए। गरीबों को अधिकतर अपनी आजीविका के लिए ऐसे काम भी करने पड़ते हैं, जो उनके स्वास्थ्य और उनकी जान के लिए खतरनाक होते हैं। उन्हें असुरक्षित आवासों में रहना पड़ता है। उन्हें पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता। न्याय तक उनकी पहुंच नहीं हो पाती। स्वास्थ्य सुविधाओं तक भी उनकी सीमित पहुंच होती है। अत्यधिक गरीबी की स्थिति में भूख और कुपोषण का सामना करना, शिक्षा और अन्य बुनियादी सेवाओं तक सीमित पहुंच होना, सामाजिक भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार तथा निर्णय लेने में भागीदारी का अभाव आदि शामिल हैं।

तेजी से बढ़ती जनसंख्या, अशिक्षा और निम्न मानव विकास, लगातार बढ़ती बेरोजगारी, देशों में पूंजी की कमी, अल्पविकसित अर्थव्यवस्था, मूल्य में वृद्धि, अर्थव्यवस्था का पारंपरिक स्वरूप, पर्याप्त कौशल विकास का न होना, उद्यमिता का विकास न होना, समुचित औद्योगीकरण का अभाव, पिछड़ी सामाजिक संस्थाएं, भ्रष्टाचार, आधारभूत संरचना की कमी, भूमि और दूसरी संपत्तियों का असमान वितरण और गरीबी का दुश्चक्र आदि गरीबी के मुख्य कारण हैं। गरीबी में जी रहे लोग अपने बच्चों को श्रम बाजार में धकेल देते हैं। दुनिया के लगभग 60 प्रतिशत बाल श्रमिक कृषि क्षेत्र में पाए जाते हैं। ये बच्चे अक्सर खतरनाक परिस्थितियों में काम करने को विवश होते हैं, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। गरीबों के बीच महिलाओं और पुरुषों की स्कूली शिक्षा का अंतराल, सामान्य स्तर के लोगों के मुकाबले दोगुने से अधिक है। विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत में लगभग ढाई करोड़ परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में सफलता मिलेगी और गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की हिस्सेदारी 15 फीसद से घट कर केवल 5 फीसद रह जाएगी। भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2011 की जनगणना में देश की करीब 22 फीसद आबादी गरीबी रेखा के नीचे थी।

समय के साथ देश में गरीबी में कमी तो आई है, लेकिन शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में कमी की दर अब भी धीमी है।

गरीबी उन्मूलन के लिए सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम जैसी कई योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरुआत की है। पर अब भी भारत में गरीबी रेखा का निर्धारण करना एक प्रमुख चुनौती है। अब भी कोई ऐसा मान्य मापदंड नहीं है, जिससे गरीबी की वास्तविक स्थिति को परिभाषित किया जा सके। इसके साथ ही गरीबी उन्मूलन के लिए संसाधन पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं। गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों में भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ लाभार्थी तक नहीं पहुंच पाता। कार्यक्रमों और योजनाओं का उचित क्रियान्वयन नहीं हो पाता। लगातार बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में देश के संसाधनों का विकास कम होता है, जिसके कारण गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते।

गरीबी रेखा का निर्धारण करने के लिए वैज्ञानिक तरीका अपनाया जाना चाहिए, जिससे वास्तविक गरीबों की पहचान की जा सके और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा सके। ग्रामीण गरीबों में अधिकतर छोटे किसान शामिल होते हैं। उनकी गरीबी दूर करने और खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए कृषि उत्पादकता में सुधार, संसाधनों और प्रौद्योगिकी तथा बाजार तक उनकी पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता है।

स्थानीय रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करके ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी कम करने का प्रयास होना चाहिए। गरीब महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाकर उनकी आय के स्तर में सुधार किया जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा को बेहतर बनाकर, गरीबों की आजीविका में सुधार, बेहतर जोखिम प्रबंधन और उनके बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ाने में मदद की जा सकती है। इससे लोगों के बीच असमानता भी कम होगी। गरीबों को स्वस्थ और संतुलित आहार उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास तो होगा ही, श्रम की उत्पादकता में भी वृद्धि होगी।

फ्राड का निशाना बनते उपभोक्ता

स्मार्ट फोन का उपयोग करने वाले यदि सावधान न रहे तो पल भर में उनके बैंक खाते में जमा पूंजी फ्राडियों के खाते में चली जाएगी और आप पछताने के अलावा कुछ नहीं कर पाएंगे। सवाल है कि आपका मोबाइल नंबर इस फ्राड करने वालों तक पहुंचता कैसे हैं तो बता दें कि आपका मोबाइल नंबर किसी खुदरा विक्रेता के हाथ में जाने के बाद डेटा कारोबार का हिस्सा बन जाता है। जिसके जरिए उपभोक्ता साइबर धोखे का शिकार हो जाता है। आज कल यह चलन हो गया है कि बाजार में खरीदारी करते हुए दुकानदार ग्राहकों के मोबाइल नंबर अवश्य मांगते हैं। इसे अपने बिल जैसे दस्तावेज के लिए जरूरी बताते हैं। लेकिन बाद में उसका इस्तेमाल वे विज्ञापन या कारोबार के विस्तार के लिए करने लगते हैं। दुकानदार की कारोबारी विस्तार की वजह से नंबर देने वाला एक सामान्य ग्राहक तरह- तरह की उलझनों में फंसता चला जाता है। यहां तक कि उसकी नींद व चैन भी गायब हो जाती है। अक्सर उसके फोन पर किसी चीज की बिक्री या सेवा से संबंधित विज्ञापन के संदेश भेजे जाने लगते हैं तो कभी कुछ खरीदने-बेचने को लेकर अनायास ही फोन आते हैं। देखा जाए तो यह सिर्फ कारोबारी पहलू है। दूसरी पहलू यह है कि अब मोबाइल नंबर केवल सुनने या संदेश पढ़ने तक का जरिया नहीं रह गए हैं, बल्कि इंटरनेट से जुड़े स्मार्टफोन अब एक संवेदनशील यंत्र में तब्दील हो चुका है, जिसमें उससे संबंधित कई जरूरी जानकारी दर्ज रहती है। उसके जोखिम में पड़ने से उसे कोई बड़ा नुकसान हो सकता है, उसकी निजता प्रभावित हो सकती है। हालांकि भारत में ग्राहकों को अपना बिल बनवाने के लिए खुदरा विक्रेताओं को अपना मोबाइल नंबर देना अनिवार्य नहीं है। लेकिन हालात ऐसे बन गए हैं कि किसी सामान की खरीदारी के दौरान बिना किसी जरूरत के भी लोगों को अपना मोबाइल नंबर दुकानदार को देना अनिवार्य जैसा हो गया है। यह सब तब हो रहा है जब इसके बहुस्तरीय जोखिम को देखते हुए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने खुदरा विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए हैं कि कुछ सेवाएं देने के के बहाने ग्राहकों के मोबाइल नंबर लेने पर जोर नहीं दिया जाना चाहिए। अक्सर ग्राहकों की ओर से यह शिकायत दर्ज कराई जा रही है कि अगर वे खुदरा विक्रेता को अपना संपर्क नंबर साझा करने से इनकार करते हैं तो उन्हें वे सेवाएं देने से साफ इंकार कर देते हैं। ऐसे में बेचार मरता ग्राहक भला क्या करता। जबकि ऐसा करना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत एक अनुचित और प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथा माना गया है। निर्देश में साफ कहा गया है कि जानकारी इकट्ठा करने के पीछे का कोई औचित्य समझ में नहीं आता। आज के दौर में आधुनिक तकनीकी का जैसे-जैसे विस्तार हो रहा है, उससे जुड़ी जटिलताएं भी आए दिन सामने आ रही हैं। आज देश के ज्यादातर लोगों के पास मोबाइल या स्मार्टफोन है और वे इसका उपयोग न केवल बातचीत, बल्कि इंटरनेट आधारित कामकाज और पैसों के लेनदेन जैसी संवेदनशील गतिविधियों के लिए भी कर रहे हैं। इसके अलावा, लोगों के मोबाइल नंबर से उनके आधार नंबर या पहचान पत्र सहित बैंक खाता आदि ज्यादातर संवेदनशील दस्तावेज भी जुड़े हुए हैं। जाहिर है, अगर किसी का मोबाइल नंबर अब किसी खुदरा विक्रेता के हाथ में जाने के बाद डेटा कारोबार का हिस्सा बन जाता है, तो उसके जरिए साइबर धोखा होने का खतरा सौ फीसद तक बढ़ जाता है। व्यक्ति कभी भी अनचाहे विज्ञापन जगत की गतिविधियों का शिकार हो सकता है। इसका दायरा जिस स्तर तक फैल चुका है तो कहा जा सकता है कि व्यक्ति का मोबाइल नंबर अब उसकी सुविधाओं के साथ-साथ परेशानियों का कारण भी बन चुका है। इसमें मानसिक परेशानी से लेकर आर्थिक नुकसान और निजता पर खतरे जैसे हालात बन चुके हैं। खासतौर पर इस दौर में, जब दुनिया भर में ज्यादा से ज्यादा लोगों से संबंधित ब्योरा या डेटा हासिल करने की होड़ मची हुई है, उसमें मोबाइल नंबर ही सबसे प्राथमिक स्रोत का काम करता है। यही कारण है कि कारोबार जगत हो या इंटरनेट की दुनिया, लोगों का मोबाइल नंबर हासिल करने के लिए अलग-अलग तरह से गुंजाइशें तलाशी जा रही हैं। इस लिहाज से देखें तो मोबाइल के उपयोग को सुरक्षित बनाने के साथ-साथ इसके प्रति अगर आम लोगों के बीच जागरूकता नहीं फैलाई गई तो आने वाले वक्त में मोबाइल जटिल होने के साथ डरावना भी होने लगेगा।

कैसे कम होगी बच्चियों के साथ क्रूरता

मनोज कुमार अग्रवाल

योगी सरकार की महिला अपराध के खिलाफ जीरो टालरेंस नीति के बावजूद महिलाओं विशेष कर नाबालिक लड़कियों के साथ जघन्य वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक के बाद एक संगीन वारदातों में अबोध मासूम बच्चियों के साथ दरिंदगी का सिलसिला जंगल राज की ओर बढ़ रहे माहौल को बयान कर रहा है।कहीं शोहदे जिंदा जला रहे हैं तो सरकारी स्कूलों में पंद्रह नाबालिक छात्राओं के साथ एक टीचर द्वारा कदाचार करने का मामला सामने आया है। बीते दो तीन दिनों में ही ऐसी अनेक जघन्य वारदातें सामने आई हैं। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जनपद से बुधवार को एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. यहां शोहदे ने एक नाबालिग किशोरी द्वारा छेड़छाड़ का विरोध करने पर डीजल डालकर जिंदा जला दिया , जिससे लड़की बुरी तरह झुलस गई लड़की की चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो उन्होंने किसी तरह आग बुझाई और उसे पास के जिला अस्पताल ले गए , जहां इलाज शुरू होने से पहले ही उसकी मौत हो गई। यह बेहद शर्मनाक व जघन्य वारदात मैनपुरी क्षेत्र ग्राम नगला पजावा की है जहां रहने वाले राजेश कुमार लोधी की 15 साल नाबालिग बेटी शिल्पी को पड़ोस में रहने वाला युवक अंकित पिछले कई महीनों से परेशान कर रहा था. लड़की समाज में बदनामी के डर से दबी जुबान में उसका विरोध करती थी लेकिन वो अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। 16 मई मंगलवार की दोपहर 12 बजे अंकित लड़की के घर में घुस आया घर में बैठे लड़की के साथ उसका छोटा भाई मौजूद था लड़की ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उस पर डीजल का तेल डाल दिया और आग लगा दी और मौके से फरार हो गया। बाद में लड़की ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बांदा में एक व्यक्ति ने 7 साल की बच्ची के साथ रेप की घटना को अंजाम दिया है। दुष्कर्मी ने बच्ची को किसी से बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। पीड़िता के परिजनों ने कमासिन थाने में आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट व धमकी की धारा में रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने बालिका को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला महिला अस्पताल भेजा।

यहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। सात वर्षीय कक्षा तीन की मासूम छात्रा 10 मई की शाम अपने घर के पास सड़क किनारे खेल रही थी। वहां मझींवा गांव निवासी तीरथ प्रसाद (40) उसे बहला फुसलाकर अपने साथ पास के गांव ले गया। माता-पिता का आरोप है कि वहां उसने उनकी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसे मारा पीटा। बाद में अपनी बहन के घर छोड़कर चला गया। गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र में फौजी की नाबालिग बेटी से उसी की क्लास में पढ़ने वाले दूसरे धर्म के लड़के ने रेप किया, जिसके बाद लड़की ने फंदे से लटककर जान दे दी. लड़की की मां ने बताया कि घटना के बाद आरोपी के परिवार ने घर आकर धमकाया था. महिला ने आरोप लगाया कि लव जिहाद के चलते बेटी को रेप का शिकार बनाया गया है।

क्या पंजाब के 'टीचिंग फेलो' घोटाले में बड़ी मछलियां पकड़ी जाएंगी?

रजनीश कपूर

जब भी कोई बड़ा घोटाला सामने आता है तो आम जनता को इस बात का भरोसा नहीं होता कि घोटाले में लिप्त बड़ी मछलियाँ क़ानून के शिकंजे में क़ैद हो पायेंगी। इस बात के सैंकड़ों उदाहरण आपको बड़ी आसानी से मिल जाएँगे। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि प्राथमिक जाँच क्रेन वाले अधिकारी ही जाँच का रुख़ ग़लत दिशा में मोड़ देते हैं। नतीजतन घोटाले में लिप्त केवल छोटों मछलियों को ही सज़ा मिलती है और बड़ी मछलियाँ निडर हो कर खुलेआम घूमती हैं। ऐसा ही कुछ हुआ 2007 के पंजाब के 'टीचिंग फेलो' भर्ती घोटाले में। 'टीचिंग फेलो' घोटाला पिछले कई दिनों से पंजाब में चर्चा में है। कारण है, इस घोटाले में पंजाब विजिलेंस विभाग द्वारा कार्यवाही करना। विजिलेंस विभाग ने 'टीचिंग फेलो' घोटाले में लिप्त शिक्षा विभाग के 5 कर्मचारियों को रिमांड पर लेने के बाद जेल भेज दिया। ग़ौरतलब है कि कि चार साल पहले शुरू हुई विजिलेंस की जांच टीम आज तक मामले के रिकॉर्ड जुटाने में ही अटकी हुई थी। यदि टीचिंग फैलोशिप भर्ती प्रक्रिया का रिकॉर्ड तैयार करने में शुरू से ही पारदर्शिता बरती गई होती तो भर्ती प्रक्रिया में शामिल हर अधिकारी और कर्मचारी के साथ-साथ भर्ती किए गए हर शिक्षक का पूरा रिकॉर्ड और ब्योरा विजिलेंस ब्यूरो के पास होता। परंतु कड़वा सच यह है कि इस मामले की शुरुआत से, यानी 2007 से ही घोटाले के सूत्रधारों द्वारा ऐसी कोशिशें शुरू कर दी गई थी कि भविष्य में अगर कोई जांच हो तो इस घोटाले की कड़ियाँ आसानी से न जुड़ सकें। इस घोटाले के दस्तावेज़ों से यह पता चलता है कि मामले की शुरुआत में ही निदेशक शिक्षा विभाग (एलिमेंट्री) द्वारा जारी निर्देशों के तहत 18 जनवरी 2008 को विभिन्न जिलों के शिक्षा अधिकारियों (प्रारंभिक) को 'टीचिंग फेलो' की चयन समितियों के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद पंजाब के शिक्षा विभाग के निदेशक द्वारा जिला शिक्षा अधिकारियों को चयन समितियों के गठन का जिम्मा सौंपा। सूत्रों के अनुसार विभिन्न जिलों में गठित चयन समितियों के सभी सदस्यों के नाम शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा ही भेजे गए थे। विभिन्न जिलों में चयन समिति के सदस्यों की संख्या अलग-अलग थी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अलावा उपायुक्त कार्यालय से संबंधित प्रथम श्रेणी के अधिकारी, जिला सैन्य कल्याण बोर्ड से संबंधित अधिकारी या उनके प्रतिनिधि, जिला कल्याण बोर्ड का कोई प्रतिनिधि या अधिकारी और जिला खेलकूद विभाग का कोई प्रतिनिधि या अधिकारी भी चयन समिति के सदस्य के रूप में भर्ती प्रक्रिया की निगरानी और चुनावी प्रक्रिया में धोखाधड़ी की गुंजाइश को रोकने के लिए नियुक्त किया गया था। आवेदकों के चयन एवं पात्रता की जांच के लिए पंजाब शिक्षा विभाग द्वारा चयन समिति के अलावा प्रति हजार आवेदकों पर दो मूल्यांकनकर्ता एवं दो चेकर भी नियुक्त किये गये थे। जिनका कार्य प्रतिदिन कम से कम एक सौ आवेदन पत्र एवं आवेदकों द्वारा दिये गये प्रमाण पत्रों की जांच करना था। यह 'टीचिंग फेलो' के आवेदनकर्ताओं की योग्यता सुनिश्चित करने के लिए था। लेकिन यदि इन मूल्यांकनकर्ताओं और चेकर्स ने अपना काम ईमानदारी से किया होता तो फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर नौकरी पाने की कोई गुंजाइश न होती। उम्मीद है कि अब तक चयन समिति में नियुक्त शिक्षा विभाग के कर्मचारियों, मूल्यांकनकर्ताओं, चेकर्स और विभाग के बाहर नियुक्त अधिकारियों का विवरण विजिलेंस ब्यूरो द्वारा प्राप्त हो गया होगा। लेकिन यह विवरण विजिलेंस द्वारा अपनी जांच को आगे बढ़ाने के लिए एक कदम तो हो सकता है परंतु मंजिल नहीं। क्योंकि इस भर्ती प्रक्रिया में जिस तरह से नियमों की अनदेखी की गई है उससे साफ है कि मामले में बड़ी मछलियों की संलिप्तता और भागीदारी ज्यादा अहमियत रखती है। यह तो नहीं कहा जा सकता कि निचले स्तर के अधिकारियों ने इस मामले में फायदा नहीं उठाया। परंतु इस बात को भी नहीं नकारा जा सकता कि निचले स्तर के अधिकारियों ने उच्च स्तर के अधिकारियों के दबाव में काम न किया हो। 'टीचिंग फेलो' की भर्ती प्रक्रिया के संबंध में तत्कालीन राज्यपाल द्वारा 16 जनवरी 2008 को दिए गए लिखित आदेशों की प्रथम पंक्ति में यह बात स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि भर्ती प्रक्रिया के कोऑर्डिनेटर शिक्षा विभाग के निदेशक होंगे। भर्ती प्रक्रिया की पूर्ण जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। इसी आदेश में भर्ती प्रक्रिया के लिए नियुक्त चयन समितियों के संबंध में निर्देश भी दिए गए जिसमें मूल्यांकनकर्ता का काम उम्मीदवारों की योग्यता और प्रमाण पत्रों का मूल्यांकन करना होगा। चेकर्स का काम इन प्रमाणपत्रों की जांच करना होगा। अगर मूल्यांकनकर्ताओं और चेकर्स यानी जांचकर्ताओं ने अपना काम ईमानदारी से किया होता तो टीचिंग फेलोज भर्ती घोटाला सामने नहीं आता क्योंकि प्रत्येक आवेदक के प्रमाण पत्रों की जांच तभी कर ली गई होती। भर्ती किये गये सभी चयनित टीचिंग फेलोज और प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों का विवरण एक वेबसाइट पर प्रकाशित करने के निर्देश भी दिये गये थे, लेकिन यह वेबसाइट बनाई ही नहीं गई। यदि ऐसी वेबसाइट बनाई गई होती तो सतर्कता ब्यूरो को पात्र और कुपात्र उम्मीदवारों का विवरण एकत्रित करने में कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता। साफ है कि शिक्षक भर्ती घोटाले में नीचे से ऊपर तक नियमों का उल्लंघन किया गया है। इस पुराने घोटाले में अगर विजिलेंस अब भी सिर्फ रिकॉर्ड जुटाने में लगा रहेगा तो कुछ हाथ नहीं आएगा। घोटाले की जड़ तक पहुंचने के लिए विजिलेंस को इस घोटाले की बारीकियों पर भी गौर करना होगा, जिससे विजिलेंस ब्यूरो घोटाले में शामिल बड़ी मछलियों तक पहुंच सके।

टपोरी यंत्र का अविष्कार

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

टपोरी कई वर्षों तक राजस्व विभाग में काम करते हुए एक अनोखे यंत्र का आविष्कार कर डाला। यह यंत्र उस जमाने में आकर्षण का केंद्र बना रहा और इसी के चलते उसका स्थानांतरण भी हुआ। सवाल यह उठता है कि उस यंत्र में ऐसा क्या था जो उसके स्थानांतरण पर बन आयी। अब आप जानते ही हैं कि सरकारी कार्यालय में तरह-तरह के लोग आते रहते हैं। इनमें कौन मंत्री जी का रिश्तेदार है, कौन कांट्रैक्टर के ईर्द-गिर्द घूमने वाला बंदा है और कौन ऊपर तक पहुँच रखने वाला है की पहचान एक यंत्र बिना मुँह खोले चुटकियों में सामने वाली पार्टी के सारे अंतर्भेद यूँ बता सकता था। अब किस्मत कहें या बदकिस्मती कि जिस दिन इस यंत्र का लोकार्पण हुआ उसी दिन कार्यालय में आकस्मिक जाँच के नाम पर संबंधित मंत्री जी आ धमके और सीधे टपोरी के सामने वाली सीट पर बैठ गए। यंत्र के लिए राजा-रंक एक समान थे। सो, मंत्री जी की कई गोपनीय बातें टपोरी को पता चल गयीं। मंत्री जी कुछ कहते उससे पहले ही टपोरी उनकी पोल खोल बैठा। पहले तो मंत्री जी को खूब गुस्सा आया। वह क्या है न कि कुर्सी पर बने रहने के लिए गुस्से को दूर रखना पड़ता है। इसलिए मंत्री जी ने टपोरी को नौकरी से बर्खास्त करने की जगह उसे उसके यंत्र के साथ अपने कार्यालय में नियुक्त कर दिया। यहाँ टपोरी का एक मात्र काम नए-नए फार्मूले खोज निकालना था। इसी कड़ी में उसने एक नया फार्मूला खोज निकाला – 'एक में दो।' बहुत जल्द उसका फार्मूला लोगों की जुबान पर चढ़ गया। एक दिन किसी काम से वह मेरे पास आया। मैंने उसके फार्मूले की जाँच के लिए जानबूझकर जेब से एक मात्र सौ रुपए की नोट निकालकर पूछ बैठा यह कितने नोट हैं? तुरंत टपोरी ने कहा – दो। मेरा सिर चकराया। मैंने पूछा वह कैसे? तो उसने कहा कि इसमें दो पचास की नोट हैं। उसकी बात में लॉजिक था। इसलिए मैं चुप बैठ गया। तभी मेरी लड़की आयी और टपोरी को नमस्ते करने लगी। वह मेरी इकलौती लड़की थी। मैंने फिर से उसे पूछ बैठा मेरी कितनी लड़की है? उसने कहा – दो। इस बार मेरा सिर और बुरी तरह से चकरा गया। मैं फिर पूछ बैठा वह कैसे? उसने कहा – वह तुम्हारी लड़की है। साथ ही तुम्हारी पत्नी की लड़की भी है।

हुई न दोनों के लड़की। मैं चुप रह गया। आज टपोरी को मरे कई वर्ष बीत गए। लेकिन टपोरी जैसे गुण नेताओं में साफ़ दिखायी देते हैं। घटना एक घटती है लेकिन परिप्रेक्ष्य दो निकलते हैं। जैसे देश पर हमला हुआ तो विपक्ष के लिए बटेर हाथ लग जाता है। यदि सरकार उसका मुँहतोड़ जवाब देती है तो दूसरी ओर छप्पर फाड़कर वोट मिलते हैं। बढ़ती जनसंख्या से भुखमरी बढ़ती है, लेकिन नेताओं की मानें तो अधिक लोग होने पर अधिक राशन मिलता है।

आँधी हो या तूफान पथ पर कभी रुकना नहीं

सुनील कुमार महला

अज्ञात ने बेटियों के बारे में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में यह लिखा है कि-'जरूरी नहीं रौशनी चिरागों से ही हो। बेटियाँ भी घर में उजाला करती हैं।' आज बेटियां समाज के हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी दे रहीं हैं और अपने परिवार, समाज व देश का नाम रौशन कर रहीं हैं। सच तो यह है कि बेटियों से जीवन जन्नत है,बेटी जीवन पर बोझ नहीं है। बेटियां खुदा की नियामतें होतीं हैं। किसी ने क्या खूब कहा है कि- 'ख़ुश्बू बिखेरती फूल है बेटी, इंद्रधनुष का सुंदर रूप है बेटी, सुरों को सुंदर बनाने वाली साज है बेटी, हकीकत में इस धरती का ताज है बेटी।' हाल ही में संघ लोक सेवा आयोग यानी कि यूपीएससी का परिणाम घोषित हुआ है। यह हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष के साथ गौरवान्वित करने वाला विषय है कि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की परीक्षा में हमारे समाज, हमारे देश की बेटियों ने इतिहास रच दिया है। हमने देखा कि शीर्ष चार स्थानों पर बेटियों का ही दबदबा रहा है। बेटियों ने इस कठिन परीक्षा में सफलता के झंडे गाड़ कर यह साबित कर दिया है कि वे किसी भी मायनों में बेटों से कमतर नहीं हैं।यह हमारे भारतीय समाज की बहुत पुरानी और रूढ़िबद्ध धारणा रही है कि बेटियां चूल्हा चौका के सिवा और कुछ भी काम नहीं कर सकती हैं, और हम ये मानते आए हैं कि बेटियां घर में ही रहें तो ठीक है, इनका बाहर की दुनिया से कोई वास्ता नहीं है।

सदियों सदियों से यही रूढ़िबद्ध धारणा हमारे समाज में चली आ रही हैं और कहने को आज भी हम बेटियों के बारे में यह कहते हैं कि बेटा और बेटी समान है लेकिन समाज की सोच बेटियों के प्रति आज भी कहीं न कहीं बेटों के समान नहीं है । सिमोन द बोउवार का कथन है, "स्त्री पैदा नहीं होती, बनाई जाती है।" समाज अपनी आवश्यकता के अनुसार स्त्री को ढालता आया है। उसके सोचने से लेकर उसके जीवन जीने के ढंग को पुरुष अभी तक नियंत्रित करता आया है और आज भी करने की कोशिश करता रहता है। सच तो यह है कि पितृसत्तात्मक समाज ने वह सब अपने अनुसार तय किया है और आज भी हमारा समाज पुरूष प्रधान समाज की सोच से बाहर नहीं निकल पा रहा है, लेकिन समाज की यह सोच गलत है, क्यों कि अकेला पुरूष ही समाज को कभी आगे नहीं ले जा सकता है। समाज को आगे ले जाने में जितनी भूमिका पुरूषों की है, महिलाओं की भूमिका भी पुरूषों से कम नहीं है, बल्कि यह बराबर व समान है। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि समाज की सोच में बेटियों के प्रति कोई बदलाव नहीं आए हैं। धीरे धीरे समाज की सोच बदलने लगी हैं और आज हम देखते हैं कि बेटियों के जन्म पर भी बेटों के जन्म की तरह ही थालियां बजाई जाती हैं, मिठाई बांटी जाती है, खुशियां मनाई जाती हैं, पार्टियों , फंक्शन्स तक का आयोजन किया जाता है। सर्वप्रथम परीक्षा में सफलता प्राप्त कर चुके सभी अभ्यर्थियों को अनेक शुभकामनाएं देना चाहूंगा। विशेषकर समस्त महिला अभ्यर्थियों को जिन्होंने इस परीक्षा में सफलता के झंडे गाड़ कर हम सभी का,इस भारत का भाल ऊंचा करने का काम किया है। आज हमारे देश की बेटियां हर क्षेत्र में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं और हरेक क्षेत्र में काम करके देश व समाज का नाम रौशन कर रहीं हैं। भले ही आज बैंकिंग का क्षेत्र हो, शिक्षा का क्षेत्र हो, सेना हो, राजनीति हो या कोई भी क्षेत्र हो, हमारे देश की बेटियां पुरूषों/बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। हमारी बेटियां आज लड़ाकू विमान तक उड़ा रहीं हैं,खेल के क्षेत्र में तो हमारे देश की बेटियों की प्रतिभा किसी से छिपी नहीं है। इंजीनियरिंग का क्षेत्र हो या चिकित्सा, अंतरिक्ष विज्ञान का क्षेत्र हो, ज्योतिष विज्ञान का क्षेत्र हो, मीडिया रिपोर्टिंग हो, पुलिस फोर्स हो, कोरपोरेट क्षेत्र हो या सामाजिक सेवा, हमारे देश की बेटियों ने आज यह साबित कर दिया है कि भले ही आज भी हमारे समाज को पुरूष प्रधान कहा जाता हो, लेकिन महिलाओं की, हमारे देश की बेटियों की समाज के,देश के, परिवार के उत्थान में,उसकी प्रगति में, उसके उन्नयन में भागीदारी कमतर कतई नहीं है। आज पुरूषों को यह बात समझने की आवश्यकता है कि पुरूष और स्त्री इस सृष्टि के दो पहिए हैं, जहां एक के अभाव में दूसरे की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। आज सशक्त समाज के निर्माण में बेटियों की, या यूं कहें की महिलाओं की भागीदारी अति आवश्यक है तो यह बात कहना कतई गलत नहीं होगी। आज सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसी क्रम में महिलाओं को प्रत्यक्ष रूप से सशक्त बनाने के लिए 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसे सरकार के अनेक कार्यक्रम सही दिशा में बढ़ते हुए कदम हैं।

कोल्हापुर का महालक्ष्मी मंदिर है 2 हजार साल पुराना

अरबों के दुर्लभ खजाने से भरा पड़ा है

मुंबई से लगभग 400 किलोमीटर दूर कोल्हापुर महाराष्ट्र का एक जिला है, जहां धन की देवी लक्ष्मी का एक सुंदर मंदिर बना है। इस जगह पर देवी लक्ष्मी को अम्बा जी के नाम पुकारा जाता है। इस मंदिर के इतिहास के बारे में बात करे तो मान्यता के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण चालुक्य शासक कर्णदेव ने 7वीं शताब्दी में करवाया था।

इसके बाद इस मंदिर का पुनर्निर्माण शिलहार यादव ने 9वीं शताब्दी में करवाया था। इस मंदिर में कोंकण के राजाओं, चालुक्य राजाओं, शिवाजी और उनकी मां जीजाबाई तक ने चढ़ावा चढ़ाया है।

ज्ञात होकि कुछ साल पहले जब इस मंदिर के खजाने का द्वार खोला गया तो यहां सोने, चांदी और हीरों के ऐसे आभूषण सामने आए जिसकी बाजार में कीमत अरबों रुपए में हैं।

मंदिर के खजाने से सोने के सिक्कों का हार, सोने की जंजीर, सोने की बड़ी गदा, चांदी की तलवार, महालक्ष्मी का स्वर्ण मुकुट, सोने की चिड़िया, सोने के घुंघरू, श्रीयंत्र हार, हीरों की कई मालाएं जैसे बड़े जेवरात प्राप्त हुए थे।

मंदिर का इतिहास है इतना पुराना

कोल्हापुर का इतिहास हिन्दू धर्म से जुडा हुआ है और इसी वजह से ये जगह धर्म की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण मानी गई है। मंदिर के बाहर लगे शिलालेख से बताया जाता है कि ये मंदिर 2 हजार साल पुराना है। शालिवाहन घराने के राजा कर्णदेव ने पहली बार इसका निर्माण करवाया था। इसके बाद मंदिर के अहाते में 30-35 अन्य मंदिरों का भी निर्माण किया गया।

आपको बता दें कि 27 हजार वर्गफुट में फैला यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में शुमार होता है। जगत गुरु आदि शंकराचार्य ने महालक्ष्मी की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की थी। इस मंदिर के काले पत्थरों पर कमाल की नक्काशी हजारों साल पुराने भारतीय स्थापत्य को दर्शाती है। मंदिर के मुख्य गर्भगृह में महालक्ष्मी हैं, उनके दाएं-बाएं दो अलग गर्भगृहों में महाकाली और महासरस्वती के विग्रह बने हैं।

पश्चिम महाराष्ट्र देवस्थान व्यवस्थापन समिति के प्रबंधक धनाजी जाधव नौ पीढ़ियों से मंदिर की देखरेख कर रहे हैं।

उनके मुताबिक यह देवी की 51 शक्तिपीठों में से एक है। वही दिवाली की रात दो बजे मंदिर के शिखर पर दीया रोशन होता है, जो अगली पूर्णिमा तक नियमित रूप से जलता रहता है।

बता दें कि महालक्ष्मी मंदिर के मुख्य गर्भगृह में मां लक्ष्मी की 40 किलो की प्रतिमा स्थापित है। इस मूर्ति की लंबाई दो फीट नौ इंच है। यह करीब 7,000 वर्ष पुरानी है। मूर्ति में महालक्ष्मी की 4 भुजाएं हैं। इनमें महालक्ष्मी के हाथ में तलवार, गदा, ढाल आदि शस्त्र हैं। उनके मस्तक पर शिवलिंग, नाग और पीछे शेर है। घर्षण की वजह से माता की मूर्ति को नुकसान न हो इसलिए चार साल पहले औरंगाबाद के पुरातत्व विभाग ने मूर्ति पर रासायनिक प्रक्रिया की थी। इससे पहले 1955 में भी यह रासायनिक लेप मूर्ति पर लगाया गया था। महालक्ष्मी की पालकी सोने की है। इसमें 26 किलो सोना लगा है। ज्ञात होकि हर नवरात्रि के उत्सव काल में माता जी की शोभा यात्रा कोल्हापुर शहर में निकाली जाती है। प्राचीनतम इस लक्ष्मी मंदिर की काफी मान्यता मानी जाती है।

मुंडेर पर इन 7 पक्षियों का बैठना होता है शुभ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार घर की छत या मुंडेर पर कुछ पक्षियों का अचानक से आकर बैठ जाना और आवाज निकालना शुभ होता है और कुछ का अशुभ होता है। इस बात का उल्लेख हमें शकुन अपशकुन शास्त्र और समुद्रिक शास्त्र में भी मिलता है।

1. कौआ : सुबह-सबेरे मुंडेर पर कौआ बोले तो यह प्रिय व्यक्ति के आगमन का संकेत है। पूर्व की ओर मुंह करके बोले तो कोई प्रभावशाली व्यक्ति आता है। उत्तर की ओर मुंह करके बोले तो धनवान व्यक्ति आता है।

2. चिडिया : कहते हैं कि आपके घर में या बालकनी में चिढ़ियां अपना घोसला बनाकर रहने लगे तो समझों की आपके घर में खुशियों की शुरुआत हुई। हर तरह का संकट हट जाता है और घर के सभी सदस्यों का चित्त प्रसन्न रहने लगता है।

3. कबूतर : यदि घर की छत या मुंडेर के ऊपर बैठा कबूतर बोलता है तो ये और भी ज्यादा शुभ होता है।

4. तोता : कहीं से उड़ते हुए आपके घर में या घर की मुंडेर पर तोता आपकर बैठ जाए तो यह धन लाभ का शुभ संकेत है।

5. मुर्गा : आपके घर के आसपास या घर की छत पर मुर्गे की आवाज सुनाई देती है तो आपकी पुराने मित्रों से मुलाकात होने वाली है।

6. उल्लू : यदि आपके घर में या घर के आस-पास आपको उल्लू दिखाई देता है तो इसका संकेत है कि आपके साथ कुछ शुभ होने वाला है।

7. नीलकंठ : यदि आपकी घर की छत पर या मुंडेर पर नीलकंठ पक्षी दिखाई दे तो यह बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है।

गौतम बुद्ध के घर-गृहस्थी त्यागने के बाद कहां गई उनकी पत्नी और बेटा?

मर्जी के खिलाफ हुआ था बुद्ध का विवाह

बता दें, गौतम बुद्ध का विवाह राजकुमारी यशोधरा से हुआ था। इस दौरान यशोधरा केवल 16 साल की थी। कहा जाता है कि गौतम बुद्ध शादी नहीं करना चाहते थे, हालांकि उनके पिता की मर्जी के आगे उनकी एक न चली। इसके बाद उनका यशोधरा से विवाह कर दिया। इसी दौरान गौतम बुद्ध अपनी पत्नी के साथ कुछ सालों तक रहे और यशोधरा ने बेटे को जन्म दिया, लेकिन जिस रात यशोधरा ने अपने बेटे को जन्म दिया उसी रात गौतम बुद्ध अपना राज महल छोड़कर बाहर चले गए।

जिस तरह से वह अपना घर और मोह माया छोड़ कर आए थे उसके बाद वह कभी भी अपने शादीशुदा जीवन में नहीं लौटे। ऐसे में पति के ना लौटने के कारण यशोधरा ने भी भिक्षुओं जैसा साधारण जीवन जीना शुरु कर दिया था। बेटे के पालन पोषण के लिए गौतम बुद्ध की पत्नी एक संत की तरह जीने लगी थी। इस दौरान उन्होंने अपने सारे आभूषणों को त्याग दिया था। मूल्यवान कपड़ों की जगह वह साधन से पीले वस्त्र पहनने लगी थी और दिन में केवल एक ही बार भोजन करती थी।

मोह-माया में नहीं आना चाहते थे बुद्ध

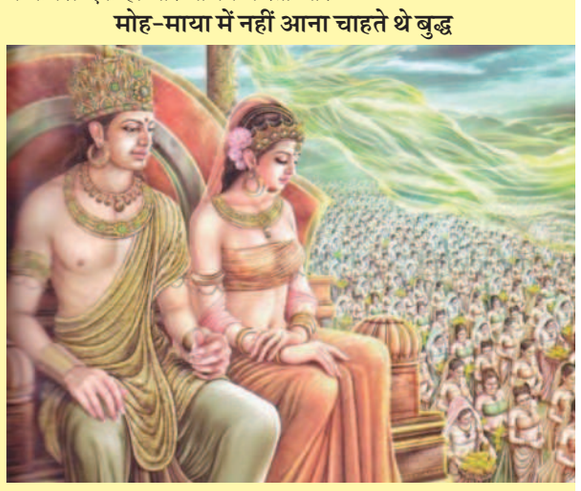

कहा जाता है कि, शादी से पहले बुद्ध का पूरा ध्यान अध्यात्मिक की ओर था। ऐसे में जब उनकी शादी हुई तो वह इसके खिलाफ रहे। हालांकि पिता की मर्जी से उन्होंने शादी रचा ली लेकिन जब उनके बेटे का जन्म हुआ तो इस दौरान वह काफी घबरा गए और उन्हें बहुत पीड़ा हुई जिसके बाद उन्होंने अपना घर-गृहस्थी को त्याग दिया।

कहते हैं कि जब बुद्ध ने अपना घर छोड़ा तो उन्हें पत्नी और बेटे की बहुत याद आती थी, लेकिन वह मोह माया से बाहर निकलना चाहते थे। ऐसे में वह घर भी नहीं लौटे क्योंकि उन्हें मालूम था कि यदि वह फिर से घर लौट जाएंगे तो दोबारा मोह माया में पड़ जाएंगे जिसके बाद उन्होंने घर ना लौटने का फैसला ले लिया। इस दौरान उन्होंने ज्ञान की प्राप्ति की।

भिक्षुणी बनकर गुजार दिया जीवन

जब कुछ साल बाद बुद्ध अपने बेटे और पत्नी से मिलने के लिए आए तो यशोधरा ने उनसे मिलने के लिए इंकार कर दिया। इस दौरान यशोधरा उनसे नाराज रही। दरअसल, पिता धर्म ना निभाने के कारण उनकी खूब आलोचना भी की। हालांकि बुद्ध यह सब शांति से सुनते रहे। इसके बाद यशोधरा ने बुद्ध का स्वागत भी किया, फिर वापस बुद्ध अपनी पुरानी दुनिया में लौट गए।

वहीं यशोधरा भिक्षुणी का जीवन गुजारती रही। इसके बाद जब उनका बेटा बड़ा हुआ तो वह भी भिक्षु बन गया। जब बुद्ध को ढेर सारा ज्ञान प्राप्त हो गया तो वह 'गौतम बुद्ध' के नाम से कहलाने लगे जबकि उनकी पत्नी 'गौतमी' के नाम से पहचाने गई। इसके कुछ दिन बाद गौतमी इस दुनिया को अलविदा कह गई। वहीं 2 साल बाद उनके पति बुद्ध ने भी दम तोड़ दिया।

1 लाख वानरों के साथ रावण से लड़े थे श्री राम

श्री राम को अयोध्या का राज मिलने जा रहा था लेकिन माता कैकयी के एक वरदान के चलते प्रभु को 14 सालों का वनवास झेलना पड़ा। हालांकि जब वे वनवास पूर्ण कर लौटे तो वे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम कहलाए। वनवास के दौरान प्रभु ने कई मुसीबतों और परेशानियों का सामना किया। 14 साल के वनवास के दौरान ही प्रभु श्री राम और माता जानकी बिछड़ भी गए थे। साधु के भेष में आए रावण ने माता सीता का हरण कर लिया था ओर उन्हें अपने साथ लंका लेकर चले गया। छोटे भाई लक्ष्मण जी के साथ श्री राम ने माता की काफी खोज की लेकिन उनका कोई पता नहीं चला।

माता सीता का पता लगाया भगवान श्री राम के अनन्य भक्त हनुमान जी महाराज ने। पहले वे अकेले समुद्र लांघकर लंका गए और श्री राम की अंगूठी माता सीता को देकर आए। इसके बाद वे वापस आ गए। फिर श्री राम, लक्ष्मण जी और हनुमान जी लंका के राजा रावण से युद्ध के लिए चल पड़े।

बता दें कि श्री राम, लक्ष्मण जी और हनुमान जी के साथ ही रावण के खिलाफ युद्ध का हिस्सा एक बड़ी सी वानर सेना भी बनी थी। वाल्मीकि रामायण में इस बात का उल्लेख मिलता है। वानर सेना ने प्रभु राम के साथ युद्ध में हिस्सा लिया। लेकिन प्रश्न यह है कि श्री राम को रावण के खिलाफ यिद्ध में मिली विजय के बाद इस वानर सेना का क्या हुआ ? यह वानर सेना कहां चली गई ? इस बात का उल्लेख कम ही मिला है। इसी सेना की मदद से भगवान राम ने रामेश्वर में समंदर पर सेतु का निर्माण किया था।

रावण के खिलाफ युद्ध में श्री राम के पास एक विशाल सेना थी। कहा जाता है कि इसमें वानरों की संख्या करीब एक लाख थी। इसे प्रभु राम ने ही दीक्षित किया था। यह बड़ी सी वानर सेना कहां गई इसका जिक्र कहीं नहीं किया गया है। लेकिन वानर सेना के नेतृत्व कर्ताओं को लेकर बातें होती रही है। इसमें सुग्रीव, अंगद, नल और नील जैसे महान एवं पराक्रमी योद्धा थे।

युद्ध के बाद सुग्रीव को किष्किन्धा का राजा बनाया गया था। किष्किंधा आज भी कर्नाटक में तुंगभद्रा नदी के किनारे बेल्लारी जिले में स्थित है। किष्किंधा में कई स्थानों पर बड़ी-बड़ी गुफाएं है। कहा जाता है कि यहां पर वनवास के दौरान श्री राम और लक्ष्मण रुके थे। इन गुफाओं में वानर साम्राज्य था। वनारों के साथ भगवान राम ने समय व्यतीत किया था। सुग्रीव तब किष्किंधा के राजा बनाए गए तो वहीं इसके युवराज बने थे बालि के पुत्र अंगद। वहीं नल और नील जैसे पराक्रमी वानर योद्धा सुग्रीव के राज्य में मंत्री के रुप में कार्यरत थे। बताया जाता है कि इन बड़े योद्धाओं के साथ कई वानर सालों तक रहे। इसके आगे का उल्लेख या जिक्र कहीं नहीं किया गया।

एक लाख की संख्या वाली वानर सेना किष्किंधा ,कोल ,भील ,रीछ और वनों में रहने वाले रहवासियों से मिलकर तैयार की गई थी। अलग-अलग राज्यों से मिलकर तैयार हुई यह सेना युद्ध में जीत के बाद पुनः अपने-अपने राज्यों के अधीन हो गई थी।

इस तारीख में पैदा हुए लोग होते हैं लकी

मां लक्ष्मी की रहती है खास कृपा

दोस्तों आप ने एक बात नोटिस की होगी कि जब भी हम कड़ी मेहनत करते हैं तो भी हमे कभी-कभी मनचाहा फल नहीं मिलता है। वहीं कुछ लोगों को बिना किसी खास मेहनत के बहुत कुछ हासिल हो जाता है। ऐसे में क्या आप ने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है? आज हम आपको इसका राज बताने जा रहे हैं। दरअसल ये सब भाग्य का खेल होता है। कुछ लोग जन्म से बड़े लकी होते हैं। उनकी कुंडली में मौजूद ग्रह और सितारें हमेशा उनकी किस्मत चमकाने में साथ देते हैं। इसलिए उन्हें बिना मांगे ही सबकुछ मिल जाता है।

इस तारीख में पैदा हुए लोग होते हैं लकी आपको जान हैरानी होगी कि कुछ खास तारीखों में जन्में लोगों का भाग्य बड़ा अच्छा होता है। जैसे मूलांक 1 वाले लोग बड़े लकी होते हैं। मूलांक 1 यानि **1, 10, 19 और 28** तारीख में जन्में लोग बड़े किस्मत वाले होते हैं। इस राशि के लोगों का भाग्य जन्म से ही चमकता है। मतलब भगवान का आशीर्वाद इनके ऊपर हमेशा बना रहता है। इनकी किस्मत इतनी अच्छी होती है कि ये जिस भी काम में हाथ डालते हैं उसमें इन्हें सफलता ही मिलती है। उनका यह काम बिना किसी देरी के और जल्दी सम्पन्न हो जाता है।

इन तारीखों में जन्म लेने वाले लोग लाइफ में खुद तरक्की करते हैं। यह आम लोगों की तुलना में जल्दी सफलता की सीढ़ी चढ़ते हैं। इन्हें बिना मांगे ऊपरवाला सबकुछ दे देता है। ये लाइफ में बहुत कम स्ट्रगल करते हैं। इनका नेचर भी बड़ा अच्छा होता है। ये ईमानदार होते हैं। कभी किसी को धोखा नहीं देते हैं। भगवान में विश्वास रखते हैं। दान धर्म में भी रुचि रखते हैं। इन्हें दूसरों की मदद करना बड़ा पसंद होता है। इसलिए भगवान भी इनका हर दम साथ देता है। ये सबके साथ मिल जुलकर रहते हैं। समाज में इनकी बहुत इज्जत होती है।

मां लक्ष्मी की रहती है खास कृपा

1, 10, 19 और 28 तारीख में जन्म लेने वाले जातकों के ऊपर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहती है। इन्हें बिना मांगे पैसा मिल जाता है। उनके अंदर कमाई करने का जबरदस्त हुनर होता है। यह कम पैसे को डबल करने का हुनर भी रखते हैं। ये लोग फिजूल खर्ची नहीं करते हैं। इनके अंदर पैसा सेव करने की आदत होती है। इन बातों के चलते ये जल्दी अमीर बनते हैं। इनका दिमाग भी बड़ा तेज होता है। खासकर पैसों के मामले में ये बड़ा सोच समझकर कदम रखते हैं। कम संसाधनों में भी बहुत कुछ बड़ा कर लेते हैं।

तो अब आप अच्छे से जान चुके हैं कि किस तारीख में जन्म लेने वाले लोग इतने लकी होते हैं। यदि आप या आपका कोई जान पहचान वाला भी इस तारीख में जन्म लेता है तो आप यह जानकारी उसके साथ शेयर कर सकते हैं। इस तरह वह भी जान जाएगा कि वह कितना लकी है। इसके अलावा आप इसी तारीख में पैदा हुए व्यक्ति को अपना जीवनसाथी भी बना सकते हैं। इससे उसके साथ साथ आपका भाग्य भी चमक जाएगा।

जब मैग्जीन कवर पर छपी इन सितारों की बोल्ड और टॉपलेस फोटोज, जमकर हुआ था विवाद

बॉलीवुड के सितारे अपनी फिल्मों के अलावा अपने फोटोशूट के लिए जाने जाते हैं। कभी वह अतरंगी फोटोशूट कराते हैं तो कभी बोल्ड लिबास में फोटोशूट कराते नजर आते हैं। ये सेलेब्स मैग्जीन्स के लिए फोटेशूट कराते भी नजर आते हैं। वहीं कुछ मैग्जीन ऐसी भी हैं, जिनके कवर पेज पर आना सितारे बड़ी सफलता मानते हैं। वहीं कुछ फोटोज ऐसी हैं, जिनके मैग्जीन के कवर पेज पर छपने के बाद जमकर कन्ट्रोवर्सी हुई थी, तो चलिए आपको उन फोटोज के बारे में बताते हैं।

ममता कुलकर्णी

फिल्मों में ममता कुलकर्णी का सफर ज्यादा लंबा नहीं रहा है, हालांकि यह सफर जितना भी रहा है वह उसकी वजह से सुर्खियों में खूब रही हैं। दरअसल, अपने छोटे से करियर में ममता कुलकर्णी अपने अभिनय से ज्यादा फिल्मों में अपने बोल्ड किरदार को लेकर के खबरों में रही थीं। ममता कुलकर्णी अपने एक फोटोशूट को लेकर के काफी खबरों में रही थीं। साल 1993 में ममता कुलकर्णी ने एक मैग्जीन के लिए टॉपलेस फोटो शूट कराया था जिसकी वजह से वो खबरों में आ गई थीं। इस तस्वीर में ममता ने अपने ब्रेस्ट को हाथों से ढंक रखा था। उस वक्त पर यह फोटो काफी बोल्ड थी और इस पर काफी विवाद भी हुआ था।

कंगना रणौत

बॉलीवुड की धाकड़ गर्ल कंगना रनौत भी इस तरह का एक फोटोशूट करवा चुकी हैं। बता दें कि कंगना रनौत ने साल 2007 में टॉपलेस होकर एक फैशन मैगजीन के लिए पोज दिया था। कंगना की ये तस्वीर भी का फी विवादों में घिरी थीं।

रेखा

रेखा अपने जमाने की दमदार अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। उनकी खूबसूरती देखते ही बनती है। आज भी जब वह नई एक्ट्रेस के सामने आ जाती हैं तो सभी को मात देती हैं। रेखा भी अपने जमाने में इस तरह का बोल्ड फोटोशूट करवा चुकी हैं। रेखा ने साल 1978 के जनवरी महीने में फिल्म मैग्जीन मिरर के कवर के लिए एक न्यूड पोज दिया था। रेखा की इस तस्वीर को देखकर हर कोई हैरान हो गया था।

पूजा भट्ट

पूजा भट्ट अपने समय की एक जानी मानी अभिनेत्री रही हैं। उनकी खूबसूरती का पूरा बॉलीवुड कायल था, लेकिन पूजा भट्ट और उनके पिता महेश भट्ट की एक तस्वीर से काफी बवाल मचा था। दरअसल इस तस्वीर में पूजा भट्ट और महेश भट्ट एक दूसरे को किस करते नजर आए थे। इस तस्वीर की वजह से लोगों ने मैगजीन का भी खूब विरोध किया था।

हाई सिक्योरिटी के बीच सलमान से मिलने पहुंचा नन्हा फैन : एक्टर ने गले से लगाया, फैंस बोले- ये हुई ना भाई वाली बात

हाल ही में मिली धमकियों के बाद सलमान खान की सिक्योरिटी और बढ़ा दी गई है। हालांकि, इसी बीच गुरुवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर एक बच्चा उनकी हाई सिक्योरिटी के बावजूद उन तक पहुंच गया। सभी जानते हैं कि सलमान को बच्चों से खासा लगाव है। ऐसे में जब उन्होंने उस बच्चे को अपनी ओर आते देखा तो वे रुक गए और उसे मुस्कुराते हुए गले लगाया। सलमान आईफा 2023 के लिए अबूधाबी जा रहे थे।

बच्चे को आता देख रुक गए सलमान

वीडियो में मुंबई एयरपोर्ट पर एक बच्चा भागता हुआ सलमान से मिलने के लिए उनकी तरफ आ रहा है। जैसे ही एक्टर ने उसे नोटिस किया तो वे रुक गए और अपनी टीम को भी रोक लिया ताकि वह बच्चा उन तक पहुंच सके। उन्होंने उस बच्चे से पहले हाथ मिलाया और फिर उसे बड़े ही प्यार से गले लगाया। इस इंसीडेंट के अलावा सलमान के नए लुक ने भी फैंस को आकर्षित किया। सलमान यहां ब्लैक जींस और टी-शर्ट के साथ लैदर जैकेट में नजर आए।

फैंस को भाई सलमान की जिंदादिली

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और फैंस सलमान की जिंदादिली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'ये हुई न भाई वाली बात'। वहीं एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'क्या कमाल के आदमी हो आप'। इसके अलावा कई फैंस कमेंट सेक्शन में सलमान के लुक की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में सलमान फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' रिलीज हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया था। उनकी अगली फिल्म 'टाइगर 3' है जिसमें वे इमरान हाशमी और कटरीना कैफ के साथ नजर आएंगे। यह फिल्म इस साल 10 नवंबर को रिलीज होगी। इसमें शाहरुख खान भी कैमियो रोल में होंगे।

किरदारों में दोहराव पसंद नहीं करते कुणाल खेमू, बताई यह वजह

अभिनेता कुणाल खेमू आज 40 वर्ष के हो गए हैं। बता दें कि एक्टर बीते करीब तीन दशक से फिल्म इंडस्ट्री में हैं। कुणाल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत बतौर बाल कलाकार वर्ष 1987 में आए दूरदर्शन के टीवी शो 'गुल गुलशन गुलफाम' से की थी। इसके बाद वह 1993 में महेश भट्ट की फिल्म 'सर' में नजर आए। इसके अलावा वह 'गो गोवा गॉन', 'गोलमाल अगेन' और 'कलंक' जैसी फिल्मों में नजर आए। हाल ही में एक्टर ने अपने करियर पर बात की।

कर रहे निर्देशन में डेब्यू

अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाने के बाद कुणाल अब निर्देशक की कुर्सी संभालने जा रहे हैं। वह फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' के जरिए निर्देशन का जिम्मा संभाल रहे हैं। कुणाल ने घंटों इस फिल्म की एडिटिंग में बिताए हैं। बता दें कि इस फिल्म में नोरा फतेही, दिव्येंदु शर्मा और प्रतीक गांधी जैसे सितारे नजर आएंगे।

नए एक्टर्स को दी सलाह

अपने काम और करियर पर बात करते हुए हाल ही में कुणाल खेमू ने नए स्टार्स को एक सलाह दी है। उन्होंने बताया कि कोई प्रोजेक्ट पसंद न आने पर उसके लिए इनकार किस तरह किया जाना चाहिए। एक्टर का कहना है कि, 'इसके लिए आपको सही शब्दों का चयन करना होगा, क्योंकि कोई भी 'ना' नहीं सुनना चाहता है। हालांकि, अगर यह सही जगह से आता है, तो वे लोग इसे समझेंगे।'

दोहराव से बचते हैं कुणाल

कॉमेडी फिल्में करने के बाद कुणाल ने अचानक 'कलंक' और 'मलंग' जैसी फिल्में करनी शुरू कीं। उनसे जब पूछा गया कि क्या कॉमिक स्पेशलिस्ट बनने और टाइपकास्ट होने की वजह से उन्होंने ऐसा किया? इस पर एक्टर ने जवाब दिया कि एक जैसी भूमिकाओं को दोहराने से बचने के लिए उन्होंने यह फैसला लिया। कुणाल ने कहा, 'यह नहीं था कि मैं टाइपकास्ट हो जाऊंगा, बल्कि यह था कि मेरे किरदार में दोहराव होगा। मुझे अलग-अलग किरदारों की जरूरत होती है, उससे प्रेरणा मिलती है। इसके लिए मैं कुछ वक्त ब्रेक लेकर कमबैक भी कर सकता हूं।'

अदा शर्मा

विवादित फिल्म 'द केरल स्टोरी' में काम करने की वजह से ट्रोल्स के निशाने पर

अदा शर्मा का मोबाइल नंबर हुआ लीक और मिल रहीं धमकियां

अभिनेत्री अदा शर्मा इन दिनों फिल्म 'द केरल स्टोरी' को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। मगर, दूसरी तरफ यह फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही विवादों में भी घिरी हुई है। फिल्म को लेकर छिड़े विवाद और बहस का असर एक्ट्रेस अदा की निजी जिंदगी पर भी पड़ता दिख रहा है। अभिनेत्री का फोन नंबर और निजी डिटेल्स लीक हो गई हैं। इतना ही नहीं, उन्हें धमकियां भी मिल रही हैं। इस पूरे मामले पर हाल ही में अदा शर्मा ने प्रतिक्रिया दी है।

विवादित फिल्म 'द केरल स्टोरी' में काम करने की वजह से अदा शर्मा ट्रोल्स के निशाने पर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक यूजर ने इंस्टाग्राम पर अदा शर्मा का फोन नंबर लीक कर दिया है। यूजर ने धमकी भी दी कि अगर अब उनके पास मुस्लिम के खिलाफ कोई फिल्म आती है तो वह उसे रिजेक्ट कर दें। इस पर अब अदा शर्मा का गुस्सा फूटा है।

अदा का फोन नंबर उनकी मॉर्फ्ड तस्वीरों के साथ ऑनलाइन लीक हो गया है। जिसने भी यह हरकत की है उसके खिलाफ अदा कानूनी एक्शन लेने की योजना बना रही हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि अचानक उन्हें ढेर सारे कॉल और मैसेज आने लगे। इनमें धमकीभरे कॉल भी थे, इसके बाद उन्हें नंबर लीक होने की भनक लगी। एक मीडिया संस्थान के साथ बातचीत में अदा ने कहा है कि वह अपना नंबर बदल रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे भी उन लड़कियों की तरह महसूस हो रहा है, जिसकी एडिट की हुई तस्वीर और नंबर लीक हो जाता है। यह उस व्यक्ति की विकृत मानसिकता को दर्शाता है, जो इतना नीचे गिर जाएगा और ऐसा करने में उसे मजा आएगा।

यह मुझे 'द केरल स्टोरी' का एक सीन याद दिलाता है, जिसमें एक लड़की को उसका नंबर लीक करके परेशान किया जाता है।' बता दें कि सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी 'द केरल स्टोरी' पांच मई को रिलीज हुई थी और अब तक बॉक्स ऑफिस पर जमकर चांदी कूट रही है। यह फिल्म अब तक 210.17 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है।

60 साल के एक्टर आशीष विद्यार्थी ने असम की रुपाली बरुआ से की शादी

बॉलीवुड के फेवरेट विलेन आशीष विद्यार्थी ने 60 साल की उम्र में असम की रुपाली बरुआ से ब्याह रचाया है. आशीष ने रुपाली से गुरुवार को रजिस्टर्ड शादी की है. ये एक्टर की दूसरी शादी है. आशीष 11 से ज्यादा भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुके हैं. वह सालों से फिल्मी दुनिया का हिस्सा हैं. आशीष और रुपाली की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छा गई हैं.

गुरुवार को कोलकाता में हुई इस शादी में उनके परिवार और करीबी मित्र ही शामिल हुए हैं. जानकारी के अनुसार शादी के बाद अब ये जोड़ी दोस्तों-रिश्तेदारों के लिए रिसेप्शन पार्टी रखेगी. आशीष की दुल्हनिया की बात करें तो वह असम में फैशन इंडस्ट्री से जुड़ी हैं. जानकारी के अनुसार वह एक फैशन स्टोर की मालकिन हैं.

आशीष की रुपाली से ये दूसरी शादी है.

रुपाली से पहले आशीष ने एक्ट्रेस राजोशी विद्यार्थी से शादी की थी. राजोशी प्रसिद्ध एक्ट्रेस, सिंगर और थिएक्टर आर्स्टिस्ट हैं. वहीं आशीष की बात करें तो वह हिंदी सिनेमा समेत 11 भाषाओं में 200 से ज्यादा फिल्मों में नजर आए हैं. वह तमिल, कन्नड़, मलयालम, अंग्रेजी भाषाओं की फिल्मों में नजर आ चुके हैं.

आशीष विद्यार्थी को 'बिच्छू', 'जिद्दी', 'अर्जुन पंडित', 'वास्तव', 'बादल' जैसी कई फिल्मों में नेगेटिव रोल में देखा गया है. हाल ही में एक्टर अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'गुडबाय' में भी नजर आए हैं. पिछले कुछ समय से एक्टर सोशल मीडिया काफी एक्टिव हैं और फूड ब्लॉगिंग भी करते हैं।

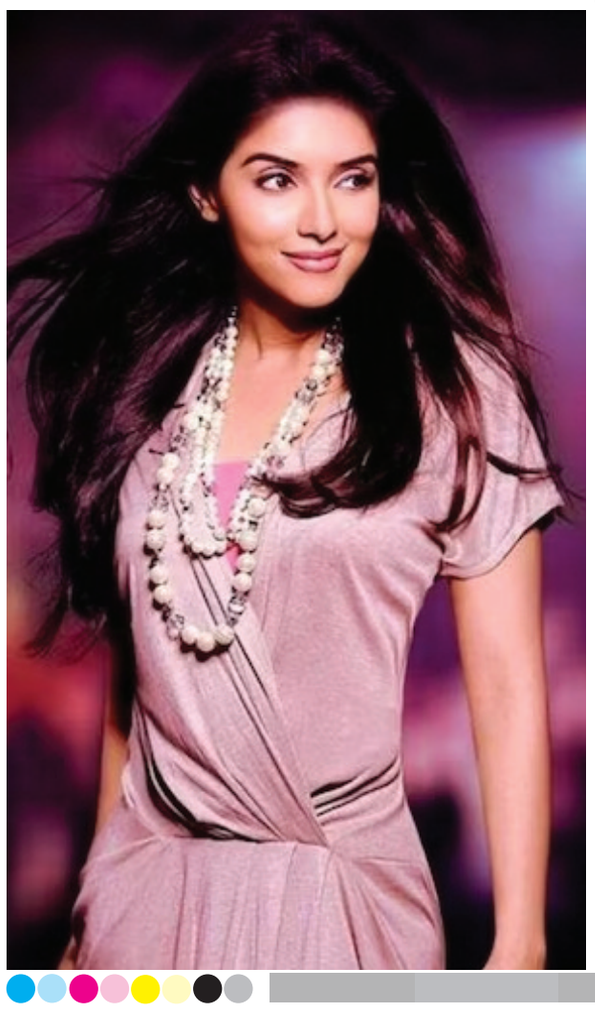

आमिर की वजह से गजनी मूवी में असिन को चुना, निर्माताओं की पहली पसंद प्रियंका चोपड़ा थी

आमिर खान की सबसे पसंदीदा फिल्म गजनी में से एक, जो साल 2008 में रिलीज हुई थी. फिल्म को दर्शकों के हर वर्ग ने बेहद पसंद किया गया था. फिल्म को इसकी अद्भुत कहानी कहने, खूबसूरत लव स्टोरी, बदले की भावना और इसके म्यूडिक के लिए पसंद किया गया था और आज तक जब हम इस फिल्म को देखते हैं तो हम इसे फिर से देखना पसंद करते हैं. इसमें न सिर्फ आमिर बल्कि असिन ने भी अपना बेहतरीन परफोर्मेंस दिया है जो अब ग्लैमर इंडस्ट्री से दूर हो चुकी हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि असिन से पहले ये फिल्म देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा को ऑफर हुई थी, तो फिर क्या वजह रही होगी कि वे इस फिल्म को नहीं कर सकीं. हम अभिनेत्री असिन को कैसे भूल सकते हैं जिन्होंने गजनी फिल्म से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी और कल्पना बनकर उन्होंने प्रशंसकों से खूब प्यार बटोरा. हालांकि, वे इस फिल्म की पहली पसंद नहीं थीं. जी हां आपने सही सुना! दरअसल, गजनी के निर्माता प्रियंका चोपड़ा को फिल्म में लेना चाहते थे लेकिन आमिर खान को ओरिजनल फिल्म में असिन का अभिनय बेहद पसंद आया और वे चाहते थे कि वही एक्ट्रेस इसके हिंदी रीमेक का भी हिस्सा बने.

वैसे प्रियंका चोपड़ा भी एक शानदार एक्ट्रेस हैं लेकिन आमिर खान को लगता था कि असिन ही तमिल की तरह इसके हिंदी वर्जन के लिए भी बेहतरीन साबित हो सकती हैं. लिहाजा असिन मिस्टर परफेक्शनिस्ट की उम्मीदों पर खरी उतरीं और फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई. वैसे हम जब हम फिल्म देखते हैं तो निश्चित रूप से कह सकते हैं कि फिल्म में कल्पना के किरदार के लिए असिन से बेहतर कोई और नहीं हो सकता है. जानकारी के लिए आपको बता दें कि जब निर्देशक ने आमिर खान को लीड रोल के लिए गजनी ऑफर की थी तब उन्होंने सलमान खान का नाम भी अप्रोच किया था. हालांकि, एआर मुर्गन ने आमिर को भी राजी किया.

इन 5 फिल्मों से लगा... खत्म होने वाला है शाहरुख खान का करिअर, फिर आई 1 ऐसी फिल्म, जिसने बना डाला सुपरस्टार

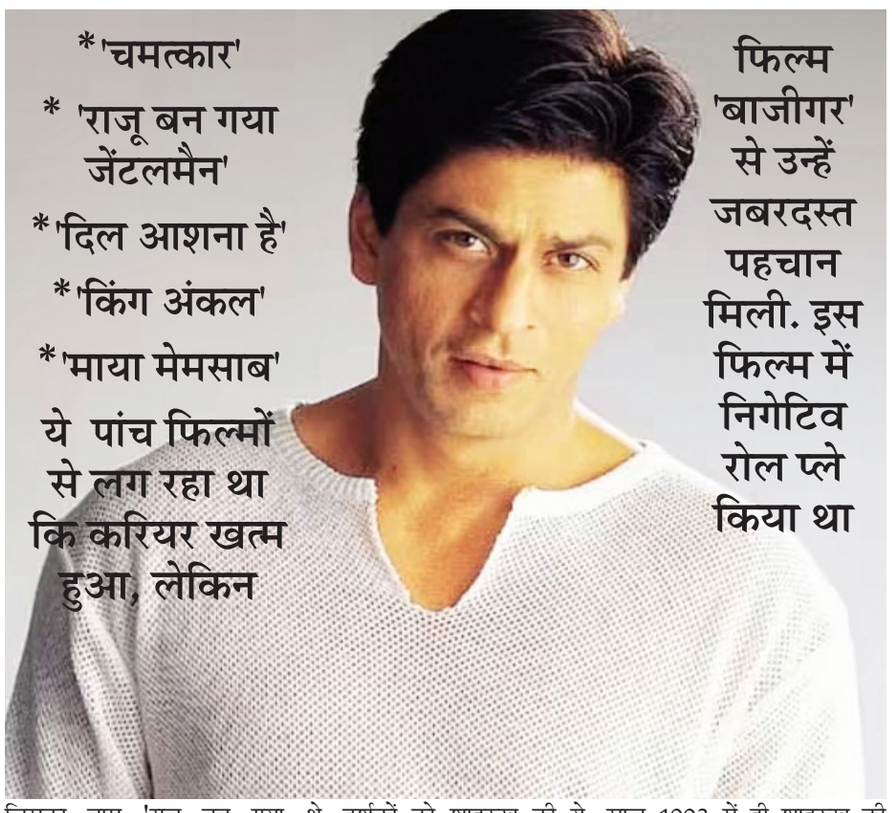

बॉलीवुड के 'बादशाह' शाहरुख खान पिछले 31 सालों से लगातार फिल्मों में काम करते नजर आ रहे हैं. इसी साल उन्होंने 4 साल बाद पर्दे पर धमाकेदार वापसी की. जनवरी में रिलीज हुई शाहरुख की फिल्म 'पठान' ने कमाई के मामले में बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा.

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के चाहने वालों की कमी नहीं है. उन्होंने अपने शानदार अभिनय से दुनियाभर में जबरदस्त पहचान बनाई है. साल 1992 में आई फिल्म 'दीवाना' से बॉलीवुड में कदम रखने वाले शाहरुख आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी है.

उनकी पहली फिल्म तो हिट हुई थी, लेकिन उसके बाद से उन्हें लगातार 5 ऐसी फिल्में मिलीं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छे प्रदर्शन नहीं कर पाईं. उस वक्त ऐसा लग रहा था कि शायद शाहरुख का करिअर शुरू होने से पहले ही खत्म होने वाला है, लेकिन शाहरुख की मेहनत ऐसे कैसे बर्बाद हो जाती.

फिल्म 'दीवाना' के बाद शाहरुख ने उसी साल 1992 में एक और फिल्म में काम किया, जिसका नाम था 'चमत्कार', इस फिल्म में उनके साथ नसीरुद्दीन शाह भी थे, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो यह फिल्म चल नहीं पाई थी. उसके बाद उसी साल उनकी एक और फिल्म आई, जिसका नाम 'राजू बन गया जेंटलमैन' था. इस फिल्म में उनके साथ नाना पाटेकर भी नजर आए थे, लेकिन इस फिल्म से भी शाहरुख को वह पहचान नहीं मिल पाई, जिसके लिए वह लगातार कड़ी मेहनत कर रहे थे.

उसके बाद साल 1992 में ही शाहरुख की तीसरी फिल्म आई, जिसका नाम था 'दिल आशना है'. इस फिल्म में शाहरुख दिग्गज अभिनेता जितेंद्र के साथ नजर आए थे. दर्शकों को शाहरुख की ये फिल्म भी पसंद नहीं आई थी. उसके बाद, साल 1993 में शाहरुख की चौथी फिल्म 'किंग अंकल' और पांचवीं फिल्म 'माया मेमसाब' आई और ये दोनों फिल्में भी पीट गईं.

इसके बाद तो मानो ऐसा लग रहा था कि शाहरुख का करिअर अब खत्म होने वाला है, तभी शाहरुख के हाथ एक ऐसी फिल्म लगी, जिससे वह चमकने लगे. साल 1993 में ही शाहरुख की फिल्म 'बाजीगर' आई और इस फिल्म से उन्हें जबरदस्त पहचान मिली. इस फिल्म में उन्होंने निगेटिव रोल प्ले किया था. वहीं, उसी साल के अंत में शाहरुख ने तो बॉलीवुड में हंगामा मचा दिया. साल 1993 के दिसंबर में उनकी फिल्म आई 'डर' जिसे लोगों ने काफी पसंद किया और रिलीज के साथ यह ब्लॉकबस्टर हुई और शाहरुख रातोंरात बन गए

नितेश पांडे के निधन पर यकीन नहीं कर पा रही 'अनुपमा'

जल्द मिलने का था प्लान, बोलीं- 'मेरा तो सबकुछ...'

'अनुपमा' फेम नितेश पांडे दुनिया को 51 साल की उम्र में अलविदा कह गए. नितेश पांडे का निधन कार्डियक अरेस्ट के कारण हुआ. उनकी निधन की खबरों से टीवी इंडस्ट्री एक बार फिर से गमगीन हो गए हैं. उनका जाना टीवी इंडस्ट्री के लिए बड़ा झटका लगा है. नितेश पांडे के आखिरी दर्शन के लिए 'अनुपमा' यानी एक्ट्रेस रुपाली गांगुली समेत टीवी जगत के कई दिग्गज सितारे पहुंचे और नम आंखों से अपने साथी को विदाई दी. रुपाली गांगुली दोस्त को आखिरी विदाई देते हुए अपने आंसू रोक नहीं पाईं.

नितेश पांडे और रुपाली गांगुली दोनों अच्छे दोस्त थे. दोस्त के निधन के बाद 'अनुपमा' अब तक इस बात को यकीन नहीं कर पा रही हैं. हाल ही में रुपाली ने 'अनुपमा' के 'धीरज कुमार' यानी नितेश के संग अपनी दोस्ती के बॉन्ड को शेयर किया और बताया वो उनके लिए क्यों खास थे.

अंतिम संस्कार में नहीं रोक पाईं आंसू

नितेश पांडे का अंतिम संस्कार मुंबई के पवई के एक श्मशान घाट पर हुआ. जहां रुपाली गांगुली से लेकर टीवी जगत के तमाम सितारे एक्टर को श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे हैं. दोस्त को अंतिम विदाई के दौरान वह बुरी तरह से टूट गईं और आंसू नहीं रोक पाईं. टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए एक्ट्रेस ने नितेश के साथ अपनी यादों को ताजा किया और कहा, मेरा तो सबकुछ उजड़ सा गया है.

जल्द मिलने का था प्लान

रुपाली गांगुली ने कहा, 'वह इस इंडस्ट्री में मेरा एकमात्र दोस्ता था. डेलनाज और साराभाई के अलावा वो लगातार मेरे संपर्क में तब भी था, जब मैं काम नहीं कर रही थी. मुझे उनके निधन पर विश्नास नहीं हो रहा है. नितेश का बेटा आरव जो मेरे बेटे रुद्रांश से कुछ ही महीने बड़ा है. उसने मुझे पिछले हफ्ते ही एक पेंटिंग के बारे में मैसेज किया था, जो उसने बनाई थी और हमने अपने बेटों को मिलाने की योजना बनाई थी'. रुपाली गांगुली ने दोस्त नितेश को याद करते हुए आगे कहा, 'हम दोनों को कुत्ते बहुत पसंद थे. नितेश की पत्नी अर्पिता एक पशु देखभालकर्ता हैं और एक फीडर भी मेरी तरह. मेरा सबकुछ उजड़ गया. नितेश मेरे लिए बहुत प्रोटेक्टिव था'.

3 हफ्ते पहले हुई थी बात, अब भी...

'अनुपमा' के सेट पर नितेश की यादों को भी उन्होंने साझा किया. रुपाली गांगुली ने कहा, जब वह 'अनुपमा' में आया, तो ऐसा लगा जैसे आपके वर्कप्लेस पर आपके बेस्टी आपके बगल में है. रूपाली गांगुली ने आगे भारी मन से बताया कि इस महीने की शुरुआत में, मैं एक फिल्म मिलन समारोह के लिए बहुत देर से गई थी.

मैंने उनकी कार को जाते हुए देखा, तो मैंने नितेश को फोन किया और कहा कि मैंने आपको देखा. मेरे कहने के बाद वह तुरंत बोले- 'कहा... तू रुक मैं आता हूं गाड़ी घुमाके.' और ये सुन मैंने कहा था, 'नहीं-नहीं घर जा अगले हफ्ते मिलते हैं. तीन हफ्ते हो गए उस बात को और अब मैं उनसे कभी नहीं मिल सकूंगी. मैं इस पर विश्वास नहीं कर सकती.

पिता को चूमता रहा बेटा

आपको बता दें कि नितेश पांडे के अंतिम संस्कार के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. इनमें से एक वीडियो में एक्टर के निधन पर उनके बेटे, पत्नी और मां रो-रोकर बेहाल नजर आए. नितेश पांडे के पार्थिव शरीर के पास उनका बेटा बार-बार पिता को चूमता हुआ दिखाई दिया.

वहीं, बेसुध मां बेजान पड़े बेटे से वापिस आने की बात कहती रहीं. नितेश के निधन पर उनके घर में मची चीख-पुकार दिल चीर देने वाली है.

11 साल पहले सनी लियोनी ने रखा बॉलीवुड में कदम, अब कांस में बिखेर रहीं जलवे

मुंबई. बॉलीवुड में आए हुए सनी लियोनी को 11 साल हो चुक हैं. धीरे धीरे वे इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने में कामयाब हो गई हैं. इन दिनों वे कांस में अपना जलवा दिखा रही हैं. रेड कारपेट से सामने आ रहे उनके स्टाइलिश फोटोज फैंस का दिल चुरा रहे हैं. सनी के हर फोटो पर फैंस हार्ट इमोजी शेयर कर रह हैं.

76वें कांस फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत 16 मई को शुरु हुआ था और यह 27 मई तक चलेगा. कांस में इस बार कई भारतीय सुंदरियों ने डेब्यू किया है, इनमें सनी लियोनी भी शामिल हैं. सनी लियोनी सबसे पहले कांस में बॉटल ग्रीन वन शॉनल्डर गाउन में नजर आई थीं. थाई हाई स्लिट गाउन में उनका लुक काफी अलग लग रहा था और वे अपने डेब्यू पर काफी कॉन्फिडेंट नजर आ रही थीं. कांस में सनी की दूसरी प्रजेंस व्हाइट ट्राउजर और ब्लैक क्रॉप टॉप में रही. इसमें वे सिम्पल लेकिन काफी स्टनिंग लग रही थीं. सनी लियोनी का कांस लुक उनके फैंस को भी इम्प्रेस कर रहा है. सनी भी इवेंट को लेकर एक्साइटेड हैं और सोशल मीडिया पर लगातार अपने फोटोज शेयर कर रही हैं. कांस फिल्म फेस्टिवल के एक इवेंट के दौरान सनी लियोनी बॉडीकॉन शॉर्ट ड्रेस में नजर आईं, उनका यह लुक सोशल मीडिया पर भी छाया रहा. कांस फिल्म फेस्टिवल के लिए सनी अपने आउटफिट का चयन काफी समझदारी से कर रही हैं. फेस्टिवल में वे एक बार ब्लड रेड वेलवेट गाउन में नजर आईं, जो उन पर काफी फब रहा था. सनी लियोनी का यह गाउन दो लुक लिए हुआ था. फ्रंट में जहां वेलवेट यूज किया गया था. वहीं, बैक में शिमर वर्क था. सनी इस गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही थीं. सनी लियोनी की फिल्म 'कैनेडी' की स्क्रीनिंग कांस में हुई है. इसे अनुराग कश्यप ने निर्देशित किया है. फेस्टिवल में अनुराग भी सनी के साथ पहुंचे हैं. बता दें सनी ने साल 2012 में पूजा भट्ट की फिल्म 'जिस्म 2' से बॉलीवुड में कदम रखा था

अरिजीत की आवाज में हिट हो रहा 'जय श्री राम' गीत, ओम राउत 1 और दांव खेलने को तैयार

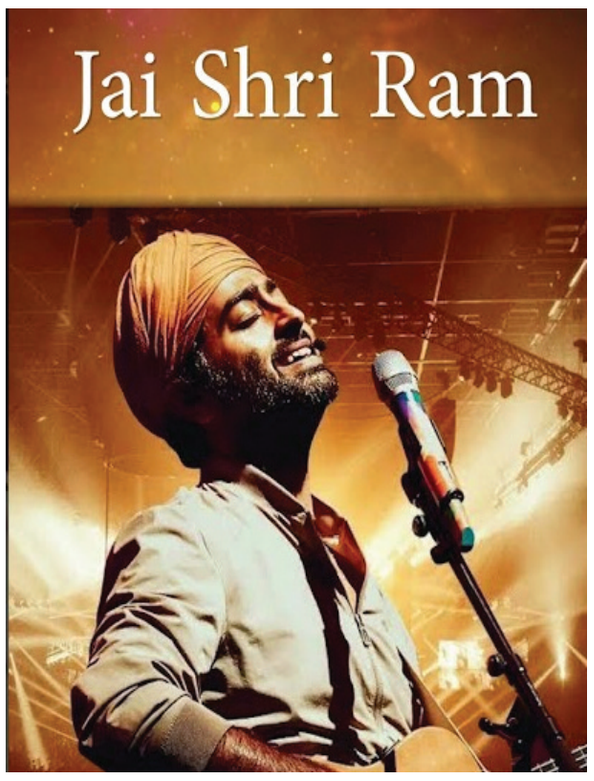

ओम राउत की फिल्म 'आदिपुरुष' लगातार चर्चा में बनी हुई है. प्रभास और कृति सेनन स्टारर यह फिल्म 16 जून को रिलीज होने वाली है. ऐसे में इन दिनों फिल्म का प्रमोशन तेज हो गया है. मेकर्स ने कुछ दिनों पहले फिल्म का पहला गाना 'जय श्री राम' रिलीज किया था. इस गाने को इतना पसंद किया गया कि इसे अब तक 86 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं. वहीं, बुधवार को इसी गाने का नया वर्जन भी जारी किया गया, जिसे अरिजीत सिंह ने आवाज दी है. अब फिल्म के दूसरे गाने को रिलीज करने की प्लानिंग हो गई है.

प्रभास स्टारर 'आदिपुरुष' का जब पहला गाना सामने आया था तो यह गाना कुछ ही देर में सोशल मीडिया की सुर्खियां बन गया था. मेकर्स की उम्मीद से ज्यादा इस गाने को पसंद किया गया. इसकी सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लोग इस गाने को अपनी रिंगटोन बना रहे हैं. गाने मिली अपार सफलता के बाद अब मेकर्स फिल्म का दूसरा गाना 'राम सिया राम' लेकर आने वाले हैं.

4 दिन बाद होगा धमाका

ओम राउत की टीम फिल्म के दूसरे गाने 'राम सिया राम' को लेकर उत्साहित है. दूसरे गाने को 29 मई को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा. इस गाने को सचेत और परम्परा ने गाया है और इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं. मेकर्स ने गाने को रिलीज करने के लिए 12 बजे का समय चुना है. ऐसे में इस गाने को लेकर अभी से ही उत्साह बढ़ता दिख रहा है.

बता दें कि ओम राउत की फिल्म 16 जून 2023 को रिलीज होगी. फिल्म में प्रभास, सैफ अली खान, कृति सेनन, देवदत्त गजानन नागे, वत्सल सेठ, सोनल चौहान आदि प्रमुख भूमिका में हैं. फिल्म का बजट 600 करोड़ रुपये से ज्यादा का बताया जा रहा है।

गुरु दत्त और गीता दत्त के बीच जब आईं वहीदा रहमान, बिखर गया था घर

बॉलीवुड में ऐसे कई सितारे रहे हैं जो शादीशुदा होते हुए भी अपना दिल किसी और को दे बैठे. इससे उनकी पारिवारिक जिंदगी तो तबाह हुई है तो कई बार प्यार का अंत भी दर्दनाक भी रहा. वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण उर्फ गुरु दत्त भी प्यार के चक्कर में अपना सबकुछ गंवा बैठे. और आखिर में मौत को गले लगा बैठे. प्यासा, कागज के फूल, चौदहवीं का चांद और साहेब बीवी और गुलाम जैसे ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले गुरु दत्त प्रोफेशनल लाइफ जितनी सफल थी, पर्सनल लाइफ उतनी ही ट्रैजिक रही. उन्होंने दो मशहूर हस्तियों से इश्क किया लेकिन आखिरी समय अकेले प्यार को तरसते रह गए. सिर्फ 39 की उम्र में वह तन्हाई में दुनिया को छोड़ कर चले गए. आइये जानते हैं गुरु दत्त की गीता दत्त और वहीदा रहमान से इश्क की कहानी

बाजी के सेट पर हुआ गीता दत्त से प्यार

गीता दत्त अपने दौर की स्टार गायिका रही हैं. उनके सदाबहार गाने चिन चिन चू, बाबू जी धीरे चलना, आंखों ही आंखों में आज भी लोगों की जुबान पर रहता है. गुरुदत्त से गीता की पहली मुलाकात फिल्म बाजी के सेट पर हुई. गुरु दत्त उन्हें देखते ही दीवाने हो गए. गीता भी गुरुदत्त के डायरेक्शन की कायल थीं. सेट पर दोनों का प्यार परवान चढ़ा और इस खूबसूरत जोड़ी ने शादी का फैसला कर लिया. हालांकि, गीता के परिवार को यह रिश्ता नामंजूर था. दोनों परिवार के विरोध के बावजूद साल 1953 में साधारण तरीके से शादी कर ली. इस शादी से कपल को तीन बच्चे तरुण दत्त, अरुण दत्त और नीना दत्त हुए.

शादी के 3 साल बाद आ गई दरार

गुरु दत्त का जिक्र जब भी होता है तो वहीदा रहमान का नाम जरूर होता है. गुरु दत्त वहीदा रहमान को दीवानों की तरह चाहते थे. उन्होंने ही वहीदा को साल 1956 में आई फिल्म सीआईडी में काम दिलवाया था. इस फिल्म के बाद वहीदा रहमान गुरु दत्त के साथ ही 'प्यासा' में दिखाई दीं. यह फिल्म भारतीय सिने इतिहास में अलग दर्जा रखती है. फिल्म की शूटिंग के दौरान की दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी और उनके इश्क के चर्चे आम हो गए. जब यह बात गीता दत्त को पता चली तो गुरु दत्त के जिंदगी में उथल पुथल मच गई.

पति, पत्नी और वो के चक्कर में टूटा घर

गीता दत्त गुरु दत्त और वहीदा रहमान के रिश्ते से नाराज होकर अपने तीनों बच्चों के साथ मां के पास चली गईं. या यूं कहे तो उन्होंने गुरु दत्त को छोड़ दिया. वहीं दूसरी ओर गुरु दत्त के पजेसिव बिहेवियर की वजह से वहीदा भी धीरे-धीरे उनसे दूर हो गईं.

जब गीता दत्त ने की गुरु दत्त की जासूसी

एक बार गुरु दत्त को रंगे हाथों पकड़ने के लिए गीता दत्त ने जाल बिछाया. एक दिन गुरु दत्त के पास वहीदा रहमान के नाम से खत पहुंचा जिसमें लिखा था 'मैं आपसे बात करना चाहती हूं, सुध-बुध खो चुकी हूं, न जाने आपने क्या कर दिया." खत के आखिर में मिलने का बुलावा था. गुरु दत्त इस खत को पढ़कर हैरान हुए क्योंकि वह दिन वहीदा से सेट पर मिलते थे. उन्होंने अपने दोस्त और फिल्म राइटर अबरार अलवी से इस मसले पर चर्चा की. अबरार पहली ही नजर में भांप गए कि यह खत वहीदा ने नहीं लिखा.

खत का सच पता करने के लिए तय समय पर गुरु दत्त और अबरार नरीमन प्वाइंट पहुंचे. थोड़ी देर में एक कार से गीता दत्त और उनकी दोस्त उतरीं. इस वाकये से गुरु दत्त बेहद खफा हो गए और उन्होंने गीता पर हाथ भी उठा दिया. इस घटना के बाद दोनों अलग हो गए. 'गुरुदत्त द अनसेटिसफाइड स्टोरी' किताब के अनुसार, एक बार गीता दत्त ने वहीदा पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा था 'जब से वो हमारी जिंदगी में आई है, तबसे जिंदगी नरक हो गई है'.

शराब के नशे में टूटा गुरु दत्त का दम

कहा जाता है कि आखिरी वक्त गुरु दत्त अपनी जिंदगी में बेहद तन्हा हो गए थे. उन्होंने शराब को अपना साथी चुन लिया. उनकी मौत भी रहस्यमयी तरीके से हुई. 10 अक्टूबर 1964 उनकी जिंदगी का आखिरी दिन था. उस समय वह 'बहारे फिर भी आएंगी' फिल्म पर काम कर रहे थे. आखिरी शाम उन्होंने अपने दोस्त अबरार अलवी के साथ गुजारी. 1 बजे रात में अलवी उनके घर से खाना खाकर गए. अगले दिन गुरु दत्त अपने घर में मृत पाए गए. पलंग की बगल की मेज पर एक गिलास रखा हुआ था, जिसमें एक गुलाबी तरल पदार्थ अभी भी थोड़ा बचा हुआ था. वहीं एक किताब खुली हुई थी.

देश के इस राज्य में दोगुने दाम पर बिक रहीं चीजें

170 रुपये पेट्रोल तो रसोई गैस 1800 रुपये

इंफाल, 25 मई (एजेंसियां)। देश के एक राज्य में सरकार द्वारा तय की गई सामान्य कीमतों से दोगुने दाम पर चीजों को बेचा जा रहा है. रसोई गैस सिलेंडर से लेकर आलू, प्याज, दाल और अन्य सब्जियों की कीमत बढ़ चुकी है।

यह राज्य में मणिपुर है, जहां पिछले तीन हफ्तों में जातीय हिंसा के कारण आवश्यक वस्तुओं के दाम में बढ़ोतरी हुई है। दूसरे राज्यों से आयात भी प्रभावित हुआ है। ऐसे में बाहर से आने वाले वस्तु रिकॉर्ड महंगाई के साथ बिक रहे हैं. यहां तक कि चावल, आलू, प्याज, अंडे, एलपीजी सिलेंडर और पेट्रोल जैसी बुनियादी चीजें भी सरकार की ओर से तय किए गए दरों से ज्यादा कीमत पर बेची जा रही है।

चावल से लेकर पेट्रोल तक सबके दोगुने दाम

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले सुपरफाइन चावल के एक 50 किलो बैग की कीमत 900 रुपये थी, लेकिन अब यह 1800 रुपये हो गई है. आलू और प्याज की कीमतें भी 20 रुपये से बढ़ाकर 30 रुपये हो गई हैं. रिपोर्ट में एक व्यक्ति के हवाले से कहा गया है कि एलपीजी रसोई गैस सिलेंडर की कीमत काला बाजार में 1800 रुपये है. वहीं इंफाल के पश्चिमी जिले के कई हिस्सों में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 170 रुपये है।

अंडों के दाम में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी

अंडों की कीमत में भी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें 30 अंडों वाले एक टोकरे की कीमत 180 रुपये की जगह 300 रुपये में मिल रहा है. वहीं आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले ट्रकों को सुरक्षा बलों के मौके पर पहुंचने से पहले आलू की कीमत भी 100 रुपये पहुंच गई थी और अगर सुरक्षा नहीं मिलती तो इसके दाम और ज्यादा हो जाते. वहीं कई क्षेत्रों में तंबाकू उत्पादों की कीमत भी कई गुना बढ़ी है।

यहां क्यों बढ़ रहे दाम

हिंसा के कारण इंफाल में ट्रकों की आवाजाही बाधित है. सड़कों पर झड़पों की आंशका बनी हुई है और राज्य में तनाव का माहौल है. ये हिंसा एसटी का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में आयोजित आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद हुई है। महंगाई को कंट्रोल करने और स्थिति को संभालने के लिए 37 ट्रकों को आवाजाही 15 मई को शुरू हुई और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि उच्च दरों पर उत्पाद बेचने वाले को दंड दिया जा सकता है।

नकली दूध-दही बेचने वालों की खैर नहीं! एफएसएसएआई देशभर में करेगा सर्वे, जानिए क्या है प्लान

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। नकली दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स पर नकेल कसने के लिए खाद्य नियामक एफएसएसएआई कड़ा कदम उठाने जा रहा है. एफएसएसएआई ने गुरुवार को जानकारी दी कि वह नकली दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स पर नकेल कसने के लिए रेगुलेटर देशभर में अभियान चलाने जा रहा है. इसके तरह भारत के अलग-अलग हिस्सों से दूध और दूध से बनी चीज जैसे दही, मावा, छेना, पनीर, घी, बटर, आइसक्रीम आदि के सैंपल इकट्ठा कर इसकी जांच की जाएगी. इन सैंपलों का कलेक्शन प्रदेश, जिला और ब्लॉक स्तर पर किया जाएगा.बिजनेस लाइन में छपी रिपोर्ट के अनुसार भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बताया कि दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स की जांच करने के पीछे यह कारण है कि दूध भारत में लोगों के खानपान का एक अभिन्न हिस्सा है। देश में हर उम्र वर्ग के लोग दूध और दूध से बनी चीजों का सेवन करते हैं. बदलते लाइफस्टाइल के साथ ही लोग आजकल स्वास्थ्य को लेकर बहुत सजग हो गए हैं और इस कारण देश में दूध की खपत भी बढ़ी है। ऐसे में नकली दूध और उसके प्रोडक्ट्स पर नकेल कसने के लिए एफएसएसएआई ने यह कदम उठा रहा है। इस सर्वे में एफएसएसएआई गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों दोनों का ही आकलन करेगा और मिलावटी केंद्रों की पहचान करेगा।

इसके बाद रिपोर्ट के अनुसार गाइडलाइन जारी की जाएगा और एक्शन भी लिया जाएगा. इस जांच में संगठित और असंगठित दोनों ही सेक्टर को शामिल किया गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2018 में राष्ट्रीय दुग्ध सुरक्षा और गुणवत्ता सर्वेक्षण का आयोजन किया गया था।

डिफॉल्ट होने के खतरे के बीच नई मुसीबत

अब फिच रेटिंग ने दिया अमेरिका को तगड़ा झटका

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका के सामने इन दिनों अभूतपूर्व संकट उत्पन्न हो गया है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इतिहास में पहली बार डिफॉल्ट करने की कगार पर खड़ा है। इस बीच क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने अमेरिका के लिए खतरे की नई घंटी बजा दी है। एजेंसी ने संकेत दिया है कि वह आने वाले दिनों में अमेरिका की रेटिंग को कम कर सकती है।

रेटिंग के डाउनग्रेड की आशंका

अभी फिच ने अमेरिका को एएए रेटिंग दिया हुआ है, जो उसकी सबसे अच्छी रेटिंग है। हालांकि एजेंसी ने अब अमेरिका की लॉन्ग-टर्म फॉरेन-करेंसी इश्युअर डिफॉल्ट रेटिंग को निगेटिव वॉच लिस्ट में डाल दिया है। फिच रेटिंग्स के इस कदम को इस बात का साफ इशारा समझा जा रहा है कि अगर अमेरिकी संसद ने समय रहते ट्रेजरी के कर्ज लेने की सीमा को नहीं बढ़ाया, तो रेटिंग को डाउनग्रेड किया जा सकता है।

डिफॉल्ट से मिलेगा ये संकेत

आपको बता दें कि अभी अमेरिका के सामने खजाना खत्म होने का खतर मंडरा रहा है। अगर अभी कोई उपाय नहीं किया गया तो अगले सप्ताह अमेरिकी खजाना खाली हो सकता है और अगर ऐसा हुआ तो फिच के द्वारा अमेरिका की रेटिंग घटा दी जाएगी। एजेंसी का कहना है कि अगर कर्ज लेने की सीमा को नहीं बढ़ाया गया तो इससे संकेत जाएगा कि अमेरिका समय से अपनी देनदारियों को चुकाने में इच्छुक नहीं है, जिसका रेटिंग पर बुरा असर पड़ेगा।

ट्रेजरी के उपाय काफी नहीं

हालांकि फिच ने इस बात की उम्मीद जाहिर की है कि अमेरिकी खजाने के पूरी तरह से खाली होने से पहले ही उधार लेने की सीमा बढ़ाने का कोई न कोई उपाय कर लिया जाएगा। फिच ने रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिका 19 जनवरी 2023 को 31.4 ट्रिलियन डॉलर की कर्ज सीमा पर पहुंच गया था और ट्रेजरी ने ऊपरी सीमा को पार करने से बचने के लिए अभूतपूर्व उपाय की शुरुआत कर दी थी। हालांकि ट्रेजरी के ये उपाय भी नाकाफी साबित हो सकते हैं। ट्रेजरी के उपाय का 1 जून 2023 तक पूरी तरह से दोहन हो जाएगा। एजेंसी ने कहा है कि ट्रेजरी के पास 23 मई तक कैश बैलेंस 76.5 बिलियन डॉलर रह गया था।

60,000 से नीचे लुढ़का सोना, चांदी में भी गिरावट

आपके शहर में कितना सस्ता हुआ गोल्ड

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। आज सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए खुशखबरी है। कल वायदा बाजार में उतार-चढ़ाव के बाद आज भी गोल्ड और सिल्वर के रेट में कमी देखी जा रही है। गुरुवार यानी 25 मई, 2023 को सोना रिकॉर्ड 60,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे आ गया है। सुबह 11.30 बजे तक इसमें 165 रुपये यानी 0.28 फीसदी की कमी देखी गई है और यह 59,695 रुपये प्रति ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं कल की बात करें तो बुधवार को सोना 59,860 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

चांदी में गिरावट जारी-

चांदी की कीमत की बात करें तो इसमें भी गिरावट का सिलसिला जारी है। चांदी आज शुरुआती दौर से ही लाल निशान पर कारोबार कर रही है और सुबह 11.30 मिनट पर यह 70,705 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इसमें कल के मुकाबले 381 रुपये यानी 0.54 फीसदी की कमी देखी जा रही है। कल मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज यानी वायदा बाजार पर चांदी 71,086 रुपये पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्या है चांदी का हाल?

घरेलू बाजार के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। सोना आज 1.957.49 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी की बात करें तो के दाम में 0.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है और यह 23.02 डॉलर प्रति औंस पर है। अमेरिका में सोने के दाम में 0.3 फीसदी की मामूली कमी देखी गई है और यह 1,958.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।

महानगरों में गोल्ड-सिल्वर के दाम जानें-

नई दिल्ली- 22 कैरेट सोना 56,400 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,050 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता- 22 कैरेट सोना 56,250 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,050 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई- 22 कैरेट सोना 56,250 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,050 रुपये प्रति किलोग्राम चेन्नई-22 कैरेट सोना 56,250 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 77,500 रुपये प्रति किलोग्राम।

रिशद प्रेमजी ने इस साल अपने मुआवजे में की स्वैच्छिक कटौती

पिछले वर्ष की तुलना में कम हुई 50 फीसदी कमाई

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। विप्रो के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रिशद प्रेमजी ने वित्त वर्ष 2023 के लिए अपने मुआवजे में स्वैच्छिक कटौती की है। अमेरिका में प्रतिभूति और विनिमय आयोग को हाल ही में दी गई जानकारी के मुताबिक उन्होंने इस साल कुल वार्षिक मुआवजे में 9,51,353 डॉलर कमाए हैं, जो उनके पिछले वर्ष की कमाई की तुलना में करीब पचास फीसदी (8,67,669 डॉलर) कम है। 2022 में बोर्ड के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में प्रेमजी का मुआवजा 1,819,022 डॉलर था। विप्रो लिमिटेड द्वारा यूनाइटेड स्टेट्स सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को सौंपे गए फॉर्म 20-एफ के अनुसार, रिशद प्रेमजी के वेतन में वेतन व भत्ते में 8,61,620 डॉलर, दीर्घकालिक मुआवजे के लाभ में 74,343 डॉलर और अन्य आय में 15,390 डॉलर शामिल हैं। प्रेमजी के मुआवजे में कैश बोनस (उनके निश्चित वेतन का हिस्सा) भी शामिल था, लेकिन वित्तीय वर्ष 2023 में उन्हें कोई स्टॉक विकल्प नहीं दिया गया था। विप्रो लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में प्रेमजी का मौजूदा पांच साल का कार्यकाल 30 जुलाई, 2024 को समाप्त होगा। रिशद 2007 में विप्रो में शामिल हुए और 2019 में एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनने से पहले उन्होंने कई भूमिकाओं में काम किया।

उन्होंने विप्रो के बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस में जनरल मैनेजर के रूप में शुरुआत की, इंवेस्टर्स रिलेशंस को लीड किया और फिर विप्रो की रणनीति और विलय व अधिग्रहण का नेतृत्व किया। विप्रो के चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर के रूप में रिशद ने विप्रो वेंचर्स का भी कॉन्सेप्ट दिया। वह कंपनी के लिए निवेशक और सरकारी संबंधों के लिए भी जिम्मेदार थे।

महंगाई के खिलाफ युद्ध अभी नहीं हुआ खत्म अल नीनो फैक्टर बिगाड़ सकता है खेल!

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भले ही अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई दर घटकर 18 महीने के निचले लेवल 4.70 फीसदी पर घटकर आ चुकी हो, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने महंगाई से आगाह करने हुए फिर बड़ी चेतावनी दी है. आरबीआई गवर्नर ने कहा कि महंगाई के खिलाफ जंग अभी समाप्त नहीं हुआ है और सेंट्रल बैंक अल नीनो फैक्टर पर नजर बनाये हुए क्योंकि इसका असर महंगाई पर पड़ सकता है।गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, मौजूदा हालात बहुत ही गतिशील है और महंगाई के खिलाफ युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है. ऐसे में हमें सतर्क रहने की जरुरत है. आत्मसंतोष का कोई कारण नहीं है, हमें यह देखना होगा कि अल नीनो फैक्टर जिसकी आशंका जाहिर की जा रही है वो किस प्रकार अपना असर दिखाता है. मानसून विभाग ने इस वर्ष सामान्य बारिश का अनुमान जताया है. लेकिन कई रिसर्च रिपोर्ट्स का मानना है कि इस वर्ष अल नीनो के असर के चलते सूखे जैसे हालात पैदा हो सकते हैं जिससे खाद्यान्न उत्पादन में कमी आ सकती है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने 4% तक महंगाई दर घटने का जताया अनुमान

बोले - मौजूदा वित्त वर्ष में 6.5% रह सकती है जीडीपी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। कर्ज की भारी मांग और कच्चे तेल के दामों में गिरावट के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था को गति मिल सकती है जिसके चलते मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक विकास दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंथा नागेश्वरन ने ये बातें कही है। उन्होंने कहा कि इन संकेतों के साथ कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में तेजी के चलते वैश्विक आर्थिक विकास की धीमी रफ्तार और मौसम से जुड़े जोखिमों का अर्थव्यवस्था पर असर नहीं पड़ेगा। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि आर्थिक सर्वे में 6.5 फीसदी विकास दर रहने का अनुमान जताया गया है। अप्रैल 2023

के मंथली इकोनॉमिक रिपोर्ट में भी यही कहा गया है। उन्होंने कहा कि मानसून और वैश्विक राजनीतिक जोखिमों को छोड़ दें तो टैक्स कलेक्शन में उछाल और सर्विसेज सेक्टर की रफ्तार के चलते अप्रैल महीने में भारतीय अर्थव्यवस्था की गति अच्छी रही है। एक्सपोर्ट और इंपोर्ट में गिरावट पर मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि कहा कि ग्लोबल डिमांड में कमी के चलते गुड्स का एक्सपोर्ट्स घटा है जबकि कच्चे तेल के दामों में कमी के चलते इंपोर्ट में कमी नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि करंट अकाउंट डिफसिट स्टेबल है और विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी सकारात्मक संकेत दे रहा है। वी अनंथा नागेश्वरन ने उम्मीद जाहिर किया कि अगर कच्चे तेल के दामों में कमी बन रहती है तो खुदरा महंगाई दर घटकर 4 फीसदी के लेवल तक घट सकता है। अप्रैल 2023 में खुदरा महंगाई दर घटकर 4.7 फीसदी पर आ चुकी है। लेकिन इस गर्मी के मौसम में तापमान में बढ़ोतरी, अल नीनो के खतरे और कमोडिटी के दामों में तेजी उछाल इन उम्मीदों पर पानी भी फेर सकता है।

लो आ गई मंदी! आधिकारिक आंकड़ों ने कर दी पुष्टि, पहला शिकार बना जर्मनी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। मंदी... मंदी... मंदी! पिछले साल से ही पूरी दुनिया में मंदी की चर्चा हो रही है और एक के बाद एक कर कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां व विश्लेषक मंदी के प्रति आगाह करते आ रहे हैं। अब यह डर सच होने लग गया है और बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को अपनी चपेट में लेने लग गया है। मतलब अब आर्थिक मंदी महज आशंका या कयास नहीं, बल्कि सच बन चुकी है। इस बार वैश्विक आर्थिक मंदी ने सबसे पहला शिकार बनाया है यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी को। जर्मनी के सांख्यिकी कार्यालय ने गुरुवार को अर्थव्यवस्था और आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों को जारी किया। आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2023 तिमाही

के दौरान जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में 0.3 फीसदी की गिरावट आई। इससे पहले पिछले साल की आखिरी तिमाही यानी अक्टूबर से दिसंबर 2022 के दौरान जर्मनी की जीडीपी में 0.5 फीसदी की गिरावट आई थी। पिछले साल की आखिरी तिमाही की तुलना में भले ही जनवरी से मार्च 2023 के दौरान अर्थव्यवस्था के सिकुड़ने की रफ्तार कम रही हो, लेकिन यह खतरनाक है क्योंकि इस तरह से जर्मनी की अर्थव्यवस्था अब आधिकारिक रूप से मंदी की चपेट में आ चुकी है। अर्थशास्त्र की प्रचलित परिभाषा के अनुसार, अगर कोई अर्थव्यवस्था लगातार दो तिमाही के दौरान सिकुड़ती है, तब कहा जाता है कि संबंधित अर्थव्यवस्था आर्थिक मंदी का शिकार बन चुकी है। पूरी दुनिया पिछले कुछ सालों से एक के बाद एक कई झटकों को झेल रही है. पहले कोरोना महामारी से आर्थिक प्रगति को बेपटरी किया। उसके बाद अमेरिका-चीन के व्यापार युद्ध, आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं और चिप शॉर्टेज ने दुनिया के परेशान किया। अभी इन दिक्कतों का असर कम भी नहीं हुआ था कि पूर्वी यूरोप में यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध की शुरुआत हो गई. यूक्रेन और रूस के युद्ध से यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं खासकर जर्मनी को बहुत नुकसान हुआ है।

एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स में खरीदारी के चलते तेजी के साथ बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार, मिड कैप शेयरों में भी खरीदारी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए गुरुवार का दिन बेहतर रहा है। एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार हरे निशान में क्लोज हुआ है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 99 अंकों के उछाल के साथ 61,872 अंकों पर बंद हुआ है तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36 अंकों के उछाल के साथ 18,321 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में एफएमसीजी शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली । निफ्टी एफएमसीजी 0.61 फीसदी या 302 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ। इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली. आईटी, ऑटो, फार्मा, बैंकिंग, मेटल्स, इंफ्रा, सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए. जबकि ऑयल एंड गैस, हेल्थकेयर, कमोडिटी, एनर्जी सेक्टर के शेयर गिरकर बंद हुए. मिड कैप औ स्मॉल कैप शेयरों में भी रौनक रही. निफ्टी के 50 शेयरों में 28 शेयर तेजी के साथ और 22 शेयर गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 शेयर तेजी के साथ तो 15 शेयर गिरकर बंद हुए।आज के ट्रेड में भारती एयरटेल 2.93 फीसदी, आईटीसी 1.76 फीसदी, कोटक महिंद्रा 1.17 फीसदी, लार्सन 0.99 फीसदी, पावर ग्रिड 0.74 फीसदी, बजाज फाइनैंस 0.70 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि विप्रो 1.35 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.06 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.91 फीसदी, सनफार्मा 0.71 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।आज के कारोबारी सत्र में बाजार में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति बढ़ी है।बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप बढ़कर 280.46 करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो बुधवार को 279.55 लाख करोड़ रुपये पर आ गया था. यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 91000 करोड़ रुपये की कमी आई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	मेष--	03-20 बजे
चंद्र-	कर्क में	वृष--	05-05 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	07-05 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	09-18 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	12-30 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या..	13-36 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	15-42 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	17-52 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	20-06 बजे
		मकर..	22-11 बजे
		कुंभ..	00-02 बजे
		मीन ..	01-40 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-45 सूर्य अस्त- 18-40
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- शुक्रवार- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - 07 -42 पूर्ण दिनरात
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष , शुक्रवार May 26
नक्षत्र - आश्लेषा - 20- 49 - तक उपरान्त मघा
योग - ध्रुव - 19 - 02 - तक उप - व्याघात
करण- गर - 18 -31 - तक उप- वणिज
विशेष:- गण्ड मूल नक्षत्र
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:36 से 12:13 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	05:45 - 07:20 शुभ	रोग	18:40 - 20:06 अशुभ
लाभ	07:20 - 08:58 शुभ	काल	20:06 - 21:28 अशुभ
अमृत	08:58 - 10:36 शुभ	लाभ	21:28 - 22:51 शुभ
काल.	10:36 - 12:13 अशुभ	उत्पात	22:51 - 00:13 अशुभ
शुभ.	12:13 - 13:51 शुभ	शुभ	00:13 - 01:36 शुभ
रोग	13:51 - 15:28 अशुभ	अमृत.	01:36 - 02:58 शुभ
उत्पात	15-28- 17:06 अशुभ	चंचल	02:58 - 04:20 शुभ
चंचल	17:06 - 18:40 शुभ	रोग	04:20 - 05:45 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, आ,

संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी |लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है |इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें |यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

वृष ई, उ, ए, ओ,वा, वी, वू, वे, वो,

कुछ अच्छे वर्ण व विचार आपके द्वारा आपके साथी तक पहुंचे है । अपने कई बार अपने साथी को ये बताया है की वो आपके लिए कितना महत्व रखता है , लेकिन अब कुछ कर गुजरने का समय है । अपने क्रिया कलापो से अपने प्रेम को सिद्ध करे और आज का दिन क्रियान्वयन के लिए उपयुक्त है । आपके प्रेम की अभिव्यक्ति के द्वारा आपका साथी सुखी और आश्चर्यचकित महसूस करेगा ।

मिथुन का, की, कू, घ,ड छ, के,को,ह

आज आप आत्मविश्वास और सकारात्मक रहेंगे । आज किसी भी साक्षात्कार या ग्राहक के साथ किसी भी सौदे को तय करने के लिए एक अच्छा दिन है। आपको आज एक अछा लाभ मिल सकता है । आप दिन के उत्तरार्ध में किसी कार्य को लेकर कुछ अटक सकते है। कल के लिए मनोरंजन या मनोरंजन के लिए अपनी योजनाओं को स्थगित करे एवं अपने सहयोगी से आज मदद ले ।

कर्क ही, हू , हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप अपने रोमांटिक सम्बन्ध को अधिक समय नही दे पायेंगे क्योंकि आप दुसरे पारिवारिक संबंधों में व्यस्त रहेंगे । आपके मात पिता या बच्चे आपसे आपका काफी समय मांगेंगे लेकिन अगर आप इन सब जिम्मेदारियों में अपने पार्टनर को भी शामिल कर लेंगे तो रोमांस के लिए भी मौका निकल ही आएगा । इससे आपके सम्बन्ध को एक नयी ताजगी मिलेगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफ़ेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने । वित्तीय मामलों आज औसत रहेंगे । आज आप संपत्ति खरीदने की योजना भी बना सकते है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है । हालाँकि आप अवगत नहीं है , लेकिन आपके मूल्य काफी उच्च स्तर के है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,ने,नो या, यी ,यू,

आज आपको नयी नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है जो की आपके क्षेत्र से अलग होगा । आपको दोनों क्षेत्रो को आपस में तोलना होगा ताकि आप सही करियर का निर्णय ले सके , हालाँकि ये आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा पर आप पूरी तरह से अपना कार्य क्षेत्र को न बदले । आप अपने परिवार या अपनी जीवन संगिनी का मत भी ले सकते है की कौन सा कार्य क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त रहेगा ।

धनु ये, यो,य, भा, भी,भू धा ,फा, ढा, भे

जिस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आपने नींव बिछाने का कार्य किया था उसका फल आज से आपको मिलने लगेगा । हालांकि कुछ महत्वपूर्ण संकेतो को आप शायद न देख पाओ और निराशा और आलसीपन आप में विकसित हो सकता है। अगर आप अपने प्रयासों में कमी लाएंगे तो आपकी सारी की गई मेहनत पर पानी फिर सकता है , इसलिए जरुरी है की आप अपने प्रयासों को मजबूती से करना जारी रखे।

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपको कुछ छुपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है । यह व्यक्ति आपके साथ मित्रतापूर्ण भाव से आपके साथ काम कर रहा है पर जैसे की इतिहास अपने आप को दोहराता है यह व्यक्ति प्रतिकार कर सकता है या इसके विचार आपसे भिन्न हो सकते है ।आज आपके लिए ये अछा होगा की आप अपने सारे कार्यों का निष्पादन सही समय पर कर ले ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

आपके व्यावसायिक कौशल में तेजी आयेगी और आप एक मजबूत भावना के साथ पेशेवर दौड़ में वापस स्थापित होंगे । आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे और अभी तक आप अपने कार्य और पद की तुलना में काफी अल्प आय प्राप्त कर रहे थे।

मीन दी, दू,थ, झ, ज्ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

‘मुसलमान देश में आश्रित, सिर पर न नाचें’

बजरंग दल चीफ बोले– लव जिहाद नहीं होने देंगे, बैन किया तो देख लेंगे

नई दिल्ली, 25 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जीत हासिल की है, सिद्धारमैया सीएम बन चुके हैं। जीत के बाद सिद्धारमैया से बजरंग दल पर बैन लगाने से जुड़ा सवाल किया गया तो बोले, ‘नफरत फैलाने वाले सभी राजनीतिक समूहों पर कार्रवाई की जाएगी, चाहे धर्म कोई भी हो।’ सिद्धारमैया के बयान से साफ है कि आने वाले दिनों में बजरंग दल आक्रामक रहा, तो कर्नाटक में कार्रवाई हो सकती है। बीजेपी ने कर्नाटक में बजरंग दल को बजरंगबली से जोड़कर राजनीतिक बढ़त लेने की कोशिश की थी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मॉब लिंचिंग, दंगों और दूसरी हिंसक गतिविधियों में बार-बार बजरंग दल का नाम आता रहा है। लालू प्रसाद यादव, राम विलास पासवान, मायावती और दिग्विजय सिंह जैसे नेता इस संगठन को बैन करने की मांग उठाते रहे हैं। इस मामले में बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने कहा कि बजरंग दल का जन्म 1984 में राम मंदिर आंदोलन के समय हुआ। प्रशासन ने राम जानकी रथ यात्रा को सुरक्षा देने से मना कर दिया था। तब विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने युवाओं को रथ यात्रा की रक्षा की जिम्मेदारी दी। वही रक्षक दल आज बजरंग दल है। विहिप ने बजरंग दल को हिंदू जीवन मूल्य की रक्षा और पुनर्स्थापना के लिए ही बनाया। ऐसे में संघर्ष तो होगा ही, विरोध भी होगा। ‘द केरला स्टोरी’ जैसी फिल्में आज आई हैं, लेकिन हम तो धर्मांतरण का मुद्दा 1990 से उठा रहे हैं। बजरंग दल ने जब लव जिहाद का मुद्दा उठाया, तो हमें सांप्रदायिक कहा गया। बाद में केरल हाईकोर्ट ने भी इस बात को माना और 1994 में कर्नाटक विधानसभा में खुद कांग्रेस के विधायकों ने धर्म परिवर्तन को लेकर हंगामा किया। हिंदू लड़कियों को अगवा किया जाता है, नाम बदलकर उनके साथ शादी की जाती है। सिर्फ इसलिए कि हिंदू लड़कियों से वे बच्चे पैदा कर सकें। भारत की डेमोग्राफी बदल सकें। क्या ये षड्यंत्र नहीं है। बजरंग दल इसके खिलाफ खड़ा है। बजरंग दल हिंदू संस्कृति की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

दौनेरिया से जब पूछा गया कि बिहार शरीफ में दंगा, हावड़ा दंगा, हरियाणा लिंचिंग, 2002 गुजरात दंगों में बाबू बजरंगी, 1999 में ओडिशा में फादर स्टेंस को जलाने का मामला, सभी में बजरंग दल का नाम सामने आया। क्या इसलिए ये संगठन बनाया था? तो उन्होंने हिंदू जीवन मूल्यों पर जहां कहीं प्रहार होगा, उसके खिलाफ षड्यंत्र होगा, तो बजरंग दल सामने आएगा। हमें हिंसक कहा जाता है, जबकि हम तो रक्षा कर रहे हैं। हमें कोई नहीं बुलाता, हम खुद प्रकट हो जाते हैं। किसी को चावल की एक बोरी देकर, शिक्षा के नाम पर, सेवा के नाम पर धर्म परिवर्तन करना क्या ठीक है।

भारत के दूरदराज के इलाकों में यही हो रहा है। बजरंग देशभक्त नौजवानों का समूह है। हमारा नेटवर्क काफी बड़ा है। हम हिंदुओं का नेतृत्व करते हैं, इसलिए हमारे कुछ दुश्मन भी हैं। लव जिहाद, लैंड जिहाद और घुसपैठ जिहाद के अलावा पीएफआई से हम सीधी लड़ाई लड़ रहे हैं। देश विरोधियों के सामने हम खड़े हैं। उनका वोट चाहने वाले हमें बैन करने की मांग करते हैं। कांग्रेस बैन की बात कहकर मुस्लिम वोटों को साध रही है, लेकिन बजरंग दल पर बैन लगाएंगे किस आधार पर। 1992 में बजरंग दल पर बैन लगाकर देख चुके हैं। एक साल में ही हटाना पड़ा था। हम इन छोटी-छोटी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं।

नीरज दौनेरिया ने कहा कि मैं राजनीतिक बातें नहीं करना चाहूंगा। हमने कभी चुनाव प्रचार नहीं किया। हमें बैन करने की बात की गई थी, सिर्फ इसलिए हमने हनुमान चालीसा के पाठ किए। हनुमान चालीसा में एक लाइन है- कुमति निवार, सुमति के संगी..यानी जिन लोगों में बजरंग दल को बैन करने की कुमति आई है, उन्हें सुमति दो। पूरे देश में 6 लाख लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। अब क्या हनुमान चालीसा पर भी बैन लगेगा। ऐसे कई षड्यंत्र बजरंग दल देख चुका है।

नीरज दौनेरिया ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रे का घोषणा पत्र लालच से भरा था। सब्सिडी दे दो, सब मुफ्त दे दो। कांग्रेस आतंकवादियों का साथ देती आई है। उसने जेकेएलएफ के यासीन मलिक को बुलाकर सम्मानित किया था, 1990 में घाटी में हुए दंगों में उसकी बड़ी भूमिका थी। कांग्रेस ने ही बाटला हाउस एनकाउंटर पर सवाल उठाए थे। आज पीएफआई के साथ खड़ी है। पीएफआई पर 27 राजनीतिक हत्याएं करने का आरोप है। इनमें 9 बजरंग दल के कार्यकर्ता भी हैं।

कांग्रेस जिहादी मानसिकता के लोगों को खुश करना चाहती है। सरकारी जमीन पर मजारें और कब्रिस्तान बनाए जा रहे हैं। लव जिहाद कर हिंदू लड़कियों से बच्चा पैदा कर रहे हैं, क्या ये सब षड्यंत्र नहीं है। सरकार को जांच करनी चाहिए कि 1990 से कितनी हिंदू लड़कियां लव जिहाद का शिकार हुई हैं।

उन्होंने कहा कि देश का विभाजन धर्म के आधार पर हुआ था। जिन 3 करोड़ मुसलमानों को रोका गया, उन्हें आश्रय दिया गया था। वे आश्रित हैं, फिर भी उन्हें संविधान में बराबर का सम्मान दिया गया। तो क्या अब वे सिर पर चढ़कर, नंगे होकर नाचेंगे। अराजकता फैलाएंगे, बर्बरता करेंगे। बजरंग दल ये कभी नहीं होने देगा। संविधान, कानून और सब कुछ बहुसंख्यक के आधार पर ही बनना चाहिए था। यहां की संस्कृति और परंपरा के आधार पर सब होना चाहिए। धर्मनिरपेक्ष बनाया तो बैलेंस करना पड़ता है। उन्हें आप सब्सिडी, आरक्षण, जमीन सब देते चले गए। हिंदुओं से हर चीज छीनकर उन्हें देते जा रहे हैं। इस देश में मंदिरों पर सरकार का नियंत्रण है।

उधर, मुल्ला-मौलवियों और चर्च के पादरियों की तनख्वाह में देश का करोड़ों रुपया चला जाता है, क्यों? यह भेदभाव नहीं है? भारत को उसी समय हिंदू राष्ट्र हो जाना चाहिए था। धर्म के नाम पर ही विभाजन हुआ था, तो ऐसा करना ही चाहिए था।

नीरज दौनेरिया: ये एक बड़ा प्लान है। लैंड जिहाद के जरिए हिंदुओं की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। मौका देखते ही कहीं भी मजार-मस्जिद बना लेते हैं। गौ तस्करी और गौ हत्या इस्लामिक जिहादियों का ही प्लान है। कौन तस्करी कर रहा है, कौन गाय का मांस खाता है।

उन्होने कहा कि बजरंग दल के अलावा हिंदू सेना, सनातन संस्था, श्रीराम सेना और अभिनव भारत भी यही सब काम करते हैं। आपस में कॉम्पिटिशन भी होता है? लेकिन हमारे बीच कोई कॉम्पिटिशन नहीं। सब आपस में सहयोगी हैं। बजरंग दल अपना काम करता है दूसरे दल अपना। सब अपने तरीके से काम करते हैं।

नीरज दौनेरिया ने कहा कि तीन साल में एक बार बजरंग दल भर्ती अभियान चलाता है। घर-घर जाकर नौजवानों को जोड़ता है। विहिप की वेबसाइट पर जॉइन बजरंग दल नाम से एक पेज है। यहां से एक फॉर्म भरकर भी जॉइन कर सकते हैं।

बजरंगी को मिलने-जुलने वाला और एक्टिव होना चाहिए। बजरंग दल के साप्ताहिक मिलन केंद्र में जाना होगा। दिल में देश और धर्म होना चाहिए। बलोपासना भी जरूरी है। दंड का प्रशिक्षण, खेल जैसे कबड्डी खेलते हैं, कसरत करते हैं। हिंदू जीवन मूल्यों का ज्ञान जरूरी है। पहले भारत माता और फिर बजरंगबली की आरती होती है।

बजरंग दल शस्त्र की शिक्षा नहीं देता, लेकिन इतनी ट्रेनिंग जरूर होती है कि अगर बजरंगी को शस्त्र उठाना पड़े, तो वह भागे नहीं। एयर राइफल चलाना सिखाते हैं।

'नक्सली रमन्ना, गणपति का नाम एफआईआर से क्यों हटाया'

झीरम हमले को लेकर बीजेपी पर भड़के सीएम भूपेश कहा– केंद्र में हमारी सरकार बनने का इंतजार

जगदलपुर, 25 मई (एजेंसियां)। झीरम हमले की 10वीं बरसी पर मुख्यमंत्री का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने इस मामले में हुई एफआईआर से खूंखार नक्सलियों के नाम हटाने के गंभीर आरोप केन्द्र सरकार पर लगाए हैं। सीएम ने कहा भारतीय जनता पार्टी बेहद हल्के ढंग से आरोप लगाती है कि झीरम हमले को लेकर भूपेश बघेल के पास जो जानकारी है उसे वे कब देंगे।

विषय बहुत गंभीर है लेकिन जिस हल्के ढंग से बीजेपी इस पर सवाल कर रही है वो दुर्भाग्यजनक है। सीएम ने घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि झीरम हमले से पूरा देश दहल गया था। विश्व राजनीति के इतिहास में इतने बड़े राजनेताओं का एक साथ नरसंहार पहली बार हुआ था। उस समय तत्कालीन यूपीए की सरकार ने एनआईए की जांच स्थापित की थी।

राज्य सरकार ने जस्टिस प्रशांत मिश्रा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया था। एनआईए की जांच शुरू हुई

और उस समय जो एफआईआर किया गया उसमें व्यापक षड्यंत्र हुआ। साल 2014 अगस्त तक उस एफआईआर में नक्सली रमन्ना और गणपति के नाम का उल्लेख था। जिसमें उनकी सम्पत्ति कुर्क करने का आदेश था। थोड़ी सम्पत्ति कुर्क भी की गई बाकी छोड़ दिया गया।

सितम्बर 2014 में एनआईए ने जब कोर्ट में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट पेश की, तब आश्चर्यजनक ढंग से रमन्ना और गणपति का नाम उसमें नहीं था। फाइनल रिपोर्ट में भी उनके नाम शामिल नहीं थे। सीएम ने तल्ख तरीके से सवाल उठाते हुए कहा कि बीजेपी की मोदी सरकार ने रमन्ना और गणपति को क्यों बचाया, उनसे पूछताछ क्यों नहीं की गई और एफआईआर में अगर किसी अपराधी का नाम दर्ज हो गया तो वो हटता नहीं है। बीजेपी बताए कि नाम क्यों हटाया और उन्हें क्यों बचाना चाहती है।

जांच के लिए जो आयोग गठित किया गया उसकी रिपोर्ट राज्य सरकार को न देकर सीधे राज्यपाल को दिया गया और इसके बाद कांग्रेस ने भी एक जांच आयोग का गठन किया। जिसको रोकने के लिए धरमलाल कौशिक ने स्टे लगाया। ये जांच में रुकावट डाल रहे हैं। ये वही धरमलाल कौशिक हैं जो नान घोटाले में भी स्टे लेकर बैठे हैं, रमन सिंह के खास धरमलाल हर मामले में स्टे लेने जाते हैं। हम जांच के लिए एसआईटी बनाते हैं तब एनआईए स्टे ले लेती है।

व्यापक षड्यंत्र पर जांच चल रही थी जैसे ही यूपीए की सरकार हटी और एनडीए की सरकार आयी, मोदी प्रधानमंत्री बने, तब इसे दण्डकारण्य कमेटी की घटना मानकर जांच खत्म कर दिया। बीजेपी जांच में बाधा उत्पन्न कर रही है। जांच आगे बढ़ नहीं रही है और हमें जांच करने नहीं दे रहे हैं। आखिर किसके कहने पर एनआईए के अधिकारियों ने गणपति और रमन्ना का नाम हटाया, इसका जवाब दे बीजेपी। जिस दिन केंद्र में हमारी सरकार बनेगी उस दिन सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में हुए झीरम हमले के आज 10 बरस पूरे हो गए हैं। दसवीं बरसी पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज बस्तर पहुंचे हैं। यहां संभागीय मुख्यालय जगदलपुर के झीरम मेमोरियल में पहुंच नक्सल घटना में मारे गए नेताओं और जवानों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके परिजनों से भी मुलाकात की।

एक तरफा प्यार में प्रेमी की हत्या

प्रेमिका के घर के सामने ही मार डाला पकड़ा गया तो बोला- राह में रोड़ा था

कोरबा, 25 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में लव ट्रायंगल में हत्या का मामला सामने आया है। एक युवक ने एक तरफा प्यार में महिला के प्रेमी की हत्या कर दी। आरोपी ने प्रेमिका के घर के सामने ही युवक को मार डाला। युवक अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए पहुंचा था। खास बात यह हे कि आरोपी ने हत्या के लिए नई टी शर्ट भी खरीदी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं वारदात में प्रयुक्त टी-शर्ट और हथियार भी बरामद किए हैं। दो दिन पहले ही युवक का शव मिला था। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, छुरी बस्ती में 23 मई को स्थानीय निवासी सुभाष देवांगन (36) का शव उसकी ही प्रेमिका के घर के सामने खून से लथपथ मिला था। सुभाष अपनी प्रेमिका से ही मिलने के लिए देर रात पहुंचा था।

इस पर पुलिस ने जांच शुरू की। इसमें पता चला कि बस्ती में ही रहने वाला बलराम साहू भी महिला से एक तरफा प्यार करता था।

राष्ट्रपति बोलीं- अनुसूचित जनजाति की सांस्कृतिक पहचान बचाए रखने की जरूरत

दहेज प्रथा को बताया गलत

रांची, 25 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने कुछ कार्यक्रमों में भाग भी लिया। एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि अनुसूचित जनजाति समुदाय की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने दहेज प्रथा को गलत बताते हुए इसे गैर-प्रचलन वाली प्रथा कहा और राष्ट्रपति मुर्मू ने आदिवासी महिलाओं से आगे आने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खूंटी में एक कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों को संबोधित करते हुए कहा कि महिला आगे आएं और अपने कल्याण के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। महिला सशक्तिकरण के मामले में झारखंड की आदिवासी महिलाएं अन्य राज्यों से आगे हैं। राष्ट्रपति ने आदिवासियों की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने की आवश्यकता पर

जोर दिया और कहा कि उनका समाज दहेज जैसी बुरी प्रथाओं से मुक्त है। उन्होंने बताया कि समाज में कई लोग, यहां तक कि पढ़े-लिखे लोग भी आज तक दहेज प्रथा को नहीं छोड़ पाए हैं। झारखंड की आदिवासी महिलाओं ने खेलों में अनुकरणीय प्रदर्शन दिखाया है, उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाएं भी आर्थिक विकास में योगदान दे रही हैं। आगे उन्होंने कहा कि झारखंड की मेहनती बहन-बेटियां राज्य की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने उनसे अपनी प्रतिभा को पहचानने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं की शक्ति प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ऊर्जा प्रदान करती है। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड में अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ना और कौशल विकास के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। आदिवासी आइकन बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी में राष्ट्रपति ने स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों के साथ बातचीत की। बिरसा मुंडा कॉलेज स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 25,000 आदिवासी महिलाओं ने भाग लिया। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि इस सम्मेलन के माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों और सरकार द्वारा अपने हितों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में अधिक जागरूक होंगी।

झीरम हमले के शहीदों को सीएम ने दी श्रद्धांजलि

नक्सल घटना में मारे गए कांग्रेस नेताओं और जवानों के परिजनों से मुलाकात की

जगदलपुर, 25 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में हुए झीरम हमले के आज 10 बरस पूरे हो गए हैं। दसवीं बरसी पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज बस्तर पहुंचे हैं। यहां संभागीय मुख्यालय जगदलपुर के झीरम मेमोरियल में पहुंच नक्सल घटना में मारे गए नेताओं और जवानों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके परिजनों से भी मुलाकात की।

सीएम ने परिवर्तन यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि नंदकुमार पटेल कहते थे हमें आदिवासियों के जीवन में परिवर्तन लाना है। लेकिन परिवर्तन का संकल्प लेने वाले हमारे नेता आज हमारे बीच नहीं है। सीएम ने आगे कहा कि इस घटना से किसको फायदा मिला। नक्सली घटना करते हैं और उस स्थान को छोड़ देते हैं। लेकिन ऐसा पहली हुआ जब ब्लास्ट किये फिर गाड़ी रोककर गोलियों की बौछार हुई। हमारे साथी कहीं न कहीं छिप गए थे।

नक्सली एक-एक व्यक्ति से पूछ रहे थे कि महेंद्र कर्मा कौन हैं। एक चट्टान के पीछे कवासी काखमा छिपे हुए थे। जिन्हें पकड़ कर ले गए फिर बाद में छोड़ दिए। दिनेश पटेल की भी हत्या कर दी गई। महेंद्र कर्मा जिसे हम बस्तर टाइगर कहते थे। एक-एक कर सब उन्हें मार रहे थे तो उन्होंने कहा कि गोलियां चलाना बंद करो, बेकसुरों को मारना बंद करो। मैं हूं महेंद्र कर्मा। 85 बार उनके शरीर को गोदा गया। लेकिन, महेंद्र कर्मा ने माफी नहीं मांगी उन्होंने अपना बलिदान दे दिया। अपने लिए नहीं बल्कि, बस्तर, और देश के लिए खुद को कुर्बान कर दिया।

स्कूल में 6वीं के छात्र की हत्या

रायगढ़, 25 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में आठ साल के एक छात्र की स्कूल में हत्या कर दी गई। उसका खून से लथपथ शव गुरुवार को कैंपस के ही निर्माणाधीन भवन में मिला है। बच्चा इसी स्कूल में 6वीं कक्षा में पढ़ता था और बुधवार शाम से लापता था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची हुई है और मामले की जांच की जा रही है। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। स्कूल कैंपस में बच्चे को घसीटने के निशान भी मिले हैं। मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। हीरालाल चौहान का आठ साल का बेटा गांव के ही शासकीय प्राथमिक स्कूल में 6वीं कक्षा में पढ़ता था।

आईईडी धमाके में ग्रामीण की मौत

जंगल पर निर्भर है गांव वालों की जिंदगी जहां बिछी है मौत, पत्नी संग तेन्दू पत्ता तोड़ने गया था कांगे लागूरी

कोल्हान, 25 मई (एजेंसियां)। कोल्हान इलाके में नक्सलियों के बिछाए आईईडी की चपेट में आने से एक और ग्रामीण की मौत हो गयी। केन्दू पत्ता तोड़ने जंगल गये कांडे लागूरी आईईडी की चपेट में आ गये। घटना बुधवार के दोपहर दो बजे टोन्टो थाना क्षेत्र के लुईया गांव के जंगली इलाके में घटी है। इन इलाकों के जंगलों में अब भी आईईडी बम बिछे हैं। यह पहली घटना नहीं है इससे पहले भी 7 से ज्यादा लोगों ने आईईडी बम की चपेट में आकर कोल्हान के इलाकों में अपनी जान गंवा दी है।

कांडे लागुरी की उम्र लगभग 50 वर्ष थी। कांडे अपनी पत्नी के साथ केन्दू पत्ता तोड़ने जंगल गये थे। अचानक धमाका हुआ और उनकी मौत हो गयी। चाईबासा पुलिस को जब सुचना मिली तो स्थानीय लोगों के सहयोग से सीआरपीएफ 193 और बटालियन की टीम ने आपसी सहयोग उन्हें जंगली इलाके से बाहर निकाला पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेज दिया। चाईबासा पुलिस ने इस घटना के बाद गहरी संवेदना व्यक्त की है।

पश्चिमी सिंहभूम जिले के सुदूरवर्ती इलाकों में नक्सलियों की ओर से जगह-जगह आईईडी बम लगाए गये हैं। इन आईईडी का शिकार ग्रामीण हो रहे हैं। विस्फोट की घटना में कई ग्रामीणों की मौत भी हो चुकी है। हाल में ही एक बच्चे की प्रेशर आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से मौत हो गयी थी। टोन्टो थाना क्षेत्र के रेंगड़ाहातु गांव में यह घटना घटी थी। अब तक कई लोग इस हमले का शिकार हुए हैं। नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों से बचने के लिए लगाये गये आईईडी बम की चपेट में ना सिर्फ ग्रामीण आ रहे हैं बल्कि कई जानवरों की भी मौत हो रही है। इन इलाकों से अक्सर मारे गये लोगों की जानकारी सामने आने में वक्त लगता है, ऐसे में जावनरों की मौत की खबर जंगल के अंदर ही दबी रह जाती है।

पश्चिमी सिंहभूम के कई इलाकों में स्थानीय लोगों का जीवन पूरी तरह से जंगल पर निर्भर है। ऐसे में जंगल में मौत बिछी होने के बाद भी लोग इसका रुख कर रहे हैं क्योंकि जंगल के बगैर इनका जीवन यापन करना मुश्किल है।

सुरक्षा बल लगातार इन इलाकों में सर्च अभियान चला रहे हैं लेकिन ग्रामीणों की हो रही मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है।

दोस्त को चाकू से गोदकर मार डाला

जगदलपुर, 25 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक युवक ने अपने दोस्त पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि वारदात से कुछ देर पहले तक दोनों साथ में बैठे थे और जमकर ठहाके लगा रहे थे, फिर किसी बात पर दोनों के बीच विवाद में एक युवक ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, जगदलपुर से लगे पनारा पारा में एक बरगद के पेड़ के नीचे दो युवक अर्जुन बघेल (45) और भारत चौरसिया (48) बैठे हुए थे। बताया जा रहा है कि, दोनों नशे में चूर थे। पहले दोनों काफी देर तक साथ बैठकर हंसी मजाक कर रहे थे।

बदला झारखंड में मौसम का मिजाज

अगले चार दिनों तक तेज हवा के साथ बारिश की संभावना और गिरेगा पारा

रांची, 25 मई (एजेंसियां)। कल रात 9 बजे के आसपास रांची के आसपास इलाके में जोरदार बारिश हुई। अचानक हुई बारिश से तापमान में थोड़ी राहत मिली लेकिन 25 मई की सुबह फिर तेज धूप ने यह संकेत दे दिए हैं कि इतनी जल्दी राहत नहीं मिलेगी लेकिन झारखंड के कई शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है। मौसम विभाग ने 27 मई तक राहत की संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक रांची समेत राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहेंगे, तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने वज्रपात और ओलावृष्टि का भी अनुमान लगाया है। मौसम विभाग के अनुसार, 26 मई को संताल के कई इलाकों में बारिश होगी। पश्चिमी विक्षोभ से पलामू और उत्तरी झारखंड में भी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी से आनेवाली हवा के कारण मौसम में बदलाव के संकेत दिए हैं।

27 मई तक दिखेगा मौसम में बदलाव का असर

मौसम में आये इस बदलाव का असर 27 मई तक रहने की संभावना है। बुधवार को राज्य में सर्वाधिक तापमान के आंकड़े पर नजर डालें तो मेदिनीनगर का 41.0 डिग्री रहा। तापमान में आयी गिरावट को समझना हो तो इसके दो पहले के आंकड़े पर नजर डालें तो 44.9 था। रांची के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गयी है। बुधवार को अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री दर्ज किया गया है।

यूपी-पंजाब समेत 5 राज्यों के छात्र ऑस्ट्रेलिया में बैन

यूनिवर्सिटीज का एडमिशन से इनकार, बोलीं- स्टूडेंट वीजा पर आते हैं और नौकरी करने लगते हैं

कैनबरा, 25 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की कई यूनिवर्सिटीज ने भारत के 4 राज्यों और यूटी जम्मू-कश्मीर के छात्रों के एडमिशन पर बैन लगा दिया है। ऑस्ट्रेलियन न्यूज पेपर सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की 2 बड़ी यूनिवर्सिटी ने अपने एजुकेशन एजेंट्स को पिछले हफ्ते एक लेटर लिखा था। इसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के छात्रों का दाखिला नहीं करने का निर्देश दिया गया था।

ऑस्ट्रेलिया का होम अफेयर डिपार्टमेंट लगातार कश्मीर समेत इन 4 राज्यों के छात्रों की वीजा एप्लिकेशन खारिज कर रहा है। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया की 4 यूनिवर्सिटी ने भारतीय छात्रों पर आरोप लगाए थे कि वो स्टूडेंट वीजा का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। कहा था- लोग स्टूडेंट वीजा लेकर पढ़ने की बजाय नौकरी के लिए ऑस्ट्रेलिया आ रहे हैं।

चार स्टूडेंट वीजा में एक फ्रॉड, दाखिले की पॉलिसी सख्त होगी

वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ने बताया कि 2022 में कई भारतीय छात्रों ने दाखिले कराए, लेकिन पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। यूनिवर्सिटी ने एजेंट्स को बताया कि ऐसा करने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट्स पंजाब, गुजरात और हरियाणा से हैं। इन राज्यों के छात्रों पर लगा बैन जून तक जारी रहेगा।

आगे ऐसा होने से रोकने के लिए दाखिले की पॉलिसी को और सख्त बनाया जा रहा है। होम अफेयर्स डिपार्टमेंट की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत से आने वाली हर 4 में से 1 स्टूडेंट वीजा की एप्लिकेशन फ्रॉड है। इसके चलते ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई के लिए लगाई जाने वाली एप्लिकेशन का रिजेक्शन रेट भी बढ़ कर 24.3% हो गया है। जो पिछले 13 सालों में सबसे ज्यादा है। सिडनी हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी विदेशों छात्रों के दाखिले के लिए पूरी तरह एजेंट्स पर निर्भर है। दाखिले के लिए स्टूडेंट और यूनिवर्सिटी दोनों एजेंट्स को अप्रोच करते हैं। जिसके बदले यूनिवर्सिटी एजेंट्स को मोटा कमीशन देती हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने विदेश स्टूडेंट्स के काम करने की पॉलिसी में अहम बदलाव किया था। जिसके बाद से स्टूडेंट वीजा की मांग और तेज हुई । दरअसल, नए बदलाव के तहत ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने जाने वाले विदेशी छात्रों के काम करने पर लगी लिमिट को हटा दिया गया था। यानी अब छात्र कितने घंटे भी काम कर सकते हैं। हालांकि, अब इस पॉलिसी को फिर से बदलने की तैयारी हो रही है। अल्बनीज सरकार फिर से छात्रों के काम करने के समय पर पाबंदी लगाने जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीएम मोदी ने कहा था- छात्र दोनों देशों को करीब ला रहे

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्रों पर बैन लगाने के मामले ने उस वक्त तूल पकड़ा है, जब एक दिन पहले बुधवार को ही प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया से 2 दिन की यात्रा कर भारत वापस लौटे हैं। सिडनी में 20 हजार लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि स्टूडेंट्स दोनों देशों को और करीब ला रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया था कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक-दूसरे की एजुकेशन डिग्रियों को मान्यता देने पर बातचीत आगे बढ़ी है।

भारत में टीबी के मामलों में आई कमी

स्विट्जरलैंड में बोले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

बर्न, 25 मई (एजेंसियां)। ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) एक घातक रोग है, जिसके कारण हर साल दुनियाभर में लाखों लोगों की मौत हो जाती है। एक आंकड़े के मुताबिक, साल 2021 में टीबी से कुल 16 लाख लोगों की मृत्यु हुई थी। वहीं, भारत ने 2025 तक टीबी को खत्म करने का लक्ष्य बनाया है। इसी को लेकर, भारत ने एक ऐसा उपकरण तैयार किया है, जिससे तपेदिक यानी टीबी के मामले का अनुमान लगाया जा सके। स्विट्जरलैंड के जिनेवा में 76वीं विश्व स्वास्थ्य संगठन की सभा (डब्ल्यूएचओ) की शुरुआत हुई है। इस दौरान यहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जिसने टीबी का अनुमान लगाने के लिए उपकरण तैयार किया है। वहीं उन्होंने बताया कि भारत में टीबी के मामलों में कमी दर्ज की गई है। मंडाविया के अनुसार, देश में साल 2015 से 2022 तक टीबी के मामलों में 13

प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। वहीं, 10 प्रतिशत की वैश्विक कमी दर को पार कर गया है। इसके अतिरिक्त, इसी अवधि के दौरान भारत में टीबी मृत्यु दर में 15 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं, वैश्विक स्तर से तुलना करने पर मौतों की दर में करीब 5.9 प्रतिशत की कमी देखी गई है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र देश है, जिसने टीबी के मामले का अनुमान लगाने के लिए अपना तंत्र विकसित किया है। मंडाविया ने कहा कि भारत अब विश्व स्वास्थ्य संगठन की वार्षिक रिपोर्ट से काफी पहले बीमारी का सही आंकड़ा पता कर सकता है। उन्होंने वैश्विक सतत विकास लक्ष्य से पांच साल पहले 2025 तक टीबी को खत्म करने के प्रयास में भारत के समर्पण की सराहना की है। मंडाविया ने कहा कि हमने मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए 1.5 लाख से अधिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। यहां तक कि दूरदराज के क्षेत्रों में भी सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज सुनिश्चित करता है। मंत्री ने टीबी के खिलाफ लड़ाई में एक प्रभावी टीका विकसित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि इस बीमारी को खत्म करने के लिए दुनिया को अधिक से अधिक सहयोग के साथ काम करने की जरूरत है ताकि नवीनतम निदान और उपचार के विकल्पों तक समान पहुंच सुनिश्चित हो सके।

ताइवान को बचाने के लिए जिस एयरबेस पर निर्भर अमेरिका

चीन ने उसी के कंप्यूटर सिस्टम्स को बनाया निशाना

वॉशिंगटन, 25 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के लिए रूस के बाद अब चीन के हैकर बड़ी समस्या बन गए हैं। हाल ही में एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि जिस दौरान अमेरिका ने चीन के जासूसी गुब्बारों को मार गिराया और उनके डेटा की जांच शुरू की, ठीक उसी दौरान अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई और टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट को चीन के हैकरों की ओर से अमेरिका के कई राज्यों में हैकिंग की कोशिशों की खबर मिली थी। चिंता की बात यह थी कि जिस कंप्यूटर कोड को हैकरों ने अमेरिकी सिस्टम्स में डालना शुरू किया, वह गुआम के टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम में भी पाया गया। यह बात डराने वाली इसलिए भी है, क्योंकि गुआम अमेरिका के सबसे बड़े एयरबेसों में शामिल है, जिसके नियंत्रण में प्रशांत महासागर में सबसे अहम बंदरगाह आते हैं।

चीन सरकार से जुड़ा है कोड डालने वाला हैकिंग समूह

माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक, इस कोड को अमेरिकी सिस्टम्स में चीन की सरकार से जुड़े एक हैकिंग समूह ने डाला था। उसकी इस कोशिश की जानकारी मिलने के बाद अमेरिकी सुरक्षा विभाग में हलचल मच गई। दरअसल, अफसरों का कहना है कि यह एयरबेस अमेरिका और एशिया के बीच सुरक्षा के लिहाज से पुल का काम करता है। यानी ताइवान पर अगर चीन की ओर से कोई हमला किया जाता है, तो गुआम एयरबेस अमेरिकी सैन्य प्रतिक्रिया का सबसे अहम केंद्र होगा।

हालांकि, चीन की ओर से गुआम की सुरक्षा प्रणाली को निशाना बनाने के बाद यह चिंता जताई जा रही है कि किसी भी तरह की युद्ध की स्थिति में चीनी हैकर्स अमेरिका के एयरबेसों को निशाना बनाकर उसे नेस्तनाबूत करने की कोशिश कर सकते हैं।

ट्रेसिंग से बचाने के लिए अपनाई यह तकनीक

माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक, चीनी हैकरों ने गुआम और बाकी राज्यों में अलग-अलग सिस्टम्स में हैकिंग कोड डालने के लिए जबरदस्त चालाकी की। इसे चोरी-छिपे कुछ सिस्टम्स में डाला गया और यह अलग-अलग घरों के राउटर्स और अन्य इंटरनेट से जुडे. डिवाइसेज से भी होकर गुजरा, जिससे इसे ट्रैक करना भी काफी मुश्किल हो गया। खुफिया विभाग के मुताबिक, इस कोड का नाम 'वेब शेल' था। इसकी स्क्रिप्टिंग की वजह से हैकर्स इसे कहीं दूर बैठकर भी ऑपरेट कर सकते हैं। चूंकि घरों में लगे राउटर्स खास तौर पर पुराने मॉडल्स, जिनमें सॉफ्टवेयर भेदने में आसान होते हैं। इसलिए यह कोड कई सिस्टम्स को निशाना बना सकता है।

कोड से दूसरे देशों के हथियार इस्तेमाल कर सकता है चीन

माइक्रोसॉफ्ट ने इस हैकिंग कोड की जानकारी भी प्रकाशित की है। बताया गया है कि इस हैकर समूह का नाम 'वोल्ट टाइफून' है। इस समूह को चीन की ओर से ही दूसरे देशों के अहम टेक इंफ्रास्ट्रक्चर- जैसे संचार, विद्युत और गैस से जुड़े संसाधनों को निशाना बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। इतना ही नहीं इसे नौसैनिक अभियानों और परिवहन व्यवस्था को भी बिगाड़ने के लिए कहा गया है। गुआम में हुई घटना को अमेरिकी अधिकारियों ने जासूसी से जुड़ा मुद्दा माना है। हालांकि, यह भी कहा गया है कि चीन के हैकर इस कोड को सिस्टम्स का सुरक्षा घेरा तोड़ने और इसके बाद तबाही वाले हमले कराने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

अमेरिकी संसद में हिंसा फैलाने पर 4.5 साल की जेल

वॉशिंगटन, 25 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में कैपिटल हिल यानी संसद में हिंसा के दौरान पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी के ऑफिस में डेस्क पर पैर रखकर बैठने वाले आरोपी को साढ़े 4 साल जेल की सजा सुनाई गई है। अर्कान्सास के रहने वाले 63 साल का रिटायर्ड फायरफाइटर रिचर्ड बिगो बार्नेट 6 जनवरी 2021 को हुई कैपिटल हिंसा में शामिल था। तब वो हाथ में एक स्टन गन और 4.5 किलो का स्टील का डंडा लेकर पेलोसी के ऑफिस में दाखिल हुआ था। पेलोसी की डेस्क पर पैर रखे हुए बार्नेट की तस्वीर तेजी से वायरल हुई थी। इसके अलावा उसने एक ऑफिशियल लेटर पर पेलोसी के लिए नोट भी लिखा था। इस मामले में उस पर 8 चार्ज लगाए गए थे।

इनमें गुंडागर्दी और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप शामिल थे। इस साल जनवरी में बार्नेट को सभी आरोपों में दोषी पाया गया था। कोर्ट में कार्यवाही के दौरान उसने कहा कि वो अपनी गलती मानता है लेकिन ये उसने जानबूझकर नहीं किया था।

पहली बार मंगल ग्रह से पृथ्वी पर भेजा गया सिग्नल

16 मिनट में रिसीव हुआ, साइंटिस्ट्स ने इसे डीकोड करने के लिए लोगों से मदद मांगी

ब्रुसेल्स, 25 मई (एजेंसियां)। पहली बार मंगल ग्रह से पृथ्वी पर सिग्नल भेजा गया है। ये सिग्नल किसी एलियन ने नहीं बल्कि यूरोपियन स्पेस एजेंसी के एक्सोमार्स ट्रेस गैस ऑर्बिटर ने भेजा है। ये सिग्नल मार्स के ऑर्बिट में घूम रहे टीजीओ ने 24 मई को रात 9 बजे भेजा, जो 16 मिनट बाद पृथ्वी पर रिसीव हुआ। ये एक्सपेरिमेंट 'ए साइन इन स्पेस' प्रोजेक्ट के तहत किया गया। इस प्रोजेक्ट का मकसद ही ये है कि अगर किसी दूसरे ग्रह या एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल सिविलाइजेशन (एलियन्स) से हमारी धरती पर कोई सिग्नल भेजा जाएगा तो उसे हम रिसीव कर पाएंगे या नहीं।

एलियन्स से मैसेज मिलना हमारे लिए परिवर्तनकारी अनुभव होगा : साइंटिस्ट

टीजीओ से भेजे गए सिग्नल को वेस्ट वर्जीनिया के ग्रीन बैंक टेलीस्कोप, इटली के मेडिसिना रेडियो एस्ट्रोनॉमिकल स्टेशन, कैलिफोर्निया के एलन टेलीस्कोप ऐरे और न्यू मैक्सिको के वेरी लार्ज ऐरे ने रिसीव किया था।

वहीं, सर्च फॉर एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस इंस्टीट्यूट (एसईटीआई) के साइंटिस्ट और 'ए साइन इन स्पेस' प्रोजेक्ट के चीफ डेनिएला डी पॉलिस ने कहा- हमने हमेशा शक्तिशाली और परिवर्तनकारी घटनाओं का मतलब ढूंढने की कोशिश की है। एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल सिविलाइजेशन (एलियन्स) से सिग्नल या मैसेज मिलना पूरी मानव जाति के लिए एक बड़ा परिवर्तनकारी अनुभव होगा।

सिग्नल डीकोड करने के लिए लोगों से मदद मांगी

डी पॉलिस ने इंटरनेशनल एक्सपर्ट्स और स्पेस साइंटिस्ट्स की अपनी टीम के साथ मिलकर लोगों से मंगल ग्रह से मिले इस सिग्नल को डीकेड करने के लिए मदद मांगी है। उनके मुताबिक, डिकोडिंग की प्रोसेस से पता चलेगा कि आखिर पृथ्वी पर भेजे गए सिग्नल या मैसेज में क्या लिखा है। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि डी पॉलिस और उनकी टीम ने इस सिग्नल या मैसेज को डीकोड करने के लिए एक दूसरा प्रोजेक्ट बना लिया है। साथ ही सिग्नल या मैसेज को डीकोड कर लिया है।

इमरान समर्थक न्यूज एंकर की गुमशुदगी का मामला उलझा

पुलिस के बाद आईएसआई ने कहा- रियाज हमारी कस्टडी में नहीं, एक और जर्नलिस्ट अगवा

इस्लामाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कट्टर समर्थक न्यूज एंकर इमरान रियाज खान की गुमशुदगी का मामला और उलझ गया है। गुरुवार को लाहौर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान पंजाब पुलिस के आईजी ने कहा- वो आईएसआई और मिलिट्री इंटेलिजेंस की कस्टडी में भी नहीं है। रियाज की फैमिली का आरोप है कि 9 मई को हुई हिंसा के बाद 11 मई को रियाज को सियालकोट एयरपोर्ट से उठाया गया था। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं है। पुलिस पहले ही कह चुकी है कि रियाज मुल्क के किसी भी थाने में नहीं है। इस बीच, इमरान खान के एक और समर्थक न्यूज एंकर समी इब्राहिम को भी अगवा कर लिया गया है। समी की फैमिली ने इस बारे में एफआईआर दर्ज करा दी है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान लाहौर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

आमिर भट्टी ने पुलिस से पूछा- आपने रियाज की लोकेशन के बारे में पता लगा लिया या नहीं। इस पर पुलिस ने कहा- हमने आपको पिछली सुनवाई में ही बता दिया था कि रियाज मुल्क के किसी भी थाने में मौजूद नहीं है। पुलिस ने आगे कहा- हमने इस बारे में आईएसआई और मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) से भी जानकारी मांगी थी। उन्होंने बता दिया है कि रियाज उनकी कस्टडी में भी नहीं है। अब वो कहां है, इस बारे में हमारे पास जानकारी नहीं है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा- अदालत की यह संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वो हर नागरिक के बुनियादी अधिकारों की हिफाजत करे। रियाज के पिता भी अदालत में मौजूद थे। उन्होंने चीफ जस्टिस से कहा- मेरे बेटे को सच बोलने की सजा दी जा रही है। जस्टिस भट्टी ने रियाज के पिता की तरफ से पेश हुए वकील से कहा- आपके पास रियाज की गुमशुदगी से जुड़ी जो भी जानकारी और सबूत हैं, वो आज ही पुलिस के पास जमा कीजिए।

एटीएफआई प्रमुख शांडिल्य ने पंजाब के राज्यपाल को दिया ज्ञापन

किसी कीमत पर खालिस्तान आतंकवादियों को नहीं होने देंगे रिहा

अमृतपाल पर शिकंजा कसने व खालिस्तान मुहिम को खत्म करने पर राज्यपाल को देंगे शांतिदूत अवार्ड

चंडीगढ़, 25 मई (एजेंसियां)। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य के नेतृत्व में फ्रंट का शिष्टमंडल पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से पंजाब राज भवन में मिला और तक़रीबन आधे घंटे तक शांडिल्य व राज्यपाल के बीच अहम चर्चा हुई।

इस अवसर पर फ्रंट के राष्ट्रीय महासचिव अंकुश उप्पल, राष्ट्रीय महासचिव गुरशरण सिंह बिट्टू, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र बिट्टू जट्टू, पंजाब प्रभारी एडवोकेट अंकुर शर्मा मौजूद रहे । शांडिल्य ने राज्यपाल को बताया कि पिछले कई महीनों से चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर कौमी इंसाफ मोर्चा,खालिस्तानी समर्थक, कट्टरपंथी, जरनैल सिंह भिंडरावाला समर्थक व बब्बर खालसा के जो आतंकवादी जेल में बंद है, उनकी रिहाई की मांग को लेकर रोड पर कब्जा किया हुआ है और धरने के आसपास

जरनैल सिंह भिंडरावाला, आतंकवादी जगतार सिंह हवारा, आतंकवादी बलवंत सिंह राजोआना, आतंकवादी परमजीत सिंह भयौरा, आतंकवादी देवेंद्र सिंह भुल्लर के पोस्टर लगाकर धरने पर बैठे हैं जो उन शहीदों का अपमान है जिन शहीदों को इन आतंकवादियों ने मौत के घाट उतारा है। शांडिल्य ने कहा यही नहीं कौमी इंसाफ मोर्चा का यह धरना सरकार को, प्रशासन को, देश की जनता को सिख भाईचारे को गुमराह करने के लिए लगाया गया है। इस मोर्चे को बंदी सिखों की रिहाई का नाम दिया गया। जबकि बंदी सिखों की रिहाई के नाम पर कुख्यात आतंकवादियों की रिहाई की मांग कर भारत के संविधान, भारतके कानून को चुनौती दी जा रही है। शांडिल्य ने राज्यपाल को दिए ज्ञापन में कहा कि यह धरना गैर कानूनी, गैरसंवैधानिक व पंजाब की अमन और शांति के लिए आने वाले दिनों में बहुत बड़ा खतरा बन सकता है।

वीरेश शांडिल्य ने कहा राज्यपाल मुख्यमंत्री भगवंत मान, पंजाब पुलिस व पंजाब के मुख्य सचिव व पंजाब के डीजीपी से लिखित जवाब मांगे कि क्या कौमी इंसाफ मोर्चा के धरने पर जरनैल सिंह भिंडरावाला व बब्बर खालसा के आतंकवादियों के चित्र नहीं लगे हुए और क्या इन आतंकवादियों की फोटो जिला प्रशासन की अनुमति से लगाई हुई है।

एटीएफआई प्रमुख शांडिल्य ने राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से अहम मांग करते हुए कहा कि जो भी आतंकवादी पंजाब की जेलों में या तिहाड़ की जेलों में बंद है उन्हें तुरंत डिब्रुगढ़ जैसी जेलों में भेजा जाए ताकि यह कोई साजिश न कर पाएं और इस बात का भी पता लगाया जाएं कि जगतार सिंह हवारा जैसे आतंकवादियों के पत्र बाहर कैसे आते हैं, उन जेल अधीक्षकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएं।

वीरेश शांडिल्य ने कहा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्यपाल पंजाब बनवारी लाल पुरोहित व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ज्वाइंट हैंड होकर पंजाब को बचाया और खालिस्तानी आतंकवादी अमृतपाल सिंह व उसके तमाम साथियों को गिरफ्तार किया जिसके लिए एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया पंजाब के राज्यपाल का आभार व्यक्त करता है और उन्हें राष्ट्रभक्त की उपाधि देता है और जल्द ही एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के सैकड़ों कार्यकर्ता पंजाब के राज्यपाल को पंजाब शांति दूत का अवार्ड देगी।

अपाहिज व्यक्ति 12 साल बाद फिर चलने लगा!

दिमाग में डिजिटल ब्रिज की यह तकनीक बदल सकती है दुनिया

बर्न, 25 मई (एजेंसियां)। तकनीक की वजह से तेजी से दुनिया बदल रही है। अब एक ऐसी तकनीक आई है, जिसके बारे में आपको जानकर सुखद आश्चर्य होगा। बता दें कि नीदरलैंड्स में एक व्यक्ति एक हादसे की वजह से अपाहिज हो गया और चलने फिरने में असमर्थ था। अब वैज्ञानिकों ने ब्रेन इंप्लांट्स की मदद से कुछ ऐसा किया है, जिसकी वजह से वह अपाहिज शख्स ना सिर्फ अपने पैरों पर खड़ा हो पा रहा है बल्कि चल रहा है और सीढ़ियां भी चढ़ रहा है! मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्विटजरलैंड में इकोले पॉलीटेक्निक फेडेरल डे लुसाने (ईपीएफएल) नामक संस्थान के न्यूरोसाइंटिस्ट ने एक वायरलेस डिजिटल ब्रिज बनाया है, जिसकी मदद से हमारे दिमाग और हमारी स्पाइनल कोर्ड (रीढ़ की हड्डी) के बीच के खोए हुए कनेक्शन को फिर से स्थापित किया जा सकता है। डिजिटल ब्रिज, ब्रेन-स्पाइन के बीच एक इंटरफेस के रूप में काम करता है। कई बार रीढ़ की हड्डी या दिमाग में चोट की वजह से ब्रेन-स्पाइन के बीच का यह कनेक्शन टूट जाता है, जिसकी वजह से लोग अपने पैरों पर खड़े होने और चलने-फिरने की ताकत खो देते हैं।

अब डिजिटल ब्रिज तकनीक से फिर से यह कनेक्शन कायम करने में मदद मिली है। इसी का नतीजा है कि 12 साल पहले एक मोटरबाइक हादसे में चलने फिरने की क्षमता खो चुके नीदरलैंड्स के 40 वर्षीय गर्ट जान ओसकाम नामक व्यक्ति फिर से चल फिर पा रहा है।

इस तकनीक को विकसित करने वाली टीम में शामिल रहे ग्रेगरी कोर्टिने ने बताया कि हमने दिमाग और स्पाइन के बीच एक वायरलेस इंटरफेस बनाया है। इसके लिए ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस तकनीक की मदद ली गई है, जिससे हमारे विचार, एक्शन में तब्दील हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि तकनीक की मदद से दिमाग स्पाइन के उस क्षेत्र को संदेश भेजेगा, जो हमारे चलने-फिरने के लिए जिम्मेदार है, जिससे इंसान फिर से अपने पैरों पर चल सकेगा।

ईरान ने बनाई 2,000 केएम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल

अमेरिका-इजराइल के बेस तक पहुंचने में सक्षम, फारस की खाड़ी में युद्धपोतों पर तैनात

तहरान, 25 मई (एजेंसियां)। ईरान ने 2 हजार किलोमीटर की रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग की है। ईरान का दावा है कि ये मिसाइल मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिका और इजराइल के बेस तक पहुंचने में सक्षम है। अमेरिका और यूरोप की तरफ से लगातार विरोध के बाद भी ईरान ने कहा है कि वो अपने मिसाइल प्रोग्राम को विकसित करता रहेगा। ईरान के रक्षा मंत्री मोहम्मदरेजा अश्तियानी ने कहा- ये हमारे दुश्मनों के लिए संदेश है कि हम हर हाल में अपनी रक्षा करेंगे। वहीं हम अपने दोस्तों को बताना

चाहते हैं कि क्षेत्र में शांति के लिए हम हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। ईरान की स्टेट न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने बताया कि खैबर नाम की ये मिसाइल 1500 किलोग्राम तक का वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। इस मिसाइल को फारस की खाड़ी में गश्त करने वाले युद्धपोतों और पनडुब्बियों पर तैनात किया गया है। नौसेना का कहना है कि खाड़ी में दुश्मन के जहाजों की गतिविधियों पर ईरान की आर्म्ड फोर्स आईआरजीसी लगातार नजर बनाए हुए है। यह बैलिस्टिक मिसाइल अमेरिका के टॉमहॉक से भी ज्यादा दूरी तक मार करने में सक्षम है। कुछ दिन पहले ही न्यूज एजेंसी एपी की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ईरान अपनी न्यूक्लियर फैसिलिटी को इजराइल और अमेरिका के हमले से बचाने की पूरी कोशिश कर रहा है। वो अब पहाड़ी इलाके में जमीन के नीचे परमाणु हथियार बना रहा है। इसकी सैटेलाइट तस्वीरें भी सामने आई थीं। इसमें ईरान के वर्कर्स जागरोस के पहाड़ों में टनल खोदते दिखाई दे रहे थे। ये जगह ईरान की न्यूक्लियर साइट नातांज के बिल्कुल करीब है, जो लगातार पश्चिमी देशों के हमले का शिकार होते आ रही है।

गहलोत बोले- हमारे यहां सब अनुशासन से होता है

पायलट के अल्टीमेटम पर भी दिया जवाब, मोदी पर साधा निशाना

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। करप्शन और पेपर लीक के मुद्दे पर राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के अल्टीमेटम में अब एक सप्ताह का वक्त बचा है। अल्टीमेटम को लेकर पहली बार सीएम अशोक गहलोत ने बुधवार को बयान दिया है। गहलोत ने कहा- मीडिया बातों को ज्यादा फैला देता है। हम उस पर बिलीव नहीं करते हैं। हम मानते हैं कि पूरी कांग्रेस एकजुट होकर लड़े। हम चुनाव जीतकर आएंगे।

गहलोत जयपुर स्थित बिड़ला ऑडिटोरियम में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा- हमारे यहां तो अनुशासन होता है। एक बार हाईकमान जो तय कर देता है, उस फैसले को सब मानते हैं। पहले सोनिया थीं, अब खड़गे साहब हैं। राहुल गांधी हैं। ये जब एक बार फैसला कर लेते हैं तो सभी लोग उनके फैसले को मानते हैं और सब अपने-अपने काम पर लग जाते हैं।

कांग्रेस की 26 मई को दिल्ली में होने वाली बैठक पर गहलोत ने कहा- हर राज्य की मीटिंग बुलाई गई है। हम चाहेंगे कि सब अपने-अपने सुझाव देंगे। उसके बाद हाईकमान के जो निर्देश होंगे, वह मानेंगे। मैं उम्मीद करता हूं वहां से डिस्कशन होगा, उसमें हो सकता है कर्नाटक में हमारे अनुभव पर भी चर्चा होगी। प्रेजेंटेशन भी होंगे। सब मिलाकर जो फैसले होंगे उसको हम सब लोग मानेंगे और आगे बढ़ेंगे। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तिरंगा झंडा बुलंद हो यह जनहित में है और देशहित में भी है।

पीएम मोदी के चुनावी राज्यों के दौरे पर जाने को लेकर गहलोत ने कहा- मोदी बार-बार चुनावी राज्यों में जाते हैं। पहले इस तरह की अप्रोच किसी प्रधानमंत्री की नहीं थी। पहले राज्यों में प्रधानमंत्री कैंपेन के लिए बहुत कम जाते थे। इनका बस चले तो उप चुनाव में चले जाएं। इनका बस चले तो नगर निगम के चुनाव में चले जाएं। हैदराबाद में नगर निगम के चुनाव थे। अमित शाह चुनाव में मुख्य किरदार बन कर गए और रोड शो किया। मैंने खुद देखा। मोदी उसी दिन उसी जिले में मैसेज देने के लिए गए कि मैं भी यहीं हूं ताकि बीजेपी को फायदा मिले।

गहलोत ने कहा- बीजेपी के पास फंड की कमी नहीं है। ये यही करेंगे। फंड केवल बीजेपी को ही मिलता है। हमारे ऊपर रोक लगी हुई है। कांग्रेस को कोई चुनावी चंदा दे तो जेल जाओ। सीबीआई, ईडी, आईटी घर पहुंच जाएगी। यह हालत बनी हुई है। चंदा तो सिर्फ बीजेपी के पास आना है। फिर भी कर्नाटक की जनता ने इनको सबक सिखा दिया है। खाली चंदे से, धन-दौलत खर्च करने से सरकारें नहीं बनती हैं। यह जो कर्नाटक ने रास्ता दिखाया है, यह रास्ता पूरे देश के हर राज्य में पब्लिक इनको दिखाएगी। जनता को मालूम है। कांग्रेस के पास तो कोई फंड नहीं है। हमें मामूली फंड से काम चलाना पड़ेगा। इनके पास फंड की कोई कमी नहीं है। यह माहौल पूरे देश में बनेगा। चंदे पर इन्होंने जो रोक लगाई है इनको खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

गहलोत-पायलट की खींचतान पर रंधावा बोले-हम कंट्रोल करेंगे

कहा- पायलट ने कांग्रेस को अल्टीमेटम नहीं दिया,कल की बैठक में शामिल होंगे सचिन

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस में सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बीच जारी सियासी जंग को प्रदेश प्रभारी ने कंट्रोल करने का दावा किया है। चुनावी साल में कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई को रंधावा ने कंट्रोल करने की बात कही है। रंधावा ने कहा- जिस पार्टी जिस घर में कुछ होता है लड़ाई उसी में होती है। जिस पार्टी, जिस घर में कुछ होता नहीं है तो उसमें तो क्या होगा? लड़ाई को हम कंट्रोल करेंगे। रंधावा जयपुर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

दिल्ली में कल चुनावी रणनीति तय करने के लिए बुलाई गई कांग्रेस की बैठक में सचिन पायलट के शामिल होने के सवाल पर रंधावा ने कहा- इस पर आपको कोई शक है? वे कांग्रेस पार्टी के नेता नहीं हैं क्या? कल आप बैठक में देख लेना जवाब मिल जाएगा।

पायलट ने कांग्रेस को अल्टीमेटम नहीं दिया

सचिन पायलट के अल्टीमेटम पर रंधावा ने कहा- पायलट ने कांग्रेस को कोई अल्टीमेटम नहीं दिया है। जिन्हें अल्टीमेटम दिया है वे इसका जवाब देंगे। मुझे अभी तक कोई अल्टीमेटम नहीं मिला है। अगर कांग्रेस हाईकमान को पायलट अल्टीमेटम देते तो मैं जवाब देता।

दिल्ली में कल विधानसभा चुनाव की रणनीति तय करने के लिए बैठक

कांग्रेस ने कल दिल्ली में चुनावी राज्यों के नेताओं की बैठक बुलाई है। इसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान के चुनावों पर प्रमुखता से चर्चा होगी। प्रभारी रंधावा ने कहा कि कल एआईसीसी में चार राज्यों की बैठक है, चारों राज्यों की चुनावी रणनीति पर बात होगी। बैठक में सीएम अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, चारों सहप्रभारी सहित कई नेता भाग लेंगे। प्रभारी ने सचिन पायलट के भी इस बैठक में भाग लेने का दावा किया है।

रंधावा के बयान के सियासी मायने, पायलट के मुद्दे पर सुलह का रास्ता निकालने के संकेत

सचिन पायलट की यात्रा और इसके बाद 15 मई की सभा में अल्टीमेटम देने के मामले में प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा लगातार इस मुद्दे पर संतुलित बयान ही दे रहे हैं।

रंधावा के इन बयानों से पायलट के मामले में हार्ड लाइन लेने की जगह बीच का रास्ता निकालकर सुलह करवाने के संकेत मिल रहे हैं। सीएम अशोक गहलोत भी पायलट पर आक्रामक होने की जगह एकजुट होकर चुनाव लड़ने और सरकार रिपीट करने की बातें कर रहे हैं। सीएम और प्रभारी के बयानों से सुलह का रास्ता निकालने के संकेतों के तौर पर देखा जा रहा है।

गहलोत ने कहा था-पूरी कांग्रेस एकजुट होकर लड़े

सचिन पायलट के अल्टीमेटम के बारे में गहलोत ने कल कहा- मीडिया बातों को ज्यादा फैला देता है, हम उस पर बिलीव नहीं करते हैं। हम मानते हैं कि पूरी कांग्रेस एकजुट होकर लड़े, हम चुनाव जीतकर आएंगे।

गहलोत ने चुनावी बैठक पर कहा- हमारे यहां तो अनुशासन होता है, एक बार हाईकमान जो तय कर देता है, उस फैसले को सब मानते हैं। पहले सोनिया थीं,अब खड़गे साहब हैं, राहुल गांधी हैं, येह जब एक बार फैसला कर लेते हैं तो सभी लोग उनके फैसले को मानते हैं और सब अपने अपने काम पर लग जाते हैं।

2 से अधिक संतान होने पर सरपंच अयोग्य घोषित

शपथ पत्र में नहीं दी तीसरी संतान की जानकारी, डीजे कोर्ट ने सुनाया फैसला

धौलपुर, 25 मई (एजेंसियां)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीश चंद गुप्ता ने ग्राम पंचायत बसई नवाब के सरपंच को चुनाव के अयोग्य घोषित कर दिया है।

सरपंच पद के विजयी प्रत्याशी वेद प्रकाश पुत्र प्रहलाद ने अपने शपथ पत्र में दो संतानों के बारे में जानकारी दी थी, जबकि एक अन्य संतान का जन्म 15 सितंबर 2020 को हुआ था। यह तथ्य प्रत्याशी द्वारा शपथ पत्र में छुपाया गया था, जिसकी न्यायालय में पुष्टि हो गई।

अधिवक्ता आरिफ हमीद खान ने गुरुवार को कोर्ट के फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि रमेशचंद्र पुत्र लालाराम जाति कुशवाह निवासी ग्राम बसई नवाब तहसील सैपऊ जिला धौलपुर की ओर से डीजे कोर्ट धौलपुर के समक्ष दो से अधिक संतान को लेकर चुनाव याचिका प्रस्तुत की गई, जिसमें बताया गया कि सरपंच पद के विजयी प्रत्याशी वेद प्रकाश पुत्र प्रहलाद ने अपने शपथ पत्र में दो संतानों के बारे में जानकारी दी थी, जबकि एक अन्य संतान का जन्म 15 सितंबर 2020 को हुआ था।

यह तथ्य प्रत्याशी द्वारा शपथ पत्र में छुपाया गया था, जिसकी कोर्ट में पुष्टि हो गई। न्यायालय ने चुनाव याचिका पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को अपना फैसला सुना दिया है।

पायलट के सवाल पर हेल्थ मिनिस्टर बोले- हमारे नेता हैं

कांग्रेस गुटबाजी पर बोले यह मुझे पता नहीं, कार में बैठ हुए रवाना

बाड़मेर, 25 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हेल्थ और आबकारी मिनिस्टर परसादीलाल मीणा गुरुवार को एक दिवसीय दौर को लेकर बाड़मेर पहुंचे। सर्किट हाउस में मंत्री हेमाराम चौधरी एवं गो सेवा आयोग अध्यक्ष मेवाराम जैन ने स्वागत किया। मीडिया से बातचीत करने के दौरान कांग्रेस दो गुट में बंटी है इस सवाल पूछने पर मिनिस्टर बिना जवाब दिए रवाना हो गए चलते-चलते बोले यह मुझे पता नहीं है। पायलट के सवाल पर बोले मंत्री ने कहा कि पायलट हमारे नेता है। कार में बैठ गए। दरअसल, गुड़ामालानी विधानसभा के धोरीमन्ना कस्बे में प्राइवेट हॉस्पिटल और पीएचसी का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद शाम को वापस जयपुर के लिए रवाना होंगे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य और आबकारी मंत्री परसादीलाल मीणा

गुरुवार को सुबह 6 बजे ट्रेन से बाड़मेर पहुंचे। सर्किट हाउस में मंत्री का वन एवं पर्यावरण मंत्री हेमाराम चौधरी व गो सेवा आयोग अध्यक्ष विधायक मेवाराम जैन ने गुलदस्ता देकर, साफा पहनाकर स्वागत किया। मेवाराम जैन ने मंत्री को बाड़मेरी पट्टू ओढाकर भेंट किया। स्वास्थ्य मंत्री ने सर्किट हाउस में मंत्री हेमाराम चौधरी विधायक मेवाराम जैन व जिला कलेक्टर सहित स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मीटिंग कर बाड़मेर जिले में स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी लेकर समीक्षा की।

इसके बाद वह गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र के लिए रवाना हुए। वहां पर धोरीमन्ना उप जिला हॉस्पिटल और एक पीएससी भवन का शिलान्यास करेंगे। धोरीमना उपखंड मुख्यालय पर एक मल्टीस्पेशलिटी प्राइवेट हॉस्पिटल के लोकार्पण समारोह कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस दौरान मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा स्वास्थ्य योजनाओं व चिकित्सा सेवाओं की जानकारी ली है।

मंत्री परसादीलाल मीणा मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट सियासी घमासान के सवाल पूछने पर बिना रवाना हो गए चलते-चलते बोले मुझ इस बारे में पता नहीं है। पायलट के सवाल पर बोले पर पायलट कांग्रेस और हमारे नेता है। इतना कहकर कार में मंत्री हेमाराम चौधरी के साथ बैठकर धोरीमन्ना के लिए रवाना हो गए। इस दौरान उनके साथ में स्वास्थ्य विभाग व आबकारी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने देर रात स्पा सेंटर पर छापा मारा

संचालक को किया गिरफ्तार लड़कियों को घर भेजा

अजमेर, 25 मई (एजेंसियां)। अजमेर में स्पा सेंटर की आड़ में अनैतिक व्यापार करने वालों के खिलाफ पुलिस का खास अभियान जारी है। बुधवार को अभियान के तहत क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में प्रोबेशनर आरपीएस आयुष वशिष्ठ और थाना प्रभारी करण सिंह की टीम ने छापामारी व चैकिंग की। अनैतिक गतिविधियों की शिकायत मिलने पर पुलिस ने स्पा सेंटर संचालक के खिलाफ चालान की कार्रवाई करते हुए वहां कार्यरत लड़कियों को उनके घर भेज दिया है।

प्रोबेशनर आरपीएस आयुष वशिष्ठ ने बताया कि देर रात माकड़वाली तिराहा बिल्डिंग के पास संचालित डिलाइट स्पा सेंटर के नीचे उसका संचालक उत्तर प्रदेश के ललकपुर जिला स्थित जामुनदाना निवासी कृष्ण कुमार चार लड़कियों के साथ खड़ा था। खुले आम पब्लिक की तरफ अभद्र इशारे करते हुए अनैतिक व्यापार में शामिल करने का प्रयास कर रहा था। लड़कियों से पूछताछ की गई तो सभी बिहार, हरियाणा, कलकत्ता और गंगानगर की रहने वाली निकलीं। उनमें से एक भी प्रमाण पत्र धारक नहीं थी। पुलिस टीम ने लड़कियों घर जाने दिया लेकिन स्पा सेंटर संचालक के खिलाफ 151 सीआरपीसी के तहत चालान की कार्रवाई की है। मंगलवार की रात भी पुलिस टीम ने पुष्कर रोड स्थित स्पा सेंटर में कार्रवाई की थी। हालांकि वहां भी मौजूद मिली लड़कियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

हरीश चौधरी बोले-ओबीसी आरक्षण 21 से 27 फीसदी हो

कहा-जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करे केंद्र सरकार, इसके बिना आरक्षण सीमा नहीं बढ़ेगी

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और बायतु विधायक हरीश चौधरी ने बुधवार को ओबीसी आयोग अध्यक्ष भंवरू खान से मुलाकात कर ओबीसी आरक्षण की सीमा 21 से बढ़ाकर 27 फीसदी करने की मांग की है। हरीश चौधरी ने कहा- हम केवल ओबीसी की बात नहीं करते,SC-ST समेत सभी जातियों को अपना - अपना हक मिलना चाहिए। केंद्र सरकार जातिगत आधार पर कराई गई जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करे। जातिगत जनगणना नहीं होने से कई वर्गों के हितों के साथ कुठाराघात हो रहा है।

हरीश चौधरी ने कहा- हम दो साल से ओबीसी आरक्षण बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। राजस्थान में जनसंख्या के हिसाब से सर्वाधिक प्रतिशत ओबीसी वर्ग का है, जो कि राज्य की कुल जनसंख्या की आधी से

ज्यादा हिस्सेदारी है। लेकिन राज्य के वर्गवार आरक्षण में ओबीसी वर्ग को मात्र 21 प्रतिशत आरक्षण दिया हुआ है, जो कि जनसंख्या के अनुपात में ओबीसी वर्ग के प्रतिनिधि में सबसे बड़ी बाधा है। राज्य में जातिगत जनगणना के आंकड़ों के अनुसार जनसंख्या में हिस्सेदारी के अनुपात में आरक्षण देकर ओबीसी वर्ग को राहत दी जाए।

हरीश चौधरी ने कहा- कोई भी इस भ्रम में नहीं रहे कि देश में जातिगत जनगणना नहीं हुई है। देश में जाति की जनगणना हो चुकी है। पहले अरुण जेटली के समय जातिगत जनगणना हुई थी, लेकिन उस रिपोर्ट को जारी नहीं किया। जिस कारण राजस्थान और देशभर की पिछड़ी जातियों को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। केंद्र सरकार से हमारी मांग है कि जो जातिगत जनगणना हो चुकी है, उसको सार्वजनिक किया जाए, ताकि देश में और खासतौर से राजस्थान में जातिगत जनसंख्या के आधार पर आरक्षण में बदलाव हो सके। ओबीसी वर्ग का आरक्षण का दायरा 21 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत तभी किया जा सकता है जब जातिगत जनगणना सार्वजनिक होगी।

चुनावी साल में जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाने के सवाल पर हरीश चौधरी ने कहा- ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति दो साल से यह काम कर रही है।

गर्मी-बारिश ने तोड़ा 10 साल का रिकॉर्ड

मई में 42 डिग्री पार नहीं होगा तापमान दो दिन तेज बारिश-ओले का अलर्ट

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में आज से नौतपा की शुरुआत हो गई है, इससे पहले बुधवार को आंधी के साथ आई बारिश से गर्मी का असर कम हो गया है। इस बार उत्तर भारत में एक्टिव हुए नए वेदर सिस्टम और पाकिस्तान में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से गर्मी परेशान नहीं कर पाएगी।

इधर, इस बारिश ने 10 साल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। 10 साल में दूसरी बार ऐसा हुआ है जब मई में पारा 42 डिग्री से ऊपर नहीं गया है। इधर, एक बार फिर से आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश में अगले 48 घंटों में जहां 60 किलोमीटर की रफ्तार से धूल-भरी आंधी चलने के साथ बारिश की संभावना है। वहीं, 28 मई से नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो जाएगा, जिससे एक बार फिर बारिश का सिलसिला शुरू होगा। ऐसे में अगले 7 दिनों तक राजस्थान में मौसम कूल-कूल ही रहेगा। इससे पहले बुधवार को राजधानी जयपुर समेत प्रदेश के पांच से ज्यादा जिलों में बदले मौसम का असर देखने को मिला है। इस दौरान आंधी के साथ कई जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई। इसके बाद प्रदेश का अधिकतम तापमान औसतन 10 डिग्री तक गिर गया है। जयपुर में तो 4 घंटे के दौरान दिन का तापमान 34 डिग्री से 17 डिग्री तक आ गया। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने के साथ ही बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी आ रही है। इससे प्रदेश में मई महीने में भारी बारिश हो रही है। ऐसे में इस पूरे वेदर सिस्टम की वजह से अगले 48 घंटों तक प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। हालांकि, इसके बाद 26 और 27 मई को प्रदेश के कुछ इलाकों में कम बारिश होगी।

डोटासरा बोले- मोदी सरकार क्या चुनाव लड़ने ही पैदा हुई

कहा- बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने वसुंधरा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, राजेंद्र राठौड़ इस्तीफा दें

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। योजना भवन के बेसमेंट में मिली करोड़ों की नकदी और गोल्ड के मामले में कांग्रेस और बीजेपी के बीच तल्ख पलटवार शुरू हो गया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अब नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के आरोपों पर पलटवार करते हुए उनसे इस्तीफा मांगा है। डोटासरा ने केंद्र सरकार और राज्यों की भर्तियों पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि मोदी सरकार क्या चुनाव लड़ने ही पैदा हुई है क्या, पेपर लीक के खिलाफ कानून क्यों नहीं बनाया। डोटासरा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गहलोत राज में डीओआईटी में हजारों करोड़ के करप्शन के बीजेपी के आरोपों पर डोटासरा ने कहा- नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ में थोड़ी

बहुत भी नैतिकता है तो उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। कल बीजेपी मुख्यालय में सीपी जोशी ने वसुंधरा राजे की सरकार पर सीधा सीधा आरोप लगाया है कि ये भ्रष्टाचार में डूबे हुए थे। फिर राठौड़ कैसे बच सकते हैं? डोटासरा ने कहा- बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि 2013 से ही खेला चल रहा है, उस समय बीजेपी की सरकार थी। राजेंद्र राठौड़ वसुंधरा सरकार के मंत्री थे। वह अपने आप को क्लीन चिट कैसे दे सकते हैं? राठौड़ को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने जब यह कह दिया कि 5 साल में वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली सरकार में करप्शन था। राठौड़ को पहले खुद की जांच करवानी चाहिए। फिर हमारी सरकार पर आरोप लगाने चाहिए। राठौड़ को खुद अपने पर जांच की पहल करवानी चाहिए। जब प्रदेशाध्यक्ष ने आरोप लगाया है तो बच क्या गया। जब प्रदेशाध्यक्ष 2013 से आरोप लगा रहे हैं तो उनमें से कोई नहीं बच सकता।

डोटासरा ने कहा- बीजेपी नेता चुनावों से पहले केवल माहौल बनाने के लिए आरोप लगा रहे हैं। ये जो पेपर लीक का मुद्दा बना रहे हैं। उन्हें पहले अपने कार्यकाल को देखना चाहिए। बीजेपी राज में आठ परीक्षाओं के पेपर निरस्त करने पड़े थे।

जोधपुर में पुलिस और बदमाशों के बीच फायरिंग

बिजनेसमैन का मर्डर कर भागे थे आरोपी; गलतफहमी में कर दी दूसरे कारोबारी की हत्या

जोधपुर, 25 मई (एजेंसियां)। जोधपुर में बिजनेसमैन की हत्या के मामले में बदमाशों को पकड़ने गई पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम की ओर से 4 राउंड फायरिंग की गई।

मामला ओसियां थाना क्षेत्र के एकलखोरी गांव में गुरुवार सुबह का है। पुलिस ने इस मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि मुख्य आरोपी सुरेश विश्नोई अब भी फरार है। वहीं, इस मामले में दावा किया जा रहा है कि बदमाश एक दूसरे बिजनेसमैन को मारने आए थे, लेकिन उन्होंने गलतफहमी में यह मर्डर कर दिया।

ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र यादव ने बताया कि बुधवार शाम को सुरेश बिश्नोई और उसके साथियों ने चेराई गांव में बिजनेसमैन श्याम पालीवाल (30) की पत्थर काटने के औजार से हत्या कर दी थी। इसके बाद से आरोपी फरार थे। इधर, हत्या के बाद ग्रामीणों ने बाजार बंद करवा दिया था। ऐसे में बुधवार रात को ही पुलिस की 10 टीमों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था।

एसपी ने बताया- पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी एकलखोरी गांव में छिपे हैं। इस पर पुलिस ने इनका पीछा किया, लेकिन वे रुके नहीं। एनकाउंटर के दौरान एक आरोपी मदन का पांव फ्रैक्चर हो गया, जिसे ओसियां के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अजमेर में युवक पर पेट्रोल छिड़क लगाई आग, मौत

मरने से पहले बनाया वीडियो, पिता को धमकाया था- बेटे को जान से मार दूंगा

अजमेर, 25 मई (एजेंसियां)। अजमेर में एक 22 साल के युवक को 15 दिन पहले पेट्रोल छिड़क आग लगा दी थी। जेएलएन हॉस्पिटल में इलाज भी चल रहा था लेकिन गुरुवार सुबह करीब साढ़े सात बजे मौत हो गई। मौत की सूचना के बाद परिजन मॉर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठ गए। और, आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़ गए। इधर, मौत से पहले मृतक रोहित (22) का एक वीडियो गुरुवार को सामने आया है। इस वीडियो में वह बता रहा है कि- कैसे आरोपी ने पहले उसके पिता को धमकाया और इसके बाद पेट्रोल से भरी थैली उस पर उड़ेल आग लगा दी थी। इस हादसे में रोहित 70 प्रतिशत तक झुलस गया था।

मामला जिले के गेगल थाना क्षेत्र के नरवर गांव का 10 मई की रात 8:30 बजे का है। आरोपी रास बिहारी भी इसी गांव का रहने वाला है जो अब भी फरार चल रहा है।

रोहित की मौत हो चुकी है लेकिन मरने से पहले रोहित ने एक वीडियो बनाया। ये वीडियो हॉस्पिटल से जारी कर पूरे घटनाक्रम के बारे में बताया कि कैसे उसे आग लगा दी गई थी।

वीडियो में रोहित बता रहा है कि 10 मई की रात 8:30 बजे वह बाइक में पेट्रोल डलवाने के लिए सीकर रोड पेट्रोल पंप पर गया था। इस पेट्रोल पंप पर उसके दो दोस्त भास्कर वैष्णव और तरुण हाडा भी काम करते है। पेट्रोल पंप जब मिले तो दोनों को दिए गए रुपए उधार को लेकर बातचीत हो रही थी। इसी दौरान पेट्रोल पंप मालिक रास बिहारी आया और मुझ से गाली-गलौज करने लगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टरों से किया आग्रह

महिलाओं को मेंस्ट्रुअल कप के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करें

सिद्दीपेट, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने सिद्दीपेट में महिला डॉक्टरों से सिद्दीपेट को एक स्वच्छ और स्वच्छ शहर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया है। हरीश राव के सुझाव के बाद, सिद्दीपेट नगर पालिका ने गुरुवार को डॉक्टरों को सिद्दीपेट परिषद में आमंत्रित किया था जहां मंत्री और अन्य लोगों ने डॉक्टरों के साथ बातचीत की।

सिद्दीपेट जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए मासिक धर्म स्वच्छता (रुतु प्रेमा) कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और नागरिक निकाय सैनिटरी नैपकिन के बजाय मासिक धर्म कप का उपयोग करने की आवश्यकता पर महिलाओं के बीच जागरूकता फैला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सैनिटरी नैपकिन शहरी क्षेत्रों में बहुत अधिक कचरा पैदा करने के अलावा महिलाओं के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है।

गीले और सूखे कचरे को अलग करने में सिद्दीपेट के नागरिकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए, राव ने कहा कि नागरिक निकाय के निरंतर प्रयासों के कारण 95 प्रतिशत कचरे को नागरिकों के दरवाजे पर अलग किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि सिद्दीपेट नागरिकों और नागरिक कर्मचारियों के प्रतिबद्ध कार्य के कारण देश में सबसे स्वच्छ और स्वच्छ शहर के रूप में उभरा है। मंत्री ने बाद में इस अवसर पर डॉक्टरों को गोलभामा साड़ी भेंट की। पुलिस आयुक्त एन. स्वेता, अतिरिक्त कलेक्टर मुजम्मिल खान और अन्य उपस्थित थे।

श्री श्रीयादे माता मंदिर प्रजापति समाज का वार्षिकोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्रीयादे माता मन्दिर ट्रस्ट प्रजापती समाज दम्माईगुडा, हैदराबाद-सिकंदराबाद की 12वीं वर्षगाँठ पर महाकुम्भ महोत्सव का तीन दिवसीय कार्यक्रम मंदिर प्रांगण व माधुरी स्वरूपा गार्डन में सम्पन्न हुआ।

आज यहा प्रेस विज्ञप्ति को प्रचार मंत्री कैलाश भाणा एवं मन्त्री मदनलाल ब्रान्दन्णा ने बताया कि 22 मई को प्रात: वेला में मंदिर प्रांगण में बोलियो के लाभार्थी द्वारा जाजम स्थापना एवम् श्री विनायक जी महाराज की पूजा-अर्चना के साथ समस्त समाज बन्धुओं की उपस्थिति में गाजे बाजे व मंगल गीत के साथ शुम्भाभ हुआ।

दूसरे दिन के कार्यक्रम में प्रात:कालीय वेला में फंक्शन हाल से मन्दिर तक की भव्य शोभायात्रा निकली गई, जिसमे समाज की महिलाओं द्वारा कलश, विभिन झांकिया पुरुष

द्वारा पारम्परिक वेशभूषा में गैरनृत्य के साथ नाचते गाते धूमधाम से निकाली गई। साथ दोपहर से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है, जिसमे राजस्थान के विख्यात कलाकरों ने भजनो की प्रस्तुति दी। तीसरे दिन भी चढ़ावे के लाभार्थियो द्वारा हवन पूजा-अर्चना के साथ पार्षद, विधायक एवं केन्द्रीय मंत्री व स्थानीय नेता गण एवम् चढ़ावे सम्पूर्ण भारत के कोने कोने से पधारे समाज के एवं अन्य समाज के अतिथियों व आमंत्रित के भामाशाहों का पारंपरिक तरीके से सम्मान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पधारे सभी अथितियों के लिए महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। इस कार्यक्रम के दौरान समाज द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह रखा गया जिस में समाज के 10 वी कक्षा से स्नातक तक अच्छे अंखों से उत्तीर्ण हुए बच्चो को मेमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रधान केराराम ब्रांदणा, उपप्रधान प्रेमराज भाणा, अध्यक्ष मीठालाल ब्रांदणा, उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार मंडावरा, हरिराम कवाड़िया, घेवरचंद भड़कोलिया, चंपालाल मनुरिया, गिरधारीलाल भोभारिया, सचिव मदनलाल ब्रांदणा, सहसचिव बाबूलाल मूलेरा, भुंडाराम नंदवाना, उपकोषाध्यक्ष मांगीलाल मनुरिया, प्रचार मंत्री कैलाश भाणा, मानक ब्रांदणा, निवर्तमान अध्यक्ष बंसीलाल ब्रांदणा, मदनलाल भाणा, लक्ष्मीनारायण हल्किया, घेवरचंद सार्डीवाल, लालाराम कवाड़िया, गणपतलाल सार्डीवाल, गिरधारीलाल नगरिया, रमेश कुमार बाथेड़िया, भंवरलाल हटवा, बाबूलाल ब्रांदणा, कालूराम ब्रांदणा, राजुराम रटोलिया, गोविंदराम, रमेश कुमार भड़कोलिया, महेन्द्र ब्रांदणा, नारायणल जाजपरा, नारायण कवड़िया एवं समस्त समाज बंधु उपस्थित हुए।

जीओ 111 को निरस्त करने से विनाश होगा : टीपीसीसी

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी की महासचिव कोटा नीलिमा ने आज कहा कि गांधीपेट और हिमायत सागर के जुड़वा जलाशयों के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा लाए गए जीओ 111 को खत्म करने से राज्य में विनाश होगा न कि विकास। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कुछ भी नहीं किया है, लेकिन अनंतगिरी पहाड़ियों से दो झीलों में पानी बहने वाली प्राकृतिक व्यवस्था को तोड़ने के अलावा कुछ नहीं किया है।

गुरुवार को यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, नीलिमा ने कहा कि जीओ 111 हैदराबाद शहर के पेयजल स्रोतों जैसे उस्मान सागर और हिमायत सागर झीलों और उनके जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि जीओ रद्द होने से बरसात के मौसम में भारी जलभराव होगा। यह देखते हुए कि हैदराबाद शहर के लिए भारी बाढ़ का खतरा होगा, उन्होंने कहा कि 84 गांवों में लगभग 32 लाख एकड़ भूमि तत्कालीन निजाम द्वारा बड़े पैमाने पर बाढ़ के खतरे से बचने और पीने के लिए जुड़वां जलाशयों के जलग्रहण क्षेत्रों को बचाने के लिए बनाई गई थी। उद्देश्य, जीओ के दायरे में था। नीलिमा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2000 में 111 जीओ को बरकरार रखते हुए एक आदेश दिया था जो जैव विविधता और पर्यावरण की रक्षा के लिए है और आश्चर्य है कि अब राज्य सरकार आदेश का उल्लंघन कैसे करेगी? उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के जीओ 111 उठाने के पहले के वादे के साथ, सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के समर्थन से जमीन हड़पने वाले जबरन गरीबों से क्षेत्र में जमीन हड़प रहे थे और कहा कि बीआरएस पार्टी के कई मंत्रियों सहित बड़े रियल एस्टेट व्यापारी, विधायकों और नेताओं ने इन जमीनों को पहले ही नियमों का उल्लंघन करते हुए खरीद लिया था और अनधिकृत रियल एस्टेट उद्यम लगाने के अलावा फार्म हाउस भी बना लिए थे।

यह कहते हुए कि जुड़वां जलाशयों के जलग्रहण क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के पक्षी और वन्यजीव जीवित रहते हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर के रवैये के परिणामस्वरूप, जीओ के उन्मूलन के कारण क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधन और जैव विविधता अब नष्ट हो जाएगी। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार तुरंत 111 जीओ को निरस्त करे और ऐसा करने में विफल रहने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। नीलिमा ने कहा कि उनकी पार्टी 111 जीओ की सुरक्षा के लिए अदालत में कानूनी लड़ाई छेड़ने के अलावा भविष्य की पीढ़ियों के लिए जुड़वां जलाशयों की रक्षा के लिए जीओ के निरस्त करने के आदेशों को वापस लेने तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेगी।

बोरे में बंद अज्ञात शव मंजीरा नदी में मिला

मेदक, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को मेदक के एडुपायला मंदिर के पास मंजीरा नदी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव एक बैग में भरा हुआ मिला। पुलिस के मुताबिक, शख्स की उम्र 35 से 45 साल के बीच थी।

नदी में फेंकने से पहले उसकी हत्या कर दी गई और शरीर पर पत्थर बांध दिए गए। स्थानीय लोगों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। इस शख्स के शरीर पर कई टैटू थे। उसकी शिनाख्त के लिए सभी थानों को फोटो भेज दी गई है। कुलचरम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह संपन्न

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी और गोलकोण्डा दर्पण हैदराबाद (तेलंगाना) के संयुक्त तत्वावधान में नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। इसमें डॉ. राधे श्याम मिश्र (सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय गीतकार, कानपुर, उ.प्र.), हरि नारायण तिवारी (सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय साहित्यकार, कानपुर, उ.प्र.) और डॉ. सरिता बाजपेई (शाहजहाँपुर, उ.प्र.) ने विशेष आमंत्रित कवियों के रूप में भाग लिया। कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने की और संचालन का भार संस्था के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने सँभाला। श्रीमती नीमा श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधानमंत्री एस. गैबुवली, कवि अंजनी कुमार गोयल, मिलिंद प्रकाशन के संचालक श्रुतिकांत भारती, ख़ुशबू का सफ़र पत्रिका के संपादक सलाहुद् दीन नैयर क्रमश: कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, विशेष अतिथि व सम्माननीय अतिथि थे। कवि सम्मेलन में विशेष आमंत्रित कवियों के साथ हैदराबाद के हिंदी और उर्दू के कवियों में सर्वश्री अंजनी कुमार गोयल, चंपालाल बैद, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, सुधा ठाकुर, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, रत्नकला मिश्र, रेणु अग्रवाल, अनिल कुमार गुप्ता, गोविंद अक्षय, डॉ. मुमताज़ सुल्ताना, बासित अली रईस, लतीफ़उद् दीन लतीफ़, सलाहुदीन नैयर आदि ने काव्य पाठ किया।

अग्रवाल समाज हैदरगुड़ा शाखा वैभवी नारी शक्ति के चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना हैदरगुड़ा शाखा की वैभवी नारी शक्ति के वर्ष 2023-2025 के पदाधिकारियों, केंद्रीय समिति सदस्यों एवं कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुवा। चुनाव अधिकारी संगीता अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नामांकन की अंतिम तिथि बीत जाने के बाद का सभी पदों के लिए एक एक ही नामांकन पात्र प्राप्त हुए थे। उन्होंने ऋतु अग्रवाल को केंद्रीय समिति सदस्य, सतवंती सरायवाला को अध्यक्ष, अनुपमा गुप्ता को मंत्री, सपना अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, उर्मिला मोदी को उपाध्यक्ष और किरण अग्रवाल को सह मंत्री निर्वाचित घोषित किया। नेहा अग्रवाल, अलका केडिया, ममता अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, मोना मित्तल, निशा अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, आशा अग्रवाल, रीना अग्रवाल कार्यकारिणी समिति का सदस्य निर्वाचित घोसित किया। चुनाव अधिकारी बी संगीता अग्रवाल ने बताया कि शाखा के रजत जयंती समारोह में सभी निर्वाचित पदाधिकारियों व सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपत दिलाई जाएगी।

सीरवी समाज का 27वाँ प्राण-प्रतिष्ठा व ध्वजा रोहण कार्यक्रम 1 को

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर में श्री आईमाताजी एवं श्री सोनाणा खेतलाजी का 27वाँ प्राण-प्रतिष्ठा व ध्वजा रोहण कार्यक्रम जेष्ठसुदी बारस गुरुवार 1 जून को समाज बन्धुओं व आगलेचा परिवार के सान्निध्य में आयोजित किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़ व सचिव किशनसिंह राठौड़ ने बताया कि प्रात: वेला मे मंदिर को विशेष फूलों से सजाकर, श्री आईमाँ व श्री सोनाणा खेतलाजी का नवीन वस्त्रों से श्रृंगार किया जाएगा। प्रात: 8.15 बजे मोतीरामजी आगलेचा के निवास स्थान सीताफलमंडी से भव्य शोभा यात्रा व साँची ज्योत गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए श्री आईमाता मंदिर पहुँचेगी। पूजा-अर्चना व महाआरती के पश्चात् प्रात: 9.01 बजे श्री आईमाता मंदिर व सोनाणा खेतलाजी मंदिर पर ध्वजा रोहण मोतीराम आगलेचा व परिवार के पुखराज, मोतीराम, प्रकाश, दीपाराम, मांगीलाल, ताराराम आगलेचा द्वारा आयोजित किया जाएगा। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम मे पधारे समाज बन्धुओं की सेवार्थ पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्यगण व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहेगे। सचिव किशनसिंह राठौड़ ने समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन किया है कि सपरिवार समयपर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

भाजपा ने ओआरआर टोल गेट परियोजना आवंटन में सीबीआई जांच की मांग की

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की राज्य इकाई ने आज एक आईआरबी डेवलपर निजी फर्म को बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) टोल गेट परियोजना के आवंटन की सीबीआई जांच की मांग की। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए पार्टी विधायक एम. रघुनंदन राव ने कहा कि उन्होंने इस मामले में पहले ही सीबीआई में शिकायत दर्ज करा दी है।

उन्होंने इस मामले में सीएम केसीआर की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेता उन सभी की हत्या कर रहे हैं जो आईआरबी डेवलपर्स कंपनी के खिलाफ बोल रहे हैं। प्रतिद्वंद्वी दलों पर निशाना साधते हुए, जो कह रहे हैं कि भाजपा इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया नहीं दे रही है, राव ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी कई दिनों से इस मुद्दे को उठा रही है और कहा कि उन्हें अपने राजनीतिक विरोधियों से नैतिक सबक लेने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सत्तारूढ़ दल के नेताओं से पूछा कि किसने परियोजना निविदा मूल्य को 7200 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7380 करोड़ रुपये कर दिया? उन्होंने सीएम केसीआर और राज्य के उद्योग मंत्री केटीआर से इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ने की मांग की। उन्होंने सीएम से आपराधिक इतिहास वाली फर्म को आवंटित टेंडर रद्द करने की भी मांग की। राव ने कहा कि वे गर्मी की छुट्टी के बाद इस मामले में राज्य के उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूशन्स द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूशंस के नेतृत्व में बिजनेस व मैनेजमेंट के डिजिटल परिवर्तन:से जुडे मुद्दे चुनौतियाँ, सुअवसरों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 26 तथा 27 मई को किया जा रहा है।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभावसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल बोलिना वेंकट राव, पीवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) भाग ले रहे हैं। साथ ही जिसमें अन्य गणमान्य व्यक्तिगण जो इस सम्मेलन की शोभा बढ़ा रहे हैं उनमें वीवीआई प्रेसिडेंट जीएसएस वेंकटेश्वर राव, एडमिशन डैरेक्टर श्रीराम कृष्ण चिन्नम, निदेशक व उपाध्यक्ष वीवीआई प्रोफेसर मोहन एस राव, निदेशक (पीजीडीएम) डॉ. वाई. लक्ष्मण कुमार, संयोजक (एमबीए) डॉ. एम. मदन मोहन, निदेशक बीएस-एमएस डॉ पी चक्रवर्ती और निदेशक आईएमबीए - मीर इरफान उल हक शामिल हैं। इस बारे में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया आह्वान पैन इंडिया आधार पर डिजिटल क्रांति के लिए डिजिटल परिवर्तन के सपने को सच करने के लिए भारत की कल्पना करता है। विश्व विश्वानी इस दृष्टि को वास्तविकता बनाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार व तत्पर और उत्सुक हैं।

इस बारे में अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि, 26 और 27 मई, को हैदराबाद के विश्व विश्वानि परिसर में आयोजित सम्मेलन के दौरान, उद्योग और शिक्षाविदों के विशेषज्ञ अपनी विशेषज्ञता और राय साझा करेंगे।

इसमें शिक्षाविद् उद्योग विशेषज्ञों और पालिसी मेकर्स भाग लेकर,लचीली अर्थव्यवस्था में योगदान करने के लिए अपने अनुभव साझा कर, तत्संबंधित विषय पर आपसी सहयोग चर्चा, विचार विमर्श करेंगे। उपरोक्त दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के व्यवसाय प्रबंधन क्षेत्रों में रणनीतियों के विकास के लिए डिजिटल परिवर्तन से जुड़ी कई चिंताओं, कठिनाइयों और संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए आदर्श मंच प्रदान करना है। इस अवसर पर विश्व विश्वानि संस्थाओं के बैनर तले फैकल्टी ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट 3 यूजीसी केयर लिस्ट जर्नल और सम्मेलन की कार्यवाही का विमोचन करेगा। जिसमें विश्व भर के व्यापार प्रबंधन और वाणिज्य क्षेत्र के कई दिग्गजों को इस 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में तृतीय तकनीकी सत्र के लिए आमंत्रित किया गया है।

नारायण सेवा संस्थान द्वारा आयोजित दिव्यांग सेवा शिविर में ह्विल चेयर व केलीपर वितरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित हैं शिविर की संयोजिका अलका चौधरी, अभय चौधरी, केंद्र प्रभारी महेंद्रसिंह रावत व अन्य।

तेजा मंदिर भोंनगिरी में जाट समाज के कुल देवता श्री वीर तेजाजी महाराज के प्रांगण में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लेते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका व अन्य।

स्वामी नृत्य गोपाल दास जी के जन्मोत्सव पर विराट संत सम्मेलन आज से

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और पौराणिक मठ मणिराम दास जी की छावनी के पूज्य संत महंत नृत्य गोपाल दास महाराज का 85वां जन्मोत्सव 26 मई से 3 जून तक अयोध्या की में बड़े धूम धाम से मनाया जा रहा है। हैदराबाद से प्रेस विज्ञप्ति में महंत नृत्यगोपाल दास जी के शिष्य राजर्षी ठाकुर जयपाल नयाल सनातनी (धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी की सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष) ने मीडिया को बताया कि इस अवसर पर रामजन्म भूमि तीर्थ ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पूज्य स्वामी गोविंद देव गिरीजी महाराज के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा होगी तथा देश के विद्वान आचार्यों के आचार्यत्व में विशाल श्री रामरक्षा महायज्ञ का आयोजन होगा।

1 जून को रामरक्षा यज्ञ की पूर्णाहुति पर दिन में 11 बजे देश के सभी विद्वान संतों के सानिध्य में श्रीराम साम्राज्य पट्टाभिषेक होगा। दो जून को देश भर के सभी अखाड़ों के पूज्य संतों को आमंत्रित किया गया है, जिसमें शंकराचार्यो, रामानंदाचार्यो, रामानुजाचार्यो, धर्माचार्यो, महामंडलेश्वरो महंतों के पावन सान्निध्य में पूज्य गुरुदेव स्वामी नृत्यगोपाल दास जी महाराज का 85वे जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भव्य सम्मान समारोह होगा । साथ ही 3 बजे दोपहर से देश भर से पधारे संतों के पावन सानिध्य में विराट संत सम्मेलन होगा जिसमे गोरक्षपीठ, गोरखपुर के पीठाधीश्वर तथा उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री पूज्य आदित्य नाथ योगी जी महाराज, देश के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अलावा अनेक बड़े-बड़े राजनेता भी भाग लेंगे।

भारतीय नौसेना का एक और कीर्तिमान

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने एक और कीर्तिमान रचा है। बयान के मुताबिक, नौसेना ने भारत के स्वदेशी आईएनएस विक्रांत युद्धपोत पर मिग-29के की रात में सफलतापूर्वक लैंडिंग कराई है।

नौसेना की यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती ताकत की ओर बड़ा कदम है। गौरतलब है कि इससे पहले तेजस विमान के नौसैनिक वर्जन ने आईएनएस विक्रांत पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की थी। हालांकि, तब यह लैंडिंग दिन के वक्त ही करवाई गई थी। इसके अलावा कामोव 31 हेलीकॉप्टर को भी 28 मार्च को आईएनएस विक्रांत पर उतारा गया था। भारतीय नौसेना के अधिकारी के मुताबिक, परीक्षण के दौरान स्वदेशी प्रकाश सहायक उपकरण और शिपबोर्न सिस्टम का इस्तेमाल किया गया, जो कि पूरी तरह सफल सिद्ध हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प्रवीण सूद सीबीआई ...

1986 में वे 22 साल की उम्र में आईपीएस बने। उन्हें कर्नाटक कैडर मिला। सर्विस के दौरान ही उन्होंने आईआईएम बेंगलुरु से पब्लिक पुलिस मैनेजमेंट में एमबीए पूरा किया। पुलिस सर्विस के शुरुआती दौर में वे बेल्लारी और रायचुर में एसपी रहे। इसके अलावा बेंगलुरु और मैसूरु में वे डीसीपी भी रहे।

सूद को 1996 में सीएम की ओर से गोल्ड मेडल मिल चुका है। इसके अलावा 2002 में पुलिस पदक और 2011 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति की तरफ से पुलिस पदक दिया गया था। जून 2020 में प्रवीण सूद कर्नाटक के डीजीपी बनाए गए थे।

बेटी आशिता ने क्रिकेटर मयंक अग्रवाल से शादी की

प्रवीण सूद की पत्नी विनीता सूद सोशल आंत्रप्रेन्योर हैं। दो बेटियां हैं। एक बेटी आशिता सूद लॉ में पोस्ट ग्रेजुएट हैं। आशिता ने क्रिकेटर मयंक अग्रवाल से 2018 में सगाई की और 2022 में शादी कर ली। मयंक अग्रवाल बेंगलुरु के रहने वाले हैं। वे घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक के लिए खेलते हैं। मौजूदा आईपीएल सीजन में वे सनराइजर्स हैदराबाद की टीम से खेल रहे हैं।

यूपीएससी में 44वीं ...

इतना ही नहीं उसके एडमिट कार्ड पर ना आधार कार्ड नंबर है और उस पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करने पर कोई डिटेल नहीं आ रही है। जबकि उनके एडमिट कार्ड पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद उनके नाम और एड्रेस की डिटेल आ रही है।

भागलपुर के तुषार ने बताया कि जब उन्होंने फोन पर हरियाणा के तुषार से बात की। परीक्षा का जब फार्म भरना होता है उस दौरान कई ऐसे कागजात होते हैं, जो उन्होंने हरियाणा के तुषार से मांगे, लेकिन वो नहीं देना चाहता। इसके बाद तुषार ने कैमूर (भभुआ) के एसपी को इससे संबंधित एक शिकायत दी है। उन्होंने मामले में कार्रवाई की मांग की है। हालांकि इस पूरे मामले में कौन सही है और कौन गलत, इसका फैसला यूपीएससी ही करेगी।

मणिपुर में तीसरे ...

मंत्री के आवास पर हमलावरों ने की तोड़फोड़

हिंसा के बाद बिशनपुर, इम्फाल पश्चिम, इम्फाल पूर्वी जिलों में कर्फ्यू में दी गई ढील वापस ले ली गई। इस बीच, मंत्री गोविंदास कोन्थाउजाम के घर में मैतेई महिलाओं ने तोड़फोड़ की। बिष्णुपुर में हिंसा के बाद लोगों ने प्रदर्शन किया है। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने गोलियां चलाईं। अन्य जिलों में भी हिंसा हुई।

5 शॉटगन समेत हथियार बरामद, 3 गिरफ्तार

सेना ने सेनापति जिले के कांगचुप चिंगखोंग जंक्शन पर वाहन की तलाशी ली। उससे दो-दो सिंगल बोर गन और डबल बोर गन, एक फोल्डिंग बट गन, 12 बोर के 280 जिंदा कारतूस, 12 बोर गन के 81 राउंड, 6 पैकेट के अलावा से 200 गोला बारूद एयर गन और पांच देशी बम मिले। 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मिजोरम ने कहा- दंगाइयों पर सख्ती करें

मणिपुर हिंसा के बाद अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में भी चिंता बढ़ गई है। 10 हजार से अधिक लोगों ने मिजोरम और असम में शरण ले रखी है। मिजोरम के सीएम जोरमथांगा ने कहा कि मणिपुर की समस्या गंभीर है।

सीएम बीरेन सिंह दंगाइयों से सख्ती से निपटें। नगालैंड भी मणिपुर की हिंसा से बेचैन है। सीमा पर उसने सख्ती कर दी है।

कर्नाटक सरकार ने दिया हिजाब से बैन हटाने का संकेत

नई दिल्ली/चंडीगढ़, 25 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया की सरकार ने राज्य के स्कूल-कॉलेजों में लगे हिजाब बैन को हटाने के संकेत दिए हैं। कैबिनेट में मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा है कि उनकी सरकार ऐसे हर कानून की समीक्षा करेगी, जो असंवैधानिक हैं और किसी व्यक्ति के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। अगर ये कानून राज्य की छवि को प्रभावित करते हैं तो इन्हें खत्म किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हम अपने रुख पर बहुत स्पष्ट हैं, हम पिछली सरकार में पारित उन सभी विधेयकों, सर्कुलर का रिव्यू करेंगे, जो आर्थिक नीतियों के खिलाफ हैं। अगर वे असंवैधानिक हैं तो जरूरत पड़ने पर उन्हें खारिज कर दिया जाएगा। प्रियांक का बयान उन खबरों पर आया जिसमें यह दावा किया गया है कि स्कूल-कॉलेज में लगा हिजाब बैन को हटाया जा सकता है। प्रियांक ने मेनिफेस्टो की घोषणाओं के मुताबिक बजरंग दल बैन के सवाल पर कहा, "कोई भी संगठन, धार्मिक, राजनीतिक या सामाजिक, जो कर्नाटक में असंतोष और नफरत के बीज बोएगा, उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम कानूनी और संवैधानिक रूप से उनसे निपटेंगे। चाहे वह बजरंग दल, पीएफआई या कोई अन्य संगठन हो। यदि वे कर्नाटक में कानून और व्यवस्था के लिए खतरा बन रहे हैं, तो हम उन्हें बैन करने में संकोच नहीं करेंगे। खड़गे ने बताया कि हिजाब सर्कुलर लागू होने के बाद से कम से कम 18 हजार अल्पसंख्यक स्कूल से बाहर हो गए हैं।

आईपीएल में शुद्ध देसी रोमांच: प्लेऑफ के चारों कप्तान भारतीय

विदेशी हेड कोच और कैप्टन का कॉम्बिनेशन बुरी तरह फेल

खेल डेस्क, 25 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में इस समय प्ले-ऑफ राउंड के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस राउंड के लिए जैसे ही चार टीमों के नाम साफ हुए यह तय हो गया कि इस बार ट्रॉफी कोई भारतीय कप्तान ही जीतेगा। लखनऊ, मुंबई, चेन्नई और गुजरात चारों के ही कप्तान भारतीय हैं। वहीं, टूर्नामेंट की जिन टीमों ने विदेशी कप्तान रखे, वे टॉप-5 तक में फिनिश नहीं कर सकीं।

यहां तक कि जिन टीमों में हेड कोच और कप्तान दोनों विदेशी रहे, वो तो पॉइंट्स टेबल के सबसे लास्ट पोजीशन पर रहीं। आगे स्टोरी में हम जानेंगे कि आईपीएल के 16वें सीजन में विदेशी कप्तान और कोच रखने वाली टीमें कितनी सफल हुईं। वहीं भारतीय कप्तान या भारतीय हेड कोच रखने वाली टीमों ने कैसा प्रदर्शन किया।

3 कप्तान और 7 कोच विदेशी

आईपीएल की 10 टीमों में 10 कप्तान और उनके 10 हेड कोच हैं। 7 टीमों ने भारतीय तो वहीं 3 ने विदेशी कप्तान रखे। इससे उलट 3 ही टीमों ने भारतीय हेड कोच रखे, वहीं 7 हेड कोच विदेशी रहे। इनमें भी 2 टीमें दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के हेड कोच और कप्तान दोनों ही विदेशी हैं।

वहीं गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स ही ऐसी टीमें रहीं, जिनमें कप्तान और कोच दोनों भारतीय हैं। इन 4 टीमों के अलावा 6 टीमें ऐसी रहीं, जिनमें या तो हेड कोच भारतीय हैं या फिर कप्तान। यानी इन 6 टीमों के लीडरशिप रोल में एक भारतीय और एक विदेशी शामिल रहा।

3 टीमों में विदेशी कप्तान, तीनों प्लेऑफ में नहीं पहुंची

आईपीएल में पिछले साल की तरह इस बार भी 10 टीमें रखी गईं। पिछली बार जहां सिर्फ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने साउथ अफ्रीकी फाफ डु प्लेसिस को कप्तान बनाया था और 9 टीमों ने भारतीय कप्तान रखे थे। वहीं इस बार आरसीबी के साथ दिल्ली कैपिटल्स ने ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर और सनराइजर्स हैदराबाद ने साउथ अफ्रीका के ऐडन मार्करम को कप्तान बनाया। एसआरएच और डिसी पॉइंट्स टेबल में लास्ट पोजिशन पर रहीं। वहीं आरसीबी छठे स्थान पर रहीं। लीग स्टेज से बाहर होने वाली टीमों में विदेशी कप्तानों के अलावा राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के कप्तान भारतीय रहे, लेकिन ये भी प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकीं। ये टीमें पॉइंट्स टेबल में 5वें, 7वें और 8वें नंबर पर रहीं।

प्लेऑफ की चारों टीमों के कप्तान भारतीय

लीग स्टेज में जहां विदेशी कप्तानों ने स्ट्रगल किया, वहीं प्लेऑफ में पहुंचने वाली चारों टीमों के कप्तान भारतीय रहे। गुजरात के तो कप्तान हार्दिक पंड्या और हेड कोच आशीष नेहरा दोनों इंडियन हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह, मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा और लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान क्रुणाल पंड्या भी भारतीय हैं, लेकिन इन तीनों ही टीमों के हेड कोच विदेशी हैं। बुधवार को मुंबई से एलिमिनेटर में हारकर प्लेऑफ से बाहर हो चुकी लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी शुरुआती 9 मैचों में केएल राहुल ने भी की, जो भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी हैं। यानी भारतीय कप्तान रखने वाली टीमों को आईपीएल के इस सीजन में विदेशी कप्तानों की तुलना में ज्यादा सफलता मिली।

विदेशी कप्तान और कोच का कॉम्बिनेशन फेल

पॉइंट्स टेबल में 5 ही जीत के बाद 9वें नंबर पर रहने वाली दिल्ली के कप्तान डेविड वॉर्नर तो विदेशी ही हैं, टीम के हेड कोच रिकी पॉन्टिंग भी विदेशी हैं। दोनों ही ऑस्ट्रेलिया से हैं। वहीं महज 4 जीत के साथ 10वें नंबर पर रही सनराइजर्स हैदराबाद में कप्तान ऐडन मार्करम को विदेशी कोच ब्रायन लारा का साथ मिला, लेकिन टीम कुछ खास नहीं कर सकी। लारा वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी हैं। इतना ही नहीं पॉइंट्स टेबल में 8वें नंबर पर रही पंजाब किंग्स के हेड कोच ऑस्ट्रेलिया के ट्रेवर बेलिस हैं। टीम के कप्तान तो भारत के शिखर धवन ही हैं, लेकिन 3 मैचों में धवन इंजर्ड होकर मैच नहीं खेल सके। इनमें इंग्लैंड के सैम करन ने टीम की कमान संभाली। करन ने 3 में से टीम को 2 मैच जिताए, लेकिन धवन ने टीम के 8वें लीग मैच से वापसी कर ली। यहां टीम का मैनेजमेंट बिगड़ा, इससे पीबीकेएस आखिरी 5 मैच हार गई और टॉप-4 में एंट्री नहीं कर सकी। यानी यहां भी आंशिक रूप से विदेशी कोच और कप्तान का ही कॉम्बिनेशन रहा और टीम पॉइंट्स टेबल में डीसी और एसआरएच के ही ऊपर 8वें नंबर पर रही।

प्लेऑफ की चारों टीमों के कप्तान

गुजरात टाइटंस
कप्तान : हार्दिक पंड्या, IND
कोच: आशीष नेहरा, IND
पोजिशन: 1

चेन्नई सुपर किंग्स
कप्तान : एमएस धोनी, IND
कोच: स्टीफन फ्लेमिंग, NZ
पोजिशन: 2

लखनऊ सुपरजायंट्स
कप्तान : राहुल/क्रुणाल, IND
कोच: एंडी फ्लॉवर, ZIM
पोजिशन: 3

मुंबई इंडियंस
कप्तान : रोहित शर्मा, IND
कोच: मार्क बाउचर, SA
पोजिशन: 4

400 मीटर दौड़ की सबसे तेज धाविका बनना चाहती हैं प्रिया

कहा- एशियाई खेलों में पदक जीतना है लक्ष्य

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। 2021 में प्रिया 52.77 सेकंड के समय के साथ देश की सबसे तेज 400 मीटर की धाविका बनी थीं और उस समय उनकी उम 18 साल की थी। इसके बाद वह दो विश्व अंडर 20 विश्व चैंपियनशिप में पदक नहीं जीत पाई थीं। भारतीय महिला एथलीट प्रिया एच मोहन देश की 400 मीटर दौड़ की सबसे तेज धाविका बनना चाहती हैं। प्रिया चोट से ठीक होने के बाद अभ्यास पर लौट चुकी हैं और एशियाई खेलों में क्यूबा के कोच एनियेर गार्सिया के मार्गदर्शन में पदक जीतना चाहती हैं।

2021 में प्रिया 52.77 सेकंड के समय के साथ देश की सबसे तेज 400 मीटर की धाविका बनी थीं और उस समय उनकी उम 18 साल की थी। इसके बाद वह दो विश्व अंडर 20 विश्व चैंपियनशिप में पदक नहीं जीत पाई थीं। उन्होंने कहा, 'मेरे कॅरिअर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। कई बार आप ऊपर जाते हैं और फिर नीचे जाते हैं। खिलाड़ियों की जिंदगी में नीचे आना जरूरी है क्योंकि फिर वह मजबूती के साथ वापसी कर सकता है। मैने नए कोच के साथ शुरुआत कर दी है। मुझे कई लक्ष्य हासिल करने हैं। मैं 2023 में देश की सबसे तेज 400 मीटर की धाविका बनना चाहती हूं और एशियाई खेलों में पदक जीतना चाहती हूं।' दो महीने पहले प्रिया ने पूर्व कोच अर्जुन अजय से नाता तोड़ दिया था। वह 2018 में एक राष्ट्रीय स्कूल टूर्नामेंट के दौरान अर्जुन के साथ जुड़ी थी। अब वह गार्सिया के साथ कर्नाटक के बेल्लारी में अभ्यास कर रही हैं। वह विश्व अंडर 20 चैंपियनशिप में मिश्रित रिले चार गुणा 400 मीटर में कांस्य जीतने वाली टीम की सदस्य रही थीं।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के भव्य आगाज की तैयारी

पीएम मोदी करेंगे शुभारंभ

खेल डेस्क, 25 मई (एजेंसियां)। तीन जून तक चलने वाले इस खेल महाकुंभ में देश भर से 200 विश्वविद्यालयों से चार हजार से अधिक खिलाड़ी 21 खेलों में 1900 पदकों के लिए जोर आजमाइश करेंगे। मौके पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर खास मेहमान होंगे।

यूपी की मेजबानी में गुरुवार को तीसरे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आगाज बीबीडी यूनिवर्सिटी प्रांगण में किया जाएगा। पीएम मोदी वर्चुअली मौजूद होकर इस आयोजन के शुभारंभ की घोषणा करेंगे। तीन जून तक चलने वाले इस खेल महाकुंभ में देश भर से 200 विश्वविद्यालयों से चार हजार से अधिक खिलाड़ी 21 खेलों में 1900 पदकों के लिए जोर आजमाइश करेंगे। मौके पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर खास मेहमान होंगे।

उद्घाटन समारोह शाम 6.50 से शुरू होगा। 70 मिनट तक चलने वाले समारोह के दौरान जहां भारतीय सेना के बैंड द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया जाएगा। अगली कड़ी में मशाल का प्रज्ज्वलन किया जाएगा। इसके बाद राजकीय पशु बारहसिंगा से प्रेरित खेलों का शुभंकर जीतू भी समारोह का एक अभिन्न हिस्सा होगा। समारोह का समापन मशहूर गायक कैलाश खेर की विशेष प्रस्तुति के साथ किया जाएगा। बताते चलें कि गौतमबुद्धनगर के शहीद विजय सिंह पथिक (एसवीएसपी) स्टेडियम में 23 मई से पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में कबड्डी के ग्रुप लीग की शुरुआत हो गई है।

सात अन्य खेल फुटबॉल, रग्बी, टेनिस, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, वॉलीबाल और मलखंब के शुरुआती दौर और ग्रुप मैच 24 मई को लखनऊ में तीन स्थानों पर शुरू हो चुके हैं। खेलों का आयोजन प्रदेश के चार शहर लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर और नोएडा में होंगे। इसके अलावा दिल्ली के कर्णी सिंह शूटिंग रेंज भी निशानेबाजी का आयोजन होगा। यूनिवर्सिटी गेम्स में भाग लेने वाले निशानेबाजी में मनु भाकर, हृदय हजारिका, मेहुली घोष, अर्जुन बाबूता और सिफ्ट कौर समरा, टेबल टेनिस में दीया चिताले और अनन्या बसक, फुटबॉल में एसके. साहिल, तैराकी में अनीश गौड़ा, बैडमिंटन में मालविका बंसोड़, जूडो में यश घनगस और कुश्ती में अंशु मलिक और सागर जागलान सहित अन्य शामिल हैं।

एशियाई खेलों तक कुश्ती की तैयारियों के लिए 13 करोड़ मंजूर

हंगरी में तैयारी करेंगे पहलवान

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। तदर्थ समिति ने माह की शुरुआत में कार्यभार संभालने के बाद अंडर-17 और 23 एशियाई चैंपियनशिप के लिए ट्रायल आयोजित किए। अब उसने एशियाई खेलों तक पहलवानों की तैयारियों का खाका खीच दिया है।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह के स्थान पर कुश्ती संघ को संभाल रही तदर्थ समिति ने पहली बार कुश्ती की तैयारियों और प्रतियोगिताओं का वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) खेल मंत्रालय के समक्ष रखा। हांगझोउ एशियाई खेलों के लिए पुरुष और महिला पहलवानों की तैयारियों और विदेशी कंपटीशनों के लिए भूपेंदर सिंह बाजवा की अगुवाई वाली तदर्थ समिति की सिफारिश पर मंत्रालय ने लगभग 13 करोड़ रुपये की राशि मंजूर कर दी है। समिति ने एशियाई खेलों से पहले पहलवानों को लगभग एक माह की लंबी तैयारियों के लिए विदेश भेजने का फैसला लिया है। पहलवानों को तैयारियों के लिए हंगरी भेजा जा सकता है।

महिला पहलवानों की ओर से बृजभूषण पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने के बाद इस वर्ष जनवरी माह से कुश्ती की तैयारियां ठप पड़ी हैं। तदर्थ समिति ने माह की शुरुआत में कार्यभार संभालने के बाद अंडर-17 और 23 एशियाई चैंपियनशिप के लिए ट्रायल आयोजित किए। अब उसने एशियाई खेलों तक पहलवानों की तैयारियों का खाका खीच दिया है। एशियाई खेलों से पहले 13 से 16 जुलाई तक बुडापेस्ट (हंगरी) में होने वाले चौथे रैंकिंग टूर्नामेंट में पुरुष और महिला टीम भेजी जाएगी। इसके बाद टीम को तैयारियों के लिए हंगरी भेजा जाएगा। वहां से टीम ओलंपिक क्वालिफायर विश्व चैंपियनशिप में खेलने जाएगी। इसके बाद टीम एशियाई खेलों में खेलने उतरेगी।

जून के महीने में आयु वर्गों और सीनियर स्तर की टीम के चयन के लिए ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप के लिए सीनियर टीम के चयन ट्रायल 20 से 25 जून के बीच आयोजित होने हैं। अभी ट्रायल का आयोजन स्थल तय नहीं है। टीम चयनित होने के बाद एक जुलाई से पुरुष फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन और महिला टीम का तैयारी शिविर लगाया जाएगा। पुरुषों का शिविर सोनीपत में लगने की संभावना है। महिलाओं के स्थान का अभी चयन होना है।

टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि कुमार (61), दीपक पूनिया (86), सरिता मोर (59) और सोनम मलिक (62 भार वर्ग) 30 मई को तीसरे रैंकिंग टूर्नामेंट में खेलने के लिए रवाना होंगे। एक से चार जून को होने वाली इस चैंपियनशिप में 30 पहलवान खेलेंगे। उनके साथ 16 सपोर्ट सदस्यीय प्रशिक्षक दल भी होगा। पुरुष फ्रीस्टाइल टीम में 11, महिलाओं में नौ और ग्रीको रोमन टीम में 10 पहलवान शामिल है। यह टीम बिना तैयारियों के ही खेलने जा रही है। कुश्ती संघ की बंद पड़ी गतिविधियों के चलते इनका तैयारी शिविर नहीं लगाया जा सका। खेल मंत्रालय ने इस दौरे के लिए 82 लाख रुपये की राशि मंजूर की है।

वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए आयरलैंड की टीम घोषित

इस स्टार खिलाड़ी को नहीं मिली जगह

खेल डेस्क, 25 मई (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप क्वलिफायर्स के लिए आयरलैंड ने 15 सदस्यीय स्कवॉड का ऐलान कर दिया है। जिम्बाब्वे में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप क्वलिफायर्स के लिए आयरलैंड ने 15 सदस्यीय स्कवॉड का ऐलान कर दिया है। क्वालीफायर इवेंट में 10 टीमें 2023 आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप में दो स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। क्वालीफायर 18 जून से 9 जुलाई 2023 तक जिम्बाब्वे में आयोजित किया जाएगा।

आयरलैंड द्वारा घोषित किए गए 15 सदस्यीय स्कवॉड में एक तरह जहां कई अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर स्टार खिलाड़ी स्टीफन डोहेनी को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। स्टीफन ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें टीम में भी शामिल किया गया था। लेकिन वहां पर वे कुछ खास नहीं कर पाए।

स्टीफन को हटाने को लेकर मुख्य चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा कि "दुर्भाग्य से, कठोर निर्णय लेने पड़े, और स्टीफन डोहेनी इस यात्रा से चूक गए। स्टीफन एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिनकी हम प्रशंसा करते हैं और इसमें निवेश करना जारी रखना चाहते हैं, लेकिन हमें लगता है कि उनके लिए अभी सही समय है कि वह एक कदम पीछे हटें और घरेलू स्तर पर अपने खेल के कुछ तकनीकी पहलुओं पर काम करें।

एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), मार्क अडायर, कर्टिस कैम्फर, गैरेथ डेलनी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, एंडी मैकब्राइन, बैरी मैककार्थी, पीजे मूर, पॉल स्टर्लिंग, हैरी टेक्टर, लॉरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

मलेशिया ओपन: प्रणय, सिंधू और श्रीकांत दूसरे दौर में पहुंचे, मालविका, अश्मिता और आकर्षी हारी

क्वालालंपुर, 25 मई (एजेंसियां)। प्रणय ने चीनी ताईपे के छठी वरीय चोउ तिएन चेन को तीन गेमों के संघर्ष में परास्त कर उलटफेर किया। मालविका बंसोड़, आकर्षी कश्यप और अश्मिता चालिहा को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। एचएस प्रणय, पीवी सिंधू और किदांबी श्रीकांत ने मलयेशियाई ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

प्रणय ने चीनी ताईपे के छठी वरीय चोउ तिएन चेन को तीन गेमों के संघर्ष में परास्त कर उलटफेर किया। मालविका बंसोड़, आकर्षी कश्यप और अश्मिता चालिहा को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। प्रणय ने एक घंटे चार मिनट के संघर्ष में चेन को 16-21, 21-14, 21-13 से पराजित किया। वह अगले दौर में चीन के ली शी फेंग से भिड़ेंगे। सिंधू को भी जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने डेनमार्क की लिन क्रिस्टोफर्सन को 21-13, 17-21, 21-18 से हराया। सिंधू अगले दौर में जापान की आया ओहरी से भिड़ेंगी।

इंग्लैंड टीम में अचानक शामिल हुआ ये अनजान खिलाड़ी

47 मैच में चटका चुका है 162 विकेट

खेल डेस्क, 25 मई (एजेंसियां)। 1 जून से इंग्लैंड और आयरलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आयोजन होना है। लॉर्ड्स के मैदान पर खेले जाने वाले इस टेस्ट से पहले इंग्लैंड टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। इस अहम मुकाबले के लिए दोनों टीमों के दल का ऐलान पहले ही हो चुका था, लेकिन इंग्लैंड ने अब तेज गेंदबाज जोश टंग को अपनी टीम में जगह दी है।

दरअसल, इंग्लैंड टेस्ट टीम कई दिग्गज खिलाड़ियों की चोट से जूझ रही है। जेम्स एंडरसन और ऑली रोबिनसन चोट से परेशान हैं।

हालांकि रोबिनसन को फिट घोषित कर दिया गया है, लेकिन मेजबान टीम एशेज से पहले इन दोनों गेंदबाजों को अजमाने का रिस्क लेना नहीं चाहती है, इसलिए युवा तेज गेंदबाज जोश टंग को टीम से जोड़ा है।

वोर्सेस्टरशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने दी बधाई

जोश टंग वोर्सेस्टरशायर काउंटी क्रिकेट क्लब की तरफ से खेलते हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार बढ़िया प्रदर्शन करने वाले 25 वर्षीय टंग को नकी मेहनत का फल मिल गया है। वो र्से स्ट र शा य र काउंटी क्रिकेट क्लब ने ट्वीट में लिखा कि '6 साल की उम्र में वो र्से स्ट र शा य र काउंटी क्रिकेट क्लब से जुड़ने वाले जोश टंग को आयरलैंड के खिलाफ इंग्लैंड टीम में जगह मिली है।

जोश टंग को पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है और उन्हें इसके लिए बधाइयाँ।'

स्टीव स्मिथ को काउंटी में कर चुके हैं आउट

काउंट्री क्रिकेट मैच के दौरान जोश टंग ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को आउट किया था, जिसकी चर्चाएं काफी हुई थीं।

जोश टंग का प्रथण श्रेणी क्रिकेट करियर

जोश टंग की उम्र 25 साल है। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 47 मैच खेले हैं।

इस दौरान उन्होंने 82 पारियों में 162 विकेट चटकाए हैं। खास बात ये है कि जोश इंग्लैंड लायंस का भी हिस्सा रहे हैं और उन्होंने घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन करके दिखाया है।

भारत ने बहरीन पैरा बैडमिंटन में 3 स्वर्ण सहित 23 पदक जीते

प्रमोद को दो स्वर्ण, सुहास ने जीता रजत

खेल डेस्क, 25 मई (एजेंसियां)। टोक्यो पैरालंपिक खेलों के पदक विजेता प्रमोद भगत ने मनामा में हुए बहरीन पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता लिया। वहीं, आईएएस अधिकारी सुहास एलवाई ने टूर्नामेंट में रजत पदक अपने नाम किया। सुहास ने इस दौरान दक्षिण कोरिया, ब्राजील, चीन, जर्मनी और इंडोनेशिया के खिलाड़ियों को हराकर फाइनल में जगह बनाई। स्वर्ण पदक के मुकाबले में वह मलयेशिया के खिलाड़ी से 21-16, 21-23, 17-21 से हार गए। इससे पहले सुहास ने हाल ही में थाईलैंड ओपन में स्वर्ण पदक जीता था और उस टूर्नामेंट में सात लगातार मुकाबले जीते थे। सुहास एलवाई ने कहा- मैं रजत पदक जीतकर खुश हूं। मैंने टूर्नामेंट के लिए कड़ी मेहनत की थी। अगली बार स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगा। सभी का समर्थन करने के लिए धन्यवाद।

प्रमोद का युगल में भी स्वर्ण

भारत ने इस टूर्नामेंट में तीन स्वर्ण, आठ रजत, 12 कांस्य सहित 23 पदक जीते। प्रमोद ने पुरुष एकल के एसएल3 स्पर्धा में सोना जीता। इसके अलावा प्रमोद ने सुकांत कदम के साथ पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 में भी पीला तमगा हासिल करते हुए टूर्नामेंट अपना दूसरा स्वर्ण हासिल किया। उनके अलावा नित्या और रचना ने महिला युगल एसएच6 में सोना अपने नाम किया।

सुहास के अलावा अन्य पुरुष एकल के मुकाबलों में नितीश कुमार (एसएल3), कृष्णा नागर (एसएच6) ने भी रजत पदक जीते। वहीं, तुलासीमथी (महिला एकल, एसयू5), प्रेम कुमार (एसएल3), नितीश कुमार और तरुण ढिल्लों (एसएल3-एसएल4), चिराग और राज कुमार (एसयू5), मानसी जोशी और तुलासीमथी (महिला युगल, एसएल3-एसयू5 वर्ग) ने भी चांदी हासिल की।

12 को मिला कांस्य पदक

टूर्नामेंट में 12 खिलाड़ियों को कांस्य पदक मिला। मनोज सरकार (एसएल3), मनदीप कौर (एसएल3), मानसी जोशी (एसएल3), पलक कोहली (एसएल4), चिराग (एसयू5), मनीषा (एसयू5), निथ्या (एसएच6), निथ्या और शिवराजन (एसएच6), प्रमोद भगत और मनीषा (एसएल3-एसयू5), मनोज सरकार और दीप रंजन (एसएल3-एस4), हार्दिक मक्कड़ और रुथिक रघुपति (एसयू5), पारुल परमार और शांतिया (एसएल3-एसयू5) ने कांस्य पदक जीते।

तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के लिए खर्च होंगे 105 करोड़

मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों के साथ बैठक में की घोषणा

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को 2 जून से शुरू होने वाले तेलंगाना राज्य गठन के शताब्दी समारोह के लिए 105 करोड़ रुपये देने का फैसला किया। जिला कलेक्टरों के साथ डॉ. बीआर अम्बेडकर तेलंगाना सचिवालय में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्यव्यापी समारोहों के लिए कलेक्टरों को पैसा जारी किया जाएगा।

केसीआर ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि शहीदों के बलिदान और पिछले 10 वर्षों के दौरान राज्य की उपलब्धियों को उजागर करते हुए 21 दिवसीय समारोह भव्य तरीके से आयोजित किए जाएं। उन्होंने याद किया कि छह दशकों के संघर्ष और बलिदान के परिणामस्वरूप, तेलंगाना राज्य को लोकतांत्रिक और संसदीय तरीके से हासिल किया गया था। उन्होंने कहा कि कम समय में तेलंगाना द्वारा की गई प्रगति ने देश को गौरवान्वित किया है। दिन भर चली बैठक में मंत्री, सरकारी सलाहकार, मुख्यमंत्री के सलाहकार, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय में सचिव, जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिदेशक और अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव से लेकर राज्य स्तर तक प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों का आयोजन उत्सव के माहौल में किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने गांवों, विधानसभा क्षेत्रों और जिलों में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में उन्हें निर्देश दिए। उन्होंने जिला कलेक्टरों से समारोह के सुचारू संचालन के लिए मंत्रियों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। केसीआर 2 जून को हैदराबाद के गन पार्क में तेलंगाना के शहीदों को श्रद्धांजलि देकर समारोह का उद्घाटन करेंगे। बाद में, वह तेलंगाना सचिवालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। पहले से घोषित कार्यक्रम के अनुसार, बिजली, कृषि, सिंचाई, स्वास्थ्य और उद्योग जैसे क्षेत्रों में राज्य द्वारा हासिल की गई प्रगति को उजागर करने के लिए दैनिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम किसानों और अन्य वर्गों के लोगों के कल्याण के लिए लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं पर भी प्रकाश डालेंगे।

ईडी ने पांच राज्यों में 25 ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों की तलाशी ली

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फेमा, 1999 के प्रावधानों के तहत भारत में संचालित विदेशी पंजीकृत ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों/वेबसाइटों के खिलाफ की जा रही जांच के संबंध में दिल्ली में 11, गुजरात में सात, महाराष्ट्र में चार, मध्य प्रदेश में दो और आंध्र प्रदेश में एक परिसरों में तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की है।

ये ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां/वेबसाइट कुराकाओ, माल्टा और साइप्रस जैसे छोटे द्वीप देशों में पंजीकृत थीं। हालाँकि, ये सभी प्रॉक्सी के नाम पर खोले गए भारतीय बैंक खातों से जुड़े हुए हैं, जिनका ऑनलाइन गेमिंग गतिविधि से कोई संबंध नहीं है। गेमिंग वेबसाइटों के माध्यम से आम जनता से एकत्र की गई राशि को कई बैंक खातों के माध्यम से भेजा गया था और अंत में सेवाओं/सामानों के आयात के खिलाफ प्रेषण के उद्देश्य को गलत घोषित करके भारत से बाहर भेज दिया गया था। फेमा, 1999 के प्रावधानों के तहत रेसिंग/राइडिंग आदि या किसी अन्य शौक से होने वाली आय से विप्रेषण की अनुमति नहीं है। इस संबंध में आशीष कक्कड़, नीरज बेदी, अर्जुन अश्विनभाई अधिकारी, अभिजीत खोट और उनसे जुड़े व्यक्तियों/संस्थाओं सहित कई हवाला ऑपरेटरों से जुड़े परिसरों पर तलाशी ली गई। तलाशी के परिणामस्वरूप मामले से संबंधित कई आपत्तिजनक दस्तावेज/इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जब्त किए गए हैं और जांच एजेंसियों से बचने के लिए उनके द्वारा अपनाई गई दिलचस्प कार्यप्रणाली का खुलासा हुआ है।

माल और सेवाओं के आयात के भुगतान की आड़ में लगभग 4,000 करोड़ रुपये की राशि भेजने और भेजने के लिए प्रमुख व्यक्तियों द्वारा अपने कर्मचारियों के नाम पर सैकड़ों कंपनियां खोली गई हैं। कई पैन कार्ड, ऐसी फर्मों को बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले आधार कार्ड, इन फर्मों के बैंक खातों के संचालन के लिए उपयोग किए जाने वाले मोबाइल और कार्यालय टिकट भी पाए गए और जब्त किए गए। प्रमुख व्यक्तियों को व्हाट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल आदि जैसे इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप के लिए अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल मोबाइल नंबरों का उपयोग करते हुए और अपनी वास्तविक पहचान को छिपाने के लिए छद्म नामों जैसे पाब्लो, जॉन, वाटसन आदि का उपयोग करते हुए पाया गया।

जांच एजेंसियों से खुद को बचाने के लिए, वे रिमोट आधारित सर्वर/लैपटॉप का उपयोग कर रहे हैं, जिनका उपयोग एनीडेस्क, टीम व्यूअर आदि जैसे रिमोट एक्सेस ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। वर्तमान मामले में ऐसे दो लैपटॉप भी बरामद किए गए हैं और इकाई के परिसर से जब्त किए गए हैं। वास्तविक परिचालन स्थानों से दूर स्थित सर्वर सेवाएं प्रदान करना। तलाशी के दौरान की गई बरामदगी में आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं, जो गेमिंग वेबसाइटों के माध्यम से जनता से एकत्र किए गए हजारों करोड़ के विदेशी जावक प्रेषण की पुष्टि करते हैं, जो प्रॉक्सी व्यक्तियों के नाम पर खोले गए डमी फर्मों के खातों का उपयोग करते हैं, जो गेमिंग गतिविधियों से जुड़े नहीं हैं, 19.55 लाख रुपये नकद , वस्तुओं और सेवाओं के आयात के खिलाफ प्रेषण की आड़ में ऑनलाइन गेमिंग से उत्पन्न आय को लेयरिंग और प्रेषण के लिए उपयोग किए जा रहे फर्मों के 2695 अमेरिकी डॉलर और 55 बैंक खातों को भी फ्रीज कर दिया गया है।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर 8 तस्कर पकड़े गए, 26 बच्चों को मुक्त कराया गया

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सुरक्षा विंग की राज्य नोडल एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के नेतृत्व में एक बड़े बचाव अभियान में 26 बच्चों को बचाया गया और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर आठ तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

जीआरपी और आरपीएफ सिकंदराबाद की टीमों ने एक एनजीओ बचपन बचाओ आंदोलन के साथ बुधवार रात चलाए गए ऑपरेशन में भाग लिया। यह जानकारी मिलने पर कि तस्करों के साथ पश्चिम बंगाल और झारखंड राज्यों के 13 से 18 वर्ष की आयु के बच्चे पूर्वाह्न 10.25 बजे विजयवाड़ा से सिकंदराबाद जाने वाली ईस्ट कोस्ट एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे। रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। बच्चों को मजदूर के रूप में काम करने के लिए हैदराबाद लाया जा रहा था। तस्करों की पहचान मुख्य आरोपी रमजान मोल्ला के रूप में की गई, जिसकी उम्र 19 वर्ष है और वह पश्चिम बंगाल राज्य के 24 परगना जिले के जिबंतला, सारंगाबाद का रहने वाला है। दूसरा आरोपी शेख सैदुल (27) गुलज़ार हाउस, चारमीनार में काम करने वाला सुनार और पश्चिम बंगाल के बरिसियाली के मूल निवासी है। तीसरा आरोपी पिंटू दास (30) कृषक, पंचायत खत्री, ब्लॉक देवरी गांव, मणि केंद्र पोस्ट, किसगो थाना, देवरी भंडारो, राजधनवार, गिरिडीह झारखंड राज्य का है। चौथा सुसेन टुडू (37) गोल्ड वर्कर, रहमान मल्लिक, कालिकामन, पंजशा, चारमीनार, पांचवा आरोपी प्रियारुल शेख, (20) , जुबली हिल्स, रोड न. 36, और बड़ा बालीडांगा, कल्याणदाना, बलीबंगा, नैदा कल्याणदाना, छठवां एसके जाकिर अली (24) सोने का काम, मूल रूप से जिब्त्या गांव, पोस्ट बांकुरा, पश्चिम बंगाल, सातवां अब्दुल आलमीन मंडल (30), दर्जी चारमीनार में काम करते हैं, आठवां सुरोजित संतरा (32), प्लाइवुड वर्कर, सिटी कॉलेज, हैदराबाद में रहते हैं और मध्य संतोषपुर, दक्षिण संतोषपुर, हावड़ा, पश्चिम बंगाल राज्य के मूल निवासी हैं। आरोपियों ने कबूल किया कि वे बच्चों को मजदूरी करने के लिए ला रहे थे। सिकंदराबाद के जीआरपी थाने में मामला दर्ज किया गया है। बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि उन्हें सैदाबाद में लड़कों के लिए सरकारी गृह में आश्रय प्रदान किया जाए।

शिक्षामंत्री ने घोषित किये टीएस एमसेट परिणाम

इंजीनियरिंग में 80%, जबकि कृषि और फार्मा में 86% उम्मीदवार पास

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट इंजीनियरिंग एग्रीकल्चरल एंड मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस ईएएमसीईटी) के नतीजे गुरुवार को शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने घोषित किए। इंजीनियरिंग स्ट्रीमके लिए टीएस एमसेट 2023 परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों में से अस्सी प्रतिशत ने क्वालीफाई किया है, जबकि कृषि और फार्मा स्ट्रीम के लिए परीक्षा देने वाले 86 प्रतिशत उम्मीदवार पास हुए हैं। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक कुल 1,95,275 छात्रों में से 1,56,879 परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। पास प्रतिशत 80.33 दर्ज किया गया है। लड़कियों ने दोनों स्ट्रीम में लड़कों से बाजी मार ली। इंजीनियरिंग में लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 82 रहा जबकि 79 प्रतिशत लड़कों ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

कृषि और फार्मा स्ट्रीम में, 1,06,514 उम्मीदवारों ने परीक्षा में भाग लिया था और उनमें से 91,935 योग्य थे। पास प्रतिशत 86.34 रहा। इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉलेजों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 10 मई से 14 मई तक आयोजित परीक्षा में तेलंगाना और पड़ोसी आंध्र प्रदेश दोनों के छात्र उपस्थित हुए।

आंध्र प्रदेश के छात्रों ने इंजीनियरिंग स्ट्रीम में शीर्ष तीन रैंक और कृषि में शीर्ष दो रैंक हासिल की सनापाला अनिरुद्ध (विशाखापत्तनम) ने 158.89 अंकों के साथ इंजीनियरिंग परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि बुरुगुपल्ली सत्य राजा जसवंत (पूर्वी गोदावरी) 155 अंकों के साथ कृषि स्ट्रीम में अव्वल रहे। मनिंदर रेड्डी (गुंटूर) और उमेश वरुण (नंदीगामा) ने इंजीनियरिंग स्ट्रीम में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। एन. वेंकट तेजा (चिराला) और एस. लक्ष्मी (रंगारेड्डी) ने कृषि स्ट्रीम में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

टीएस एमसेट-2023 में तीन अंक जोड़े गए

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर एंड मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस एमसेट) 2023 इंजीनियरिंग स्ट्रीम में पांचवें और छठे सत्र में बैठने वाले छात्रों के लिए तीन अंक जोड़े गए हैं। सूत्रों के मुताबिक इंजीनियरिंग की परीक्षा में पांचवें और छठे सत्र में शामिल होने वाले छात्रों को तीन प्रश्नों में अस्पष्टता के कारण गणित विषय में अंक दिए गए थे। परीक्षण के पांचवें और छठे सत्र में, तीन प्रश्न ऐसे थे जो दायरे से बाहर थे। यह गणित के प्रश्न पत्र बनाने वाले की गलती थी। इसलिए विषय विशेषज्ञ समिति ने गणित में तीन अंक देने का निर्णय लिया है। पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे सत्र में बैठने वाले छात्रों के लिए गणित में कोई अंक नहीं जोड़ा गया। फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी और जूलॉजी विषयों के सभी बहुविकल्पीय प्रश्न सही होने के कारण अंक नहीं जोड़े गए। 12, 13 और 14 मई को कुल 1,95,275 छात्रों ने इंजीनियरिंग की परीक्षा दी और 80.33 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। इसी तरह, 10 और 11 मई को एएम स्ट्रीम के लिए 1,06,514 उपस्थित हुए और 86.31 प्रतिशत योग्य थे।

पूर्व मंत्री ने आंध्र प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा पर जताई चिंता

अमरावती, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नंद्याल में पूर्व मंत्री भूमा अखिला प्रिया ने हाल ही में हुई एक घटना को लेकर कड़ा बयान देते हुए जोर देकर कहा कि ऐसी घटनाएं आंध्र प्रदेश को छोड़कर दुनिया में कहीं भी अनसुनी हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए, उन्होंने एक लड़की के साथ मारपीट किए जाने और बाद में एक दायर मामले का निशाना बनने पर अपनी व्यथा व्यक्त की, जिसके कारण उन्हें बार-बार पुलिस स्टेशनों का दौरा करना पड़ा।

अखिला प्रिया ने यह कहते हुए अविश्वास व्यक्त किया कि उन्होंने पहले कभी ऐसी सांस्कृतिक घटना का सामना नहीं किया या देखा है। उन्होंने क्षेत्र में महिलाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि न केवल उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, बल्कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने के कई प्रयास किए गए थे। इसके अलावा, अखिला प्रिया ने उन लोगों के घरों में रहने वाली महिलाओं से सावधानी बरतने का आग्रह किया जिन्होंने उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था। गौरतलब है कि भूमा अखिला प्रिया को अदालत ने सशर्त जमानत दे दी थी और बाद में अपनी उपस्थिति पर हस्ताक्षर करते हुए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के लिए नंद्याला पुलिस स्टेशन का दौरा किया।

सीएम वाईएस जगन ने ग्रुप- I और ग्रुप- II नोटिफिकेशन को मंजूरी दी

अमरावती, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने गुरुवार को ग्रुप- I और ग्रुप- II के पदों को भरने के लिए नोटिफिकेशन जारी करने की मंजूरी दे दी। सीएम ने इन पदों को भरने को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और जल्द ही अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने सीएम को बताया कि ग्रुप-1 और ग्रुप-2 के माध्यम से 1000 से अधिक पदों को भरने की प्रक्रिया जोरों पर चल रही है. विभिन्न विभागों में रिक्तियों का विवरण प्राप्त किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। 100 से अधिक समूह- I और 900 से अधिक समूह- II पद हैं। जल्द ही नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। सीएम ने अधिकारियों को परीक्षा आयोजित करने और परिणाम घोषित करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि इन पदों को भरना उनकी सरकार की प्राथमिकता है और वह चाहते हैं कि इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा किया जाए. उन्होंने अधिकारियों को चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के भी निर्देश दिए।

मोदी सरकार ने आतंकवाद व आईएसआई को कुचला : किशन

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने आतंकवाद और आईएसआई को बड़ी सिद्दत से कुचला है। उन्होंने कहा कि अब देश में कोई पाकिस्तानी आतंकवादी हमला नहीं हुआ है।

हैदराबाद सेंट्रल और महाकाली सिकंदराबाद जिलों की भाजपा कार्यसमिति की बैठकों में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए, किशन रेड्डी ने कहा कि 30 मई से 30 जून तक देश भर में 'महाजन संपर्क अभियान' पर एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक समय था। जब श्रीनगर में राष्ट्रीय ध्वज फहराना मुश्किल था और उन्होंने कहा कि हाल ही में शहर में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान पूरे श्रीनगर में राष्ट्रीय ध्वज फहराए गए थे।

एक बार, जब पुलिस और सैनिकों को देखा गया, तो जम्मू-कश्मीर में पथराव किया गया। अब वहां के लोगों में इतनी हिम्मत है कि वे पुलिस और जवानों को देख सकें। चीन समेत कुछ देशों ने श्रीनगर में हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन पर आपत्ति जताई है। लेकिन पीएम मोदी ने तमाम देशों से बात की है. 28 प्रतिनिधियों में से चीन को छोड़कर सभी आए और श्रीनगर को देखकर रोमांचित हुए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ आए सुरक्षाकर्मी शुरू से ही डरे हुए थे और उन्होंने कहा कि वह श्रीनगर में शांतिपूर्ण कानून व्यवस्था देखकर खुश हैं, जबकि यह देखते हुए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू और कश्मीर के लिए पर्यटकों में अभूतपूर्व वृद्धि की है। यह कहते हुए कि दशकों से कश्मीर में फिल्मों की शूटिंग नहीं हुई है, उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, श्रीनगर में 300 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हुई और कहा कि अब चीजें पूरी तरह बदल गई हैं।

उन्होंने कहा कि जब भारत को अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाने वाली आरआरआर की टीम ने भी श्रीनगर में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया तो जी20 प्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। यह कहते हुए कि एक समय था जब हैदराबाद में बम विस्फोट हुए थे जिसमें निर्दोष लोग मारे गए थे, उन्होंने कहा कि देश में कहीं भी पाकिस्तानी आतंकवादी हमले नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि मोदी शासन के दौरान दो घटनाएं हुईं, उन्होंने कहा कि देश के सैनिकों ने सर्जिकल स्ट्राइक किया और अपराधियों को खत्म कर पाकिस्तानी क्षेत्र में घुस गए और एक नया इतिहास रचा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कांग्रेस शासन के दौरान 10 लाख करोड़ रुपये का घोटाला हुआ था और कहा कि यह घोटाला कैग और सुप्रीम कोर्ट ने बताया था न कि उनके द्वारा। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ साल में मोदी के राज में एक रुपए का भी भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों से मुफ्त चावल उपलब्ध कराने का श्रेय भाजपा सरकार को जाता है।

आंध्र प्रदेश के कुछ जिलों में आंधी की चेतावनी

अमरावती, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आंध्र प्रदेश के कुछ जिलों के तापमान में मामूली गिरावट की भविष्यवाणी की है। विभाग ने अगले दो दिनों तक उत्तरी आंध्र प्रदेश में बिजली गिरने के साथ आंधी-तूफान की भी चेतावनी दी है। आईएमडी ने कहा कि उत्तरी कर्नाटक के ऊपर बने मजबूत उच्च दबाव वाले क्षेत्र और हवा के झोंकों के कारण गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। पार्वतीपुरम मान्यम, अल्लूरी सीताराम राजू, विजयनगरम, श्रीकाकुलम, अनकापल्ली, विशाखापत्तनम शहर के कुछ हिस्सों, काकीनाडा जिले के कुछ हिस्सों और उभया गोदावरी जिलों में आंधी आने की उम्मीद है।

इस बीच, आईएमडी ने रायलसीमा जिलों, यनमऔर दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बिजली चमकने और तेज हवाओं के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की भी चेतावनी दी है। आईएमडी ने लोगों को आंधी के दौरान सावधानी बरतने और घर के अंदर रहने की सलाह दी है। उन्होंने लोगों को खुले इलाकों में जाने से बचने और ऊंचे पेड़ों से दूर रहने की भी सलाह दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.